मदन चौधरी 7737504440
+ जय मेडिकल स्टोर +
हमारे यहाँ पर सभी प्रकार की दवाइयाँ उपलब्ध है।
24×7 डिलीवरी
सरकारी अस्पताल के सामने, माउण्ड रोड, आकरा भट्टा, आबूरोड़

दैनिक
हिंदुस्तान से रूबरू
RNI. RAJHIN 2023/88748
डाक पंजीयन संख्याः RJ/SRO/9680/2024-2026
वर्ष -3 | अंक -227 | मुल्यः 4.00 रू. | सिरोही, शुक्रवार, 24 अप्रेल, 2026 | प्रभात संस्करण | कुल पेज -8
WWW.hindustanserubaru.com | Twitter.com/hindustanserubaru | facebook.com/hindustanserubaru | YouTube.com/hindustanserubaru | 7014018569; 9887935774 | hindustanserubaru@gmail.com

संकल्पः ऐतिहासिक युद्ध के 450 साल पूरे होने पर 17 जून को उदयपुर में होगा भव्य आयोजन

मेवाड़-वागड़ के गांव-ढाणी तक पहुंचेगी हल्दीघाटी विजय की गौरव गाथा

तैयारी बैठक में आरएएस के राजस्थान क्षेत्र प्रचारक ने किया आह्वान

हिंदुस्तान से रूबरू

उदयपुर। मेवाड़ के लिए इस वर्ष महाराणा प्रताप जयंती अविस्मरणीय रहने वाली है। हल्दीघाटी युद्ध के 450 वर्ष पूरे होने के अवसर पर उदयपुर में हल्दीघाटी विजय सार्द्ध चतुःशती समारोह आयोजित होगा। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 17 जून को आने वाली जयंती के साथ यह भव्य उत्सव संकल्प सभा के रूप में मनाया जाएगा। आयोजन को लेकर बुधवार देर शाम टाइगर हिल स्थित राष्ट्रीय तीर्थ प्रताप गौरव केन्द्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजस्थान क्षेत्र प्रचारक निम्बाराम ने महत्वपूर्ण बैठक ली। महाराणा प्रताप समिति की ओर से आयोजित बैठक में उन्होंने आह्वान किया कि महाराणा प्रताप के प्रति जनमानस में जो श्रद्धा, आस्था और सम्मान का भाव है, उसे संकल्प में बदलना होगा। तभी महाराणा प्रताप और मेवाड़ के अदम्य शौर्यपूर्ण इतिहास को विश्व पटल पर गौरवान्वित कर पाएंगे। बैठक में निर्णय किया गया कि आयोजन से पहले मेवाड़-वागड़ के गांव-गांव ढाणी-ढाणी तक हल्दीघाटी विजय की गौरव गाथा पहुंचाई जाएगी। आयोजन में सहभागी बनाने के लिए सबसे आह्वान किया जाएगा। मेवाड़ के इतिहास से जुड़ी वीर गाथाओं के छोटे-छोटे कथानकों पर आधारित लघु नाटिकाओं का गांवों में मंचित किया जाएगा। मेवाड़-वागड़ में छोटे-छोटे क्षेत्रों को इकाइयों में बांटकर समितियों का गठन किया जाएगा, जिससे कि आयोजन के सभी भागीदार बन सकें। बैठक के दौरान बप्पारावल मासिक पत्रिका की सम्पादक डॉ. राधिका लढ़ा की लिखी गई तीर्थस्थल एवं जननायक-जनजाति क्षेत्र राजस्थान पुस्तिक का विमोचन भी किया गया। बैठक का संचालन समिति कोषाध्यक्ष सीए डॉ. महावीर चपलोत ने किया। परिचय सह प्रांच कार्यवाह नारायण गमेती ने दिया और आभार समिति महामंत्री दीपक कुमार शुक्ल ने ज्ञापित किया।

वीर शिरोमणि को आत्मसात कर आएं, दृढ़ संकल्प साथ लेकर जाएं

क्षेत्र प्रचारक निंबाराम ने चेतक सर्किल स्थित गांधी ग्राउंड में होने वाले विशाल राष्ट्र चेतना संकल्प सभा को लेकर कहा कि लोग इसे सामान्य रैली या आमसभा समझकर नहीं आएं। यदि उनके मन-मस्तिष्क में महाराणा प्रताप के प्रति अगाध श्रद्धा और विचार हैं तो लौटते समय दृढ़ संकल्प साथ लेकर जाएं। सभा को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत संबोधित करेंगे। बैठक में वनवासी कल्याण आश्रम के अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री भगवान सहाय ने 24 मई को दिल्ली में होने वाले विराट जनजाति सांस्कृतिक समागम की जानकारी भी दी।

बैठक में ये सदस्य और अतिथि रहे मौजूद

महाराणा प्रताप समिति अध्यक्ष प्रो. बीपी शर्मा, आरएसएस चित्तौड़ प्रांत के कार्यवाह शंकर माली, क्षेत्र प्रचारक प्रमुख श्रीवर्धन, क्षेत्रीय सेवा प्रमुख शिव लहरी, क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य हनुमानसिंह राठौड़, क्षेत्रीय गोसेवा प्रमुख राजेन्द्र पामेचा, प्रांत प्रचारक मुरलीधर, सह प्रांत प्रचारक डॉ. धर्मेन्द्र सिंह, नाथद्वारा विधायक विश्वराजसिंह मेवाड़, भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल, उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत, जनजाति मंत्री बाबूलाल खराड़ी, पूर्व मंत्री श्रीचंद कृपलानी, जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा, सागवाड़ा विधायक शंकरलाल डेचा, राज्यपाल सलाहकार डॉ. कैलाश सोडाणी, राजस्थान विद्यापीठ के कुलपति प्रो. एसएस सारंगदेवोत।

नेता प्रतिपक्ष जूली कल उदयपुर में, सर्किट हाउस में करेंगे जनसुनवाई

स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं से संवाद भी होगा

हिंदुस्तान से रूबरू

उदयपुर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली शुक्रवार को उदयपुर आएंगे। इस दौरान सर्किट हाउस में जनसुनवाई कर आमजन की समस्याएं सुनेंगे। प्रदेश कांग्रेस महासचिव पंकज कुमार शर्मा ने बताया कि जूली सिरोही से शाम 4 बजे उदयपुर पहुंचेंगे। पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की ओर से स्वागत के बाद आमजन से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनेंगे। बाद में पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संगठनात्मक गतिविधियों पर चर्चा करेंगे। शाम 6:30 बजे वह कई स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेंगे। उनका रात्रि विश्राम भी उदयपुर में ही होगा।

बंगाल में वोटिंग का नया रिकॉर्ड, पहले फेज में 90% मतदान हुआ

तमिलनाडु के इतिहास में सबसे ज्यादा 82' वोट पड़े

हिंदुस्तान से रूबरू

कोलकाता/चेन्नई। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में गुरुवार को बंपर वोटिंग हुई। बंगाल की 294 सीटों में से 152 सीटों पर पहले फेज में 89.93' मतदान हुआ। वहीं, तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर रिकॉर्ड 82.24' वोटिंग हुई। दोनों राज्यों के इतिहास में पहली बार सबसे ज्यादा वोटिंग हुई है। चुनाव आयोग की ओर से अंतिम आंकड़े आने के बाद इसमें और बदलाव होगा। बंपर वोटिंग पर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि बंगाल की जनता ने एसआईआर के विरोध में जमकर मतदान किया। इससे पहले असम, केरलम और पुडुचेरी में भी 9 अप्रैल को रिकॉर्ड वोटिंग हुई थी। असम के इतिहास में सबसे ज्यादा 85.91', पुडुचेरी में 90' और केरलम में 1987 के बाद सबसे ज्यादा 78.27' वोटिंग हुई थी।

कोटा में शादी से 8 दिन पहले युवक का मर्डर

ससुराल अंगूठी का नाप देने गया था

हिंदुस्तान से रूबरू

कोटा। कोटा में गुरुवार को शादी से आठ दिन पहले एक युवक की हत्या कर दी गई। वह ससुराल से अपनी अंगूठी का नाप देकर साले के साथ घर लौट रहा था। रास्ते में तीन बदमाशों ने लाठी, डंडों और पाइप से उस पर हमला कर दिया, जिससे युवक के हाथ-पैर टूट गए। साला भी मौके से भाग गया। देर रात इलाज के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। इटावा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। परिजनों ने युवक की मंगेतर और साले पर हत्या के षड्यंत्र में शामिल होने का शक जताया। दौलतपुरा के रहने वाले पिता प्रभुलाल ने बताया कि बेटा धर्मेंद्र सेन (26) की दुकान पर काम करता था। वह पिछले एक साल से सीसवाली में दुकान पर जा रहा था। 2 साल पहले बेटे का रिश्ता मुंगेना गांव में तय हुआ था। आठ दिन बाद (1 मई को) उसकी शादी होनी थी।

बैठकः उदयपुर की समस्याओं के समाधान के लिए जुटे भाजपा नेता और नगर निगम अधिकारी

समस्याओं को अनसुना नहीं करें, काम तो सबको करना ही होगा: विधायक जैन

शहर विधायक ने भाजपा नेताओं और मण्डल अध्यक्षों के साथ की बैठक

मई में पेचवर्क के निर्देश, स्वास्थ्य अधिकारी पर फूटा सबका गुस्सा

हिंदुस्तान से रूबरू

उदयपुर। शहर विधायक ताराचंद जैन ने गुरुवार को नगर निगम के निर्माण विभाग और स्वास्थ्य अधिकारियों की बैठक लेकर शहरी विकास के कार्यों और सफाई व्यवस्थाओं पर गहन चर्चा की। इस दौरान बैठक में मौजूद भाजपा नेताओं और मण्डल अध्यक्षों ने निगम के स्वास्थ्य अधिकारी के रवैये को लेकर कड़ी आपत्ति जताई और विधायक की मौजदूगी में उनकी शिकायत की। सबने बताया कि वे आमजन की समस्याओं को लेकर फोन करते हैं तो पहले वे उठाते नहीं और उठाते भी हैं तो सही जवाब नहीं देते। इस पर विधायक नाराजगी जताते हुए अधिकारी को ढंग से रिस्पॉन्स देने और सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। विधायक ने शहर में स्ट्रीट लाइटों के आगे आ रहे पेड़ों की डालियों की छंगाई करने के बारे में निगम अधिकारियों को कहा। वहीं आयड़ नदी के दोनों ओर फेंसिंग का काम पूरा नहीं होने पर आक्रोश जताया। बैठक में भाजपा नेता विजय आहूजा ने विद्युत विभाग और टेलीफोन विभाग के अनावश्यक पोलों को हटाने की आवश्यकता जताई। विधायक ने भी निगम अधिकारियों को ऐसे पोलों की सूची बनाकर देने को कहा। पार्षद रेखा ऊंटवाल ने कहा कि शहर में कई जगहों पर दिन में लाइटें जलती रहती हैं और रात को बंद हो जाती हैं। इससे उनके क्षेत्रों में अंधेरा पसरा रहता है। विद्युत लाइनों पर पेड़ों की बड़ी डालियां लटकने की शिकायतें भी कीं। इस पर निगम अधिकारियों ने बताया कि विद्युत लाइनों का साफ करने का जिम्मा विद्युत विभाग का है। जबकि शहर में लगी लाइटों के आस-पास सफाई इसलिए नहीं हो पा रही, क्योंकि निगम का टेंडर समाप्त हो चुका। विधायक ने शीघ्र टेंडर कराने के निर्देश दिए। बैठक में मण्डल अध्यक्ष कन्हैया वैष्णव, नानालाल वया के साथ निगम विद्युत शाखा के अधिशाषी अभियंता रितेश पाटीदार सहित निर्माण विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

शहर में हर तरफ गंदगी के अंबार, किससे करें शिकायत

बैठक में भाजपा नेताओं ने शहर की चरमराती सफाई व्यवस्था पर गहरी नाराजगी जताई। सबने कहा कि सफाई कर्मचारी शहर में सफाई नहीं करते, जिससे कचरा और गंदगी पसरी रहती है। भाजपा नेता अर्चना शर्मा ने ब्रह्मपुरी में सीवरेज ओवरफ्लो और राजेश वैष्णव ने जमादारों के काम नहीं करने पर सवाल उठाए। इस पर विधायक ने कहा कि शहर में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए निगम के कार्मिकों को सबके साथ मिलकर समन्वय से काम करना ही होगा। दुनिया भर के लोग उदयपुर आते हैं। उनके सामने भी हमारी छवि खराब होती है।

स्मार्ट सिटी के कामों की खोली पोल, जताई नाराजगी

बैठक के दौरान भाजपा नेताओं ने स्मार्ट सिटी के दौरान पुराने शहर में किए गए कार्यों के बारे में जमकर शिकायतें कीं। उन्होंने कहा कि जो सीसी रोड वहां बनाई गईं उनकी सरफेस इतनी चिकनी है कि लोग फिसल कर गिर जाते हैं। इसे दुरुस्त करने का काम किया जाए। विधायक जैन ने निर्माण अधिकारियों से कहा कि वे इस समस्या का तत्काल समाधान निकालें जिससे लोग और चोटिल नहीं हों। हाथीपोल क्षेत्र के तीन खंभों में सीवरेज के ओवरफ्लो होने की शिकायत सामने आई। इसके स्थाई समाधान की मांग उठी। विधायक ने अभियंता दिनेश पंचोली को 10 दिन में स्थाई समाधान करने के निर्देश दिए।

सड़कों के पेचवर्क का काम हो, स्पीड ब्रेकर बने

मण्डल अध्यक्ष रणजीत सिंह दिग्पाल ने बताया कि उनके क्षेत्र में स्थित श्मशानों में विकास काम के साथ स्पीड ब्रेकर और पेचवर्क के काम की महती आवश्यकता है। उन्होंने निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता मनीष अरोड़ा से इन कामों को करवाने के लिए आग्रह किया। अभियंता अरोड़ा ने बताया कि मई में पेचवर्क का टेंडर हो रहा है और शीघ्र यह कार्य पूरा हो जाएगा।

शहर के चार श्मशानों में बनेंगे आधुनिक शव दाह गृह

शहर विधायक ने बताया कि शहर के चार श्मशान घाटों पर आधुनिक शवदाह गृह बनाएं जाएंगे। इसमें लकड़ी का कम से कम उपयोग होगा। केन्द्र सरकार की ओर से आई इस योजना में डेढ़ से दो क्विंटल लकड़ियों में शव दाह हो जाएगा। इसके लिए सेक्टर-3, सेक्टर 11, अशोक नगर और रानी रोड स्थित श्मशान घाट का चयन किया गया है।

ट्रम्प की पोस्ट से विवाद, भारत-चीन को बताया नरक का द्वार

कट्टरपंथी अमेरिकी लेखक का पत्र किया साझा

हिंदुस्तान से रूबरू

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट शेयर कर भारत और चीन को हेल हॉल यानी नरक का द्वार बताया। यह चिट्ठी कट्टरपंथी अमेरिकी लेखक और रेडियो होस्ट माइकल सैवेज ने लिखी, जिसे ट्रम्प ने साझा किया। इसमें जन्म के आधार पर नागरिकता देने की आलोचना की गई और भारत-चीन समेत कई देशों पर विवादित टिप्पणियां की गईं। इसमें लिखा गया कि प्रवासी जन्म के आधार पर अपने बच्चों को नागरिकता दिलाते हैं। फिर पूरा परिवार अमेरिका आ जाता है। इसमें बर्थराइट कानून की आलोचना कर कहा गया कि इसका फैसला अदालतों या वकीलों से नहीं बल्कि देशव्यापी वोटिंग से होना चाहिए। चिट्ठी के साथ सैवेज का वीडियो भी टैग किया गया। इस पर भारत के विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया आई।

मोदी के 'सशक्त कृषक, समृद्ध भारत' के विजन को साकार करेगी यह मीट, प्रदेश की कृषि को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करने का सुनहरा अवसर : भजनलाल शर्मा

जयपुर राजस्थान में प्राकृतिक और आधुनिक खेती को बढ़ावा देने, प्रदेश के किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने और प्रदेश के किसानों को खेती से जुड़े अन्य व्यवसाय से जोड़ने तथा कृषि उत्पादन बढ़ाने जैसे बड़े लक्ष्य निर्धारित करके प्रदेश के भजनलाल सरकार की ओर से दिल्ली में गुरुवार को ग्लोबल राजस्थान एग्रोटेक मीट का आयोजन किया गया इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम को केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री के अलावा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और कृषि मंत्री डॉक्टर किरोड़ी मीणा ने भी संबोधित किया अपने संबोधन में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस कार्यक्रम में शामिल हो रहे देश और विदेश के कृषि क्षेत्र से जुड़े लोग,कृषि क्षेत्र से सीधे जुड़े अन्य व्यवसाय से जुड़े लोग, कृषि वैज्ञानिक, प्रगतिशील किसान इत्यादि सेक्टर के लोग शामिल हैं

वसुंधरा के फर्जी-लेटर मामले में 4 आरोपी रिमांड पर

एआई से बनाया था वीडियो, जांच जारी

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के नाम से फर्जी लेटर और एआई से बनाए वीडियो के मामले में चार आरोपियों को गुरुवार को जयपुर कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने मोहाली (पंजाब) की रहने वाली अमृता धुमाल को एक दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया, जबकि भोपाल के रहने वाले आरोपी निखिल, बिलाल खान और इनाम अहमद को तीन दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया। ज्योति नगर थाना पुलिस आरोपियों से मामले में पूछताछ करेगी। आरोपियों से वीडियो बनाने से लेकर फेक लेटर उपलब्ध करवाने वाले सोर्स के बारे में पूछताछ की जाएगी। पुलिस अधिकारी राजर्षि राज ने बताया कि कथित वीडियो का मुक़दमा दर्ज हुआ था, जिसके आधार पर इन सभी को गिरफ़्तार किया गया। वसुंधरा राजे का लेटर किसने सोशल मीडिया पर वायरल किया और किसने उसको तैयार किया, यह जांच का विषय है।

उदयपुर नगर निगम क्षेत्र में 11.50 फीसदी मतदाता घटे, जुड़े कम-हटे ज्यादा

195 निकायों की मतदाता सूची का हुआ अंतिम प्रकाशन

3.22 लाख मतदाता हुए कम, बाड़मेर-नागौर में बढ़े

हिंदुस्तान से रूबरू

उदयपुर। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से नगर निकाय चुनाव-2026 के लिए मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन कर दिया गया। पहले चरण प्रदेश में 309 स्थानीय निकायों में से 195 निकायों की मतदाता सूची का प्रकाशन हुआ। शेष 113 स्थानीय निकायों की मतदाता सूची का कार्य पूरा होने के बाद सूचियों को जारी किया जाएगा। निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने बताया कि ड्राफ्ट सूची की तुलना में अंतिम सूची में 3 लाख 22 हजार 37 मतदाताओं की कमी दर्ज की गई, जो कुल मतदाताओं का लगभग 2.90 प्रतिशत है। सबसे ज्यादा मतदाताओं के नाम जोधपुर में 16.9 प्रतिशत कटे तो दूसरे स्थान पर उदयपुर रहा। यहां निकाय क्षेत्र में 11.50 प्रतिशत मतदाताओं के नाम कट गए। वहीं बाड़मेर में 2.50 प्रतिशत तो नागौर में 2.40 प्रतिशत मतदाताओं की वृद्धि दर्ज गई हुई। राज्य के 39 जिलों में नगर निकायों के 6 हजार 485 वार्डों तो 12 हजार 198 मतदान केंद्र बनाए गए।

5 लाख 49 हजार 916 मतदाताओं के नाम हटाए गए

दो महीने पहले 20 फरवरी को प्रकाशित ड्राफ्ट सूची में कुल 1 करोड़ 13 लाख 29 हजार 913 मतदाता शामिल थे। ड्राफ्ट सूची प्रकाशन के बाद 2 लाख 27 हजार 879 नए मतदाता जोड़े गए तो 5 लाख 49 हजार 916 मतदाताओं के नाम हटाए गए। इसके बाद अंतिम प्रकाशन में कुल 1 करोड़ 10 लाख 7 हजार 876 मतदाता दर्ज किए गए। राज्य के 195 नगर निकायों में प्रकाशित इस अंतिम मतदाता सूची में 56 लाख 57 हजार 921 पुरुष, 53 लाख 49 हजार 578 महिलाएं और 377 ट्रांसजेंडर शामिल हैं।

निर्वाचन आयोग की साइट पर मतदाता ऐसे चेक करें अपने नाम को

आयोग की वेबसाइट sec.rajasthan.gov.in पर लॉग-इन कर होमपेज पर Municipal Election 2026 सेक्शन में Search Voter Name पर क्लिक करें। अपने जिले, नगर निकाय (पालिका/परिषद/निगम) और वार्ड नंबर का चयन करें। अपना नाम, पिता/पति का नाम या एपिक यानी वोटर आईडी नंबर दर्ज करें। यहां से पूरे वार्ड की पीडीएफ फाइल डाउनलोड कर सकते हैं ताकि अपने परिवार का ब्योरा एक साथ देख सकें। यदि ऑनलाइन दिक्कतें आ रही हो तो अपने क्षेत्र के बीएलओ से संपर्क कर ऑफलाइन लिस्ट चेक करें।

जिला स्तरीय पोषण पखवाडा समापन कार्यक्रम

हिंदुस्तान से रूबरू

सिरोही, पोषण अभियान अन्तर्गत 09 अप्रेल से 23 अप्रेल 2026 तक आयोजित "अष्टम पोषण पखवाडा" के तहत गुरूवार को महिला एवं बाल विकास विभाग एवं सीएमएफ टाटा ट्रस्ट के समन्वय से "जिला स्तरीय पोषण पखवाडा समापन कार्यक्रम" का आयोजन कार्यालय, उप निदेशक महिला एवं बाल विकास विभाग, सिरोही के परिसर के बाहर किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ. राजेश गोयल द्वारा फीता काटकर किया गया। कार्यक्रम में पधारे अतिथियों अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ. राजेश गोयल एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रकाश चंद अग्रवाल द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग की आंगनबाडी कार्यकर्ताओं द्वारा एवं सीएमएफ टाटा ट्रस्ट द्वारा लगाई गई पोषणयुक्त आहार,

योजनाओं की जानकारी, खेल-खेल में पढाई आदि प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम में पधारे अतिथियों का उप निदेशक महिला एवं बाल विकास, सिरोही द्वारा बुके भेटकर उनका स्वागत किया गया। अतिरिक्त जिला कलक्टर द्वारा आंगनबाडी कार्यकर्ताओं का होसला बढाते हुए उनके कार्यों की सराहना की गई तथा कुपोषित महिलाओं एवं बच्चों को पोषणयुक्त आहार के उपयोग की एवं विभागीय योजनाओं को प्रत्येक जन तक पहुचाने के निर्देश प्रदान किये। मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रकाश चंद अग्रवाल द्वारा आंगनबाडी कार्यकर्ताओं को उनके द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी के अनुसार वास्तविक जमीनी स्तर पर कार्य करने के निर्देश दिये। बच्चों को मोबाईल से दूर रखने एवं स्वयं को भी आवश्यकतानुसार मोबाईल का उपयोग करने एवं पोषण पर ध्यान देने के लिए निर्देश प्रदान किये। मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा गर्भवती महिलाओं को न्यूट्री किट भेटकर गोदभराई की रस्म अदा की तथा छः माह पूर्ण करने वाले नवजात शिशुओं का अन्नप्राशन करवाया गया। बीसीएमओ डॉ. विवेक जोशी द्वारा गर्भवती महिला को गर्भावस्था के समय ध्यान में रखने योग्य बातों एवं पोषण संबंधी जानकारी को लोगो तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ताओं को अवगत करवाया ताकि जन्म लेने वाला बच्चा स्वस्थ हो साथ ही नन्हे शिशुओं के लिए माँ का दुध सर्वोत्तम आहार बताया। सहायक निदेशक महिला अधिकारिता अंकिता राजपुरोहित द्वारा आंगनबाडी कार्यकर्ताओं को महिलाओं की माहवारी के समय ध्यान में रखी जाने वाली बातों को आंगनबाडी केन्द्र पर आने वाले लाभार्थियों तक पहुंचाने के संबंध बताया। कार्यक्रम के अन्त में उप निदेशक घेवर राठौड़ द्वारा मुख्य अतिथियों एवं कार्यक्रम में पधारने वाले समस्त अधिकारी कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। पोषण कार्यक्रम में उपनिदेशक कार्यालय समस्त स्टाफ, बाल विकास परियोजना अधिकारी, योशिता कल्ला आबूरोड, मुथमित्तल पिण्डवाडा, सुनीता सामतानी शिवगंज समस्त महिला एवं पुरूष पर्यवेक्षक, चरण सिंह डीसी एनएनएम एवं समस्त एनएनएम स्टाफ, सीएमएफ टाटा ट्रस्ट से प्रशान्तों डिस्ट्रीक्ट कॉर्डिनेटर एवं स्टाफ तथा आंगनबाडी कार्यकर्ताए उपस्थित रही।

अजमेर में भाजपा महिला मोर्चा का प्रदर्शनः रावण के पुतले को पीटा

अजमेर

नारी वंदन अधिनियम को संसद में पारित नहीं होने देने के विरोध में अजमेर भाजपा महिला मोर्चा ने आज प्रदर्शन किया। महिला कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट तक रैली निकालते हुए कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी की और अपना विरोध दर्ज कराया। भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारी और कार्यकर्ता होटल अजमेरु में एकत्रित हुईं, जहां से रैली के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचीं। इस दौरान महिलाओं ने हाथों में तख्तियां लेकर विरोध-प्रदर्शन किया। कलेक्ट्रेट के बाहर कांग्रेस सांसदों के फोटो लगाकर रावण का पुतला बनाया गया, जिसे पहले जूते-चप्पलों से मारा और बाद में काली पट्टी बांधकर जलाया गया। प्रदर्शन के दौरान कुछ महिला कार्यकर्ता बैरिकेड्स पर चढ़कर कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी करती नजर आईं। पूरे क्षेत्र में विरोध के चलते माहौल गरमाया रहा। स्थिति को नियंत्रित रखने के लिए कलेक्ट्रेट के बाहर पुलिस का अतिरिक्त जाब्ता तैनात किया गया था। इस मौके पर भाजपा महिला मोर्चा की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मधु शर्मा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से पेश किए गए नारी वंदन अधिनियम का कांग्रेस ने विरोध कर महिलाओं के सपनों को तोड़ने का काम किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने महिलाओं के सशक्तिकरण के खिलाफ काम किया और साधारण परिवारों की महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी के अवसरों को नुकसान पहुंचाया। प्रदर्शन में जिला अध्यक्ष रमेश सोनी सहित बड़ी संख्या में महिला पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दरगाह कमेटी के कार्मिकों की गिरफ्तारी का विरोधः जानबूझकर प्रताड़ित करने का आरोप

अजमेर

अजमेर दरगाह कमेटी के कार्मिकों की गिरफ्तारी को लेकर विरोध सामने आया है। कार्मिकों के वकील का आरोप है कि दरगाह थाना पुलिस ने वारंट रिसीव ही नहीं किए और जानबूझकर कर्मचारियों को प्रताड़ित किया। दरगाह पहुंचकर कार्मिकों ने विरोध जताया और पुलिस की कार्रवाई को गलत बताया। वहीं दरगाह थाना प्रभारी दिनेश जीवनानी ने कहा कि वारंट मिलने पर कार्रवाई नियमानुसार की गई। वकील मोहम्मद रईस खान ने बताया कि दरगाह के चार नंबर गेट पर चप्पल-जूतों के लिए पैसे वसूली करने की शिकायत मिली थी। इस पर दरगाह कमेटी के कार्मिकों ने कार्रवाई की। मामले में 23 मार्च 2026 को जब समन मिला तो पता चला कि दरगाह कमेटी के कार्मिकों को ही दरगाह थाना पुलिस ने शांतिभंग में पाबंद करने की कार्रवाई की। 24 मार्च को सिटी मजिस्ट्रेट के एडीएम दफ्तर में हाजरी दी, जिसके बाद 8 अप्रैल की तारीख मिली। इसके बाद सभी 8 अप्रैल को पेश हुए और मामले में सभी पक्षों के लिए कॉमन तारीख 2 जून दे दी गई। इसके बाद 22 अप्रैल की रात 9 बजे सलीम मोहम्मद और रफी इस्लाम को दरगाह थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पूछने पर पता चला कि तारीख पेशी पर गैर हाजिर होने के कारण गिरफ्तारी वारंट जारी हुए। जबकि गिरफ्तारी वारंट एडीएम सिटी ऑफिस से दरगाह थाना पुलिस की ओर से रिसिव ही नहीं किए गए। इसके बावजूद पुलिस ने गिरफ्तार कर पेश किया। इसके बाद में जमानत पर रिहा हुए। रिहा होने के बाद कार्मिक दरगाह पहुंचे और वहां इस गिरफ्तारी पर विरोध जताया। उनका कहना रहा कि वे अपनी ड्यूटी कर रहे थे और उनके खिलाफ पुलिस की कार्रवाई गलत है।

पूर्व महापौर बोलीं- विपक्ष की नीति का पता चलाः घृणित सोच सामने आ रही

सवाई माधोपुर

सवाई माधोपुर में जयपुर ग्रेटर की पूर्व महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला। इस दौरान उन्होंने कहा महिला आरक्षण विधेयक के गिरने के बाद अब कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल आधी आबादी के सामने मुंह कैसे दिखाएंगे। उन्हें इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। यह बात डॉ. सौम्या गुर्जर ने जिला भाजपा कार्यालय पर आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान कही। दरअसल, नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण संशोधन विधेयक, 2026) के लोकसभा में पर्याप्त बहुमत न मिलने के कारण गिर गया था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने देशभर में प्रेस वार्ताओं और प्रदर्शनों के माध्यम से विपक्षी दलों, विशेषकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोल रही है। इस कड़ी में आज सवाई माधोपुर में भाजपा की ओर से जिला भाजपा कार्यालय पर प्रेसवार्ता आयोजित की गई? थी। इस दौरान डॉ. सौम्या गुर्जर ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा है कि महिलाओं को उनका प्रतिनिधित्व मिले। इस अधिनियम को पास नहीं होने के कारण लोगों को विपक्ष की रीति नीति का पता लग गया। उन्होंने कहा कि राजस्थान विधानसभा में महिलाओं का केवल 11' प्रतिनिधित्व है। जबकि अन्य राज्यों की विधानसभाओं में 8-10 प्रतिशत प्रतिनिधित्व है। जिसे भाजपा बढ़ाना चाहती है। जिससे लोकसभा, राज्यसभा और विधानसभा में हर तीसरी महिला जनप्रतिनिधि बने, लेकिन पप्पू यादव जैसे लोगों की महिलाओं की घृणित सोच सामने आ रही है। कांग्रेस इसे अधिनियम को केवल लटकाए रखना चाहती है। साल 2023 में पारित हुए अधिनियम के बाद फिर से यह अधिनियम लाने के सवाल पर डॉ. सौम्या गुर्जर ने कहा कि आगामी समय जनगणना होने है इसलिए इस अधिनियम में संशोधन जरूरी था, जो कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों से बर्दाश्त नहीं हुआ। इस दौरान भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ भरत लाल मथुरिया, महिला मोर्चा की पूर्व जिलाध्यक्ष संतोष मथुरिया, चेतना मीणा और भाजपा जिला मीडिया प्रभारी सुरेंद्र शर्मा मौजूद रहे।

छोटीसादड़ी में टेंट गोदाम में भीषण आग, करोड़ों का सामान जलकर खाक

विधायक कृपलानी ने मौके पर पहुंचकर ली घटना की जानकारी, अधिकारियों को दिए निर्देश

हिंदुस्तान से रूबरू

प्रतापगढ़/छोटीसादड़ी।निंबाहेड़ा विधानसभा के छोटीसादड़ी नगर में स्थित भोले टेंट हाउस के गोदाम में गुरुवार को अज्ञात कारणों से भीषण आग लग गई, जिससे करोड़ों रुपए का टेंट एवं अन्य सामान जलकर राख हो गया। आग इतनी विकराल थी कि कुछ ही समय में पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही पूर्व यूडीएच मंत्री एवं विधायक श्रीचंद कृपलानी ने निंबाहेडा से भी फायर बिग्रेड की गाड़ी छोटीसादड़ी घटना स्थल के लिए रवाना की तथा बाद में स्वयं भी मौके पर पहुंचे तथा घटना की जानकारी लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। टेंट व्यवसायी मुकेश माली ने बताया कि इस आगजनी में गोदाम में रखा नया टेंट सामग्री–जिसमें बिस्तर, रजाई, तकिए, टेंट के पर्दे, गद्दे, कूलर, कुर्सियां, खाने के बर्तन (प्लेटें, कटोरियां) सहित अन्य आवश्यक सामान पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया। उन्होंने बताया कि इस घटना में अनुमानित बाजार कीमत 1.50 करोड़ रुपए से अधिक का टेंट का सामना जलकर खाख हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही उनके परिजन पूर्व भाजपा नगर अध्यक्ष रामचंद्र माली सहित परिजन मौके पर पहुंचे और आग बुझाने के प्रयासों में सहयोग किया। वहीं, सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम भी तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। बाद में विधायक कृपलानी भी मौके पर पहुंचे तथा आगजनी की घटना का जायजा लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

रेशमा सोलंकी के जन्मदिवस पर मुस्लिम महासभा का प्रदेशव्यापी अभियानः 'एक वृक्ष - एक जीवन, एक परिंडा - अनेक जीवन'

प्रदेश अध्यक्ष इकबाल भाटी का आह्वानः हर जिले-गांव में लगे फलदार पेड़ और परिंडे

हिंदुस्तान से रूबरू

प्रतापगढ़। मुस्लिम महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्षा रेशमा सोलंकी के जन्मदिवस 24 अप्रैल शुक्रवार दिन पावन अवसर पर संगठन द्वारा पूरे राजस्थान में वृक्षारोपण एवं परिंडा अभियान का शुभारंभ किया जा रहा है। मुस्लिम महासभा के प्रदेश सचिव सैयद एजाज ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश अध्यक्ष जनाब इकबाल भाटी ने प्रदेश के समस्त जिलाध्यक्षों, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से आह्वान किया है कि वे अपने-अपने जिलों, तहसीलों एवं गांवों में इस अभियान को जन-आंदोलन का रूप दें। जनाब भाटी ने कहा कि गर्मी के भीषण मौसम में पर्यावरण संतुलन बनाए रखना और पक्षियों-जीव-जंतुओं के लिए जल की व्यवस्था करना हमारा नैतिक व सामाजिक दायित्व है।

अभियान के तहत दिए गए निर्देश

1. अधिक से अधिक छायादार एवं फलदार वृक्षों का रोपण किया जाए।
2. सार्वजनिक स्थलों, मस्जिदों, स्कूलों, बगीचों व अन्य उपयुक्त स्थानों परिंडे लगाए जाएं।
3. लगाए गए वृक्षों की नियमित देखभाल व संरक्षण की जिम्मेदारी तय की जाए।
4. स्थानीय नागरिकों, युवाओं एवं समाजसेवियों को जोड़कर अभियान को व्यापक बनाया जाए। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह अभियान केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित एवं संतुलित पर्यावरण देने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है। यह संगठन की सेवा भावना, सामाजिक जिम्मेदारी एवं मानवीय संवेदनाओं का भी प्रतीक है। सभी पदाधिकारियों से अपेक्षा की गई है कि इस पुनीत कार्य को पूर्ण निष्ठा, उत्साह एवं समर्पण के साथ सफल बनाएं और अपने-अपने क्षेत्रों में इसकी प्रेरणादायक मिसाल प्रस्तुत करें।

तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में दूसरे दिन हवन के साथ कई धार्मिक अनुष्ठान हुए

पंच कुंडी हवन के साथ कई धार्मिक अनुष्ठान हुए संपन्न, प्राण प्रतिष्ठा व महाप्रसादी को लेकर लोगों में उत्साह

हिंदुस्तान से रूबरू

जयपुर। जगतपुरा स्थित कान्हा एन्क्लेव के कृष्ण कृपा परिसर में गुरुवार को श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। पंच कुंडीय हवन के साथ कई धार्मिक अनुष्ठान भी किए गए। शिव पंचायत एवं बजरंग बली हनुमान जी की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा एवं महायज्ञ महोत्सव भव्य कार्यक्रम में दूसरे दिन के धार्मिक अनुष्ठान हुए जिसमें मंत्रों उच्चारणों के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई। मुख यजमान के साथ अलग-अलग हवन कुंड में जोड़ो सहित श्रद्धालुओं ने आहुति दी इस दौरान हजारो की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। भक्तगण भक्ति भाव में सराबोर होकर 'हर-हर महादेव' और 'जय श्रीराम' के उद्घोष भी किया। इस दौरान पूरे क्षेत्र का वातावरण धार्मिक आस्था और उत्साह से भर गया। आयोजन समिति ने बताया कि आज मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा का मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा और शाम के सत्र में महाप्रसादी का आयोजन भी रखा गया है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। इसी क्रम में 24 अप्रैल की रात्रि को शिव-पार्वती विवाह (शिव ब्यावला) का भव्य आयोजन किया जाएगा, जो इस धार्मिक महोत्सव का विशेष आकर्षण रहेगा। आयोजन स्थल कृष्ण कृपा, कान्हा एन्क्लेव, निलय कुंज के समीप, सिरोली में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। समिति ने सभी धर्मप्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

जोधपुर में तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार को कुचला, मौतः आक्रोशित लोगों ने ट्रैक्टर टैंकर लगाकर रास्ता किया जाम

जोधपुर

जोधपुर में तेज रफ्तार डंपर ने सामने से आ रहे बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद ड्राइवर डंपर लेकर मौके से भाग छुटा। आक्रोशित लोगों ने मौके पर रास्ता रोककर जाम लगा दिया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची लूणा थाना पुलिस डंपर और ड्राइवर की तलाश में जुट गई है। घटना लूणी थाना क्षेत्र स्थित मोगड़ा-सरेचा रोड पर गुरुवार सुबह 11:30 बजे की है। जहां आक्रोशित लोगों ने गांव की सड़क के बीच ट्रैक्टर-टैंकर खड़ा करने के साथ ही अन्य सामान रखकर विरोध जता रहे हैं। ग्रामीण डंपर ड्राइवर की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हुए हैं। फिलहाल, ग्रामीणों द्वारा रास्ता रोककर विरोध प्रदर्शन जारी है।

विश्वराजसिंह मेवाड़ पर बयानबाजी के खिलाफ कार्रवाई की मांगः देवड़ा नोबल्स सोसायटी की कलेक्टर को शिकायत, पूर्वराजपरिवार के सदस्य पर अभद्र टिप्पणी की थी

उदयपुर

विद्या प्रचारिणी सभा के सदस्य एवं चित्तौड़गढ़ के पूर्व जिला प्रमुख भेरूसिंह चौहान द्वारा सभा के प्रधान संरक्षक और नाथद्वारा विधायक विश्वराजसिंह मेवाड़ पर की गई कथित अभद्र टिप्पणी को लेकर विवाद गहरा गया है। इस मामले में देवड़ा नोबल्स सोसायटी ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। सोसायटी अध्यक्ष हरिसिंह देवड़ा ने बताया कि बीएन यूनिवर्सिटी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सभा के कुछ सदस्यों ने पूर्व राजपरिवार सदस्य विश्वराजसिंह मेवाड़ के खिलाफ आपत्तिजनक और अभद्र भाषा का प्रयोग किया। इससे मेवाड़वासियों की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की बयानबाजी क्षेत्र की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक गरिमा के खिलाफ है। सोसायटी पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि कुछ लोग मनमाने तरीके से सभा का संचालन कर रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से मामले में संज्ञान लेकर उचित कार्रवाई करने की मांग की। भेरूसिंह चौहान ने अपने बयान में कहा था कि महाराणा भूपाल सिंह ने शिक्षा संस्थान के लिए यह संपत्ति दान की थी और संस्था लंबे समय से संचालित हो रही है। उन्होंने विश्वराजसिंह मेवाड़ की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कई विवादित टिप्पणियां की थीं। साथ ही सभा के संचालन, एडहॉक कमेटी और प्रशासनिक हस्तक्षेप को लेकर भी आपत्ति जताई थी। उसके बाद उनके पड़पोते (विश्वराजसिंह मेवाड़) ये कह सकते हैं क्या कि मैं चाहूंगा जो ही होगा। हमारी पर्सनेलिटी पर घातक है ये महाराणा। इनके पिता बीजेपी में थे और हम कांग्रेस में थे। इनके कारण हम बीजेपी में आए। ढाई साल बाद ये कांग्रेस में चले गए थे। हमारी तो राजनीति में ऐसी की तैसी हो गई। हालाकि, बयान पर विवाद बढ़ने के बाद अगले ही दिन उन्होंने माफी मांग ली थी। उन्होंने कहा कि विश्वराजसिंह मेवाड़ सभा के सदस्य नहीं हैं।हम मर्यादा के कारण उनको सहन कर रहे हैं। उनकी बनाई ये एडहॉक कमेटी इलीगल है। अगर किसी पुलिस वाले ने हमें फोर्स किया तो गलत होगा। हम कानून में खड़ा कर पुलिस वालों के भी फीते उतरा देंगे। कोई भी इस मामले में गलतफहमी न पाले, अगर किसी ने दादागिरी की तो तलवारें चल जाएंगी। वर्तमान प्रबंधन का कार्यकाल 12 फरवरी 2026 को समाप्त हो चुका था। इसके बाद चुनाव होने थे, लेकिन वर्तमान प्रबंधन द्वारा 54 नए सदस्यों को जोड़ने को लेकर विवाद हो गया था। तब से विद्या प्रचारिणी सभा की पूर्व कार्यकारिणी और मुख्य संरक्षक द्वारा गठित एडहॉक कमेटी के बीच टकराव की स्थिति बनी हुई है। इनके अधिकारों को लेकर मामला फिलहाल कोर्ट में है।27 अप्रैल को अगली सुनवाई होनी है। दरअसल, 15 अप्रैल को एडहॉक कमेटी चार्ज लेने पहुंची तो सभा के एमडी, फाइनेंस सेक्रेट्री, रजिस्ट्रार और ऑडिटर चैम्बर के ताले लगे मिले थे। तब से अब तक इन ऑफिसेज के ताले नहीं खुले हैं। ऐसे में एडमिशन सहित अन्य प्रशासनिक काम ठप है। परीक्षा, मैनेजमेंट सहित छात्रों की समस्याओं का हल नहीं हो पा रहा है।

पत्नी की हत्या के आरोपी पति को उम्र कैद

20 हजार का जुर्माना, शर्ट पर मिला था खून, दहेज के लिए करता था परेशान

अजमेर

अजमेर की एससी-एसटी कोर्ट ने पत्नी की गला रेतकर हत्या करने वाले पति को उम्र कैद की सजा सुनाई है। आरोपी पर कोर्ट ने 20 हजार का आर्थिक दंड भी लगाया। गुरुवार को फैसला जज अक्षि कंसल की ओर से सुनाया गया। मामले की जानकारी सरकारी वकील पंकज जैन की ओर से दी गई। सरकारी वकील पंकज जैन ने बताया कि कोर्ट ने आरोपी पति इलाहाबाद निवासी रिजवान को पत्नी शाहीन की सब्जी काटने वाले चाकू से गला रेतकर हत्या के मामले में उम्र कैद की सजा सुनाई है। जिसमें अभियोजन पक्ष की ओर से 13 गवाह, 47 दस्तावेज और 11 आर्टिकल पेश किए गए थे। मामला 26 अप्रैल 2021 गंज थाना क्षेत्र का है। जैन ने बताया कि इस फैसले में पड़ोस में लगे सीसीटीवी और आरोपी पति के शर्ट पर मिले खून की अहम भूमिका रही थी। एफएसएल रिपोर्ट में आरोपी पति की शर्त पर मिला खून उसकी पत्नी के खून से मैच हुआ था। इसके साथ ही पड़ोस में लगे सीसीटीवी में वह घर में जाकर शर्ट बदलकर वापस कुछ देर बाद दूसरी शर्ट में अपनी बेटी को साथ लेकर भागता हुआ दिखाई दिया था। इसके साथ ही चाकू पर भी फिंगरप्रिंट मिले थे। न्यायालय सीसीटीवी कोर्ट में भी चला कर देखे थे। इसके बाद न्यायाधीश की ओर से यह फैसला सुनाया गया। सरकारी वकील पंकज जैन ने बताया कि मामला गंज थाना क्षेत्र का था। 27 अप्रैल 2021 को वेस्ट बंगाल निवासी सहिदा की ओर से मुकदमा दर्ज करवाया गया था। जिसमें उसने बताया कि उसकी बेटी शाहीन की शादी 2 साल पहले इलाहाबाद के रहने वाले रिजवान से हुई थी। दोनों की 13 महीने की एक बेटी हैं। बेटी का पति दहेज की मांग को लेकर आए दिन बेटी से लड़ाई झगड़ा करता था। 26 अप्रैल को शाम 7 बजे वह काम करके घर आई और रोज इफ्तारी का समय होने पर उसने अपनी बेटी शाहीन को आवाज लगाई तो वह नहीं आई। जब उसने अंदर जाकर देखा तो बेटी लहूलुहान हालत में थी। गले पर गहरा गांव था और खून बह रहा था। इसके बाद उसने मकान मालिक के पुत्र को आवाज़ लगाई और बेटी को अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मां ने शिकायत में आरोप लगाया कि उसकी बेटी की दहेज की मांग को लेकर दामाद रिजवान ने हत्या कर दी और उसकी नवासी को लेकर फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर 1 माई 2021 को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद कोर्ट में चालान पेश किया गया।

नियमित दिनचर्या और जागरुकता ही हृदयरोग का निदान-डॉ गुप्ता

आत्मा और मन को स्वस्थ रखता है मेडिटेशन

हिंदुस्तान से रूबरू

आबू रोड, हमारी दिनचर्या, रहन सहन मनुष्य के जीवन पर गहरा प्रभाव डालता है। हमारी सोच भी हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। नकारात्मक विचार ओर नकारात्मक खान पान हमें खराब सेहत की ओर ले जाते है। इसलिए हमें इसका ध्यान रखना चाहिए। उक्त उदगार ब्रह्माकुमारीज संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके सुदेश दीदी ने व्यक्त किया। वे हृदयरोगियों के 188 वे कार्यक्रम में बोल रही थी। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल की जीवन शैली सर्वांगिण स्वास्थ्य की कुंजी थी। वर्तमान समय में अधिकतर बीमारियों की जड मानसिक स्वाथ्य है। इसलिए हमें इसके बारे में जरुर विचार करना चाहिए। कार्यक्रम में कैड कार्यक्रम के निदेशक तथा हृदयरोग विशेषज्ञ डॉ सतीष गुप्ता ने कहा कि यदि इसी तरह हृदय रोग बढ़ता रहा। तो आने वाले दिनों में भारत हृदयरोग की राजधानी बन जायेगा। इसके लिए व्यायाम, डाईट, मेडिसीन और मेडिटेशन से हृदयरोग जैसी घातक बीमारियों पर अंकुश पाया जा सकता है। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज संस्थान के अतिरिक्त महासचिव बीके मृत्युंजय ने लोगों से अपनी दिनचर्या में सुधार करने की अपील की साथ ही अपने सकारात्मकता अपनाने की सलाह दी। इस अवसर पर ग्लोबल हास्पिटल के मैनेजिंग ट्स्टी डॉ प्रताप मिडढा ने कहा कि मन की सोच का असर शरीर पर पड़ता है। साथ ही ईश्वरीय ज्ञान को जीवन में उतारने का प्रयास करने की जरुरत है।

तेलपुर में युवक का संदिग्ध परिस्थितियों में मिला शव

मौत के कारणों का नहीं हुआ खुलासा, जांच जारी

हिंदुस्तान से रूबरू

सिरोही जिले के पिंडवाड़ा थाना क्षेत्र के तेलपुर गांव के पास एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव की पहचान की और परिजनों को सूचना दी। इसके बाद शव को पिंडवाड़ा सरकारी अस्पताल की मॉर्चुयरी में रखवाया गया। जानकारी के अनुसार पिंडवाड़ा पुलिस को सूचना मिली थी कि तेलपुर गांव के पास सड़क से थोड़ी दूरी पर एक युवक का शव पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव की पहचान तेलपुर निवासी प्रवीण पुत्र सवाराम भील के रूप में की। पुलिस ने परिजनों को भी मौके पर बुलाया और मौका मुआयना किया। पुलिस मामले की जांच में जुटी इससे पहले किसी ने 108 एम्बुलेंस को सूचना दी थी कि एक घायल युवक मौके पर पड़ा है। एम्बुलेंस 108 जब मौके पर पहुंची, तब तक युवक की मौत हो चुकी थी। इसके बाद एम्बुलेंस कर्मियों ने पिंडवाड़ा पुलिस को सूचना दी। पुलिस इस मामले में अभी तक यह स्पष्ट नहीं कर पाई है कि युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई है। पुलिस दुर्घटना या किसी अन्य कारण की संभावनाओं पर जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम करवाने के बाद मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर इस मामले में आगे की जांच की जाएगी।

लूणकरणसर में किसान टंकी पर चढ़ा, खेत में बिना अनुमति तार डालने का आरोप

शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से नाराजगी, प्रशासन की समझाइश के बाद उतरा नीचे

हिंदुस्तान से रूबरू

बीकानेर/लूणकरणसर। बीकानेर जिले के लूणकरणसर क्षेत्र में एक किसान द्वारा जलदाय विभाग की टंकी पर चढ़ने का मामला सामने आया है। घटना भगत सिंह स्टेडियम के पास स्थित जलदाय टंकी की है, जहां किसान ने अपने खेत में बिना अनुमति सोलर प्लांट के लिए विद्युत तार डालने का आरोप लगाते हुए विरोध जताया। बताया जा रहा है कि किसान ने इस संबंध में पहले भी कई बार शिकायत की, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से वह नाराज था। इसी आक्रोश में वह टंकी पर चढ़ गया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में लोग वहां एकत्रित हो गए। सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंची। तहसीलदार विनोद पूनिया और थाना अधिकारी गणेश कुमार बिश्नोई ने मौके पर पहुंचकर किसान से बातचीत की और उसे समझाने का प्रयास किया। काफी देर तक चली समझाइश के बाद किसान शांत हुआ और टंकी से नीचे उतर आया। प्रशासन ने मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। वहीं, घटना के दौरान क्षेत्र में लोगों का भारी जमावड़ा लगा रहा, जिससे कुछ समय के लिए स्थिति तनावपूर्ण बनी रही।

प्रतापगढ़ में एएनटीएफ की बड़ी कार्रवाई, भारी मात्रा में अफीम, गांजा व डोडा पोस्त सहित आरोपी गिरफ्तार

एएनटीएफ की प्रतापगढ़ में कार्रवाई, अवैध मादक पदार्थ व गांजे के पौधे बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

प्रतापगढ़। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) द्वारा जिले में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अफीम, गांजा, डोडा पोस्त एवं गांजे के हरे पौधे बरामद किए गए। एएनटीएफ उप महानिरीक्षक अभिजीत सिंह ने बताया कि अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एम.एन. के मार्गदर्शन में मादक पदार्थों के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी है। प्राप्त आसूचना के आधार पर एएनटीएफ टीम प्रतापगढ़ को सूचना मिली कि प्रतापगढ़ से चित्तौड़गढ़ जाने वाले हाइवे पर रठांजना क्षेत्र में एक गुमटी के पास एक व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ के साथ खड़ा है तथा उसे सप्लाई करने की फिराक में है। सूचना पर टीम मौके पर पहुंची, जहां बताये गए हुलिये के अनुसार एक व्यक्ति खड़ा मिला। टीम को देखकर वह व्यक्ति घबरा गया और खेतों की ओर भागने लगा, जिसे टीम ने पीछा कर पकड़ लिया। बाद में स्थानीय पुलिस को मौके पर बुलाया गया। स्थानीय पुलिस द्वारा आरोपी की तलाशी लेने पर उसके पास एक थैली में अवैध मादक पदार्थ गांजा मिला। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि गुमटी उसकी है तथा उसके पीछे स्थित खेत भी उसी के हैं। इस पर टीम द्वारा गुमटी एवं खेत की तलाशी ली गई, जिसमें खेत से अवैध गांजे के हरे पौधे तथा गुमटी से डोडा पोस्त एवं अफीम बरामद किए गए। इसके पश्चात स्थानीय पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के दौरान कुल 303 ग्राम अफीम, 376 ग्राम गांजा, 840 ग्राम डोडा पोस्त तथा 2.640 किलोग्राम गांजे के हरे पौधे बरामद किए गए। पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है।

भाजपा महिला आरक्षण पर झूठ और भ्रमजाल फैलाकर राजनीति कर रही हैं - अंजना मेघवाल

हिंदुस्तान से रूबरू

आबूरोड राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की महासचिव अंजना मेघवाल ने महिला आरक्षण पर भाजपा के फैलाए जा रहे झूठ के कुचक्र की असलियत को आबूरोड डाक बंगला में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ने महिला सशक्तिकरण और महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने के क्षेत्र में अग्रणी एवं ऐतिहासिक भूमिका निभायी है जो महिला सशक्किकरण में निर्मायक रही है। वर्ष 2010 में यूपीए सरकार में महिला आरक्षण बिल राज्यसभा में पारित करवाया। देश में महिलाओं को भागीदारी राजनीति की मुख्यधारा में सुनिश्चित करने एवं प्रतिनिधित्य देने के लिए संविधान के 73वें एवं 74वें संशोधन के माध्यम से नगरीय निकाय एवं पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक मान्यताएं देते हुए महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण कांग्रेस की सरकार ने लागू किया। या आरक्षण वर्ष 1992 से लागू है। मेघवाल ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी को केन्द्र सरकार ने इसे तत्काल लागू करने की बजाए जनगणना करवाने और परिसीमन की जहाँ से जोड़ दिया। जिसका अभिप्राय था कि यह दोनों प्रक्रिया पूरी नहीं हो तब तक 33 प्रतिशत आरक्षण का लाभ महिलाओं को नहीं मिलेगा। 16 अप्रैल, 2026 को संविधान के 106 वें संशोधन कर सितम्बर 2003 में अनुछेद 334 से जोड़े गए महिला आरक्षण के कानून को लागू किया गया है और अब देश में महिला आरक्षण कानून बनकर लागू है ऐसे में भारतीय जनता पार्टी द्वारा केवल भ्रमित करने और चुनावी राज्यों में लाभ लेने के लिए कांग्रेस और विपक्षी दलों पर अनंगल आरोप लगाया हैं जबकि सितम्बर, 2023 में महिला आरक्षण बिल पारित होने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खूब वाहवाही ली थी। भाजपा ने राजनीतिक उद्देश्य को पूर्ति हेतु तीन राज्यों में चल रहे चुनावों के मध्य अचानक संसद सत्र बुलाकर महिला आरक्षण के नाम से अपनी राजनीतिक कुटिलता एवं मंशा को आगे बढ़ा हुए देश को संसद में परिसीमन करने हेतु मिल प्रस्तुत किया जबकि महिला आरक्षण लागू करने के लिए इस बिल की आवश्यकता नहीं थी। कांग्रेस पार्टी सहित सभी विपक्षी दलों ने महिला आरक्षण तत्काल लागू करने और इसे परिसीमन से नहीं जोड़ने की मांग की थी। परिसीमन बिल के माध्यम से भाजपा राजनीतिक मानचित्र को बदलने का कार्य करना चाहती थी। बिना जनगणना के मनमाने तरीके से संसद की सीटों की भाजपा की राजनैतिक सुविधा से बढ़ाना और स्वयं के लाभ पहुंचाने वाला परिसीमन भाजपा को उद्देश्य था जिसका विरोध कांग्रेस तथा विपक्षी दलों ने किया। भाजपा अपने लाभ के लिए किस तरह परिसीमन करती है उसका ताजा उदाहरण राजस्थान में नगर निकायों एवं पंचायतीराज संस्थाओं के मनमाने परिसीमन के रूप में सबके सामने मौजूद है। असम तथा जम्मू कश्मीर में भी जनता के विरोध के बावजूद मनमाना परिसीमन भाजपा के लाभ के लिए सरकार ने किया है। उन्होंने बताया कि भाजपा केन्द्र सरकार 2011 के आधार पर महिला आरक्षण तथा परिसीमन करने के लिए संविधान संशोधन बिल संसद में साथी जबकि जनमानस होनी है और सतीष जनगणना करवाने की घोषणा बड़ी न कर के बाद प्रधानमंत्री भी कर चुके है। क्या भारतीय जनता पार्टी मनमाने परिसीमन के साथ भी ओबीसी वर्ग के लाभ से समझौता नहीं कर रही। भारतीय जनता पार्टी जानबूझकर महिला आरक्षण की परिसीमन से जोड़ रही है जबकि महिला आरक्षण लागू करने के लिए परिसीमन आवश्यक नहीं है। महिला आरक्षण ??ल 2023 में सर्वसम्मति से पारित होने के बावजूद भारतीय जनता पार्टी ने इसे तत्काल लागू करने की बजाए भविष्य के वादे में बदल दिया जो कि भाजपा की गलत मंशा एवं बदनीयती को दर्शाता है। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए मेघवाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आरक्षण की महिलाओं का अधिकार मानती है और इसको तत्काल प्रभाव से लागू करने की माँग करती है। कांग्रेस पार्टी महिला आरक्षण को तकाल लागू करवाने के लिए सड़क से संसद एक मजबूती से इस मुद्दे को सीखेगी, महिलाओं को उनका अधिकार दिलवाने के लिए कांग्रेस प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस महासचिव हरीश चौधरी, जिला अध्यक्ष लीलाराम गरासिया, पूर्व विधायक गंगाबेन गरासिया, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष रेणुलता व्यास, नगर कांग्रेस अध्यक्ष नरगिस कायमखानी, ब्लॉक अध्यक्ष गणेश बंजारा, पूर्व पार्षद कांतादेवी मेघवाल, सुलोचना परमार, भवनीश बारोट, ओमप्रकाश सेठ, मदन वाटेरा आदित्य सांतपुर, आशीष जानी सहित कांग्रेस जन मौजूद थे।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने किया सघन निरीक्षण, बालिकाओं से संवाद कर बढ़ाया उत्साह

पोषाहार से लेकर प्रयोगशालाओं तक हर व्यवस्था का लिया जायजा

कक्षा में पहुंचकर पढ़ाया राजनीति विज्ञान, संविधान पर हुई रोचक चर्चा

हिंदुस्तान से रूबरू

सिरोही - पीएम श्री राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, सिरोही में अतिरिक्त जिला कलेक्टर डॉ. राजेश कुमार गोयल ने गुरुवार को औचक निरीक्षण कर विद्यालय की व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पोषाहार व्यवस्था की गुणवत्ता, भंडारण, रिकॉर्ड एवं स्वच्छता की बारीकी से जांच की और विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर उनकी प्रतिक्रियाएं जानी।प्रधानाचार्य श्रीमती हीरा खत्री एवं पीएम श्री प्रभारी गोपाल सिंह राव ने बताया कि अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने पोषाहार ग्रहण कर रही बालिकाओं से विभिन्न प्रश्न पूछकर व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन किया। उन्होंने पोषाहार प्रभारी श्रीमती चन्द्रकान्ता चौहान से भी विस्तृत जानकारी प्राप्त की।निरीक्षण के दौरान उन्होंने संविधान कक्ष, बाल वाटिका, हर्बल गार्डन, स्टाफ रूम एवं विभिन्न प्रयोगशालाओं का भी दौरा किया। साथ ही स्टेट ओपन स्कूल की परीक्षा व्यवस्थाओं का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।विशेष रूप से कक्षा 12 की राजनीति विज्ञान की कक्षा में पहुंचकर डॉ. गोयल ने बालिकाओं से सीधे संवाद स्थापित किया। उन्होंने भारतीय संविधान, महिला अधिकार, संसद की कार्यप्रणाली एवं चुनाव प्रक्रिया जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की और प्रश्नोत्तर के माध्यम से छात्राओं की समझ को परखा। बालिकाओं ने भी पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ सहभागिता निभाई।निरीक्षण के अंत में अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए गुणवत्ता बनाए रखने और निरंतर सुधार के लिए आवश्यक निर्देश दिए। यह निरीक्षण न केवल व्यवस्थाओं की समीक्षा रहा, बल्कि विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायक अनुभव भी साबित हुआ।पीएम श्री प्रभारी गोपाल सिंह राव ने पीएम श्री की गतिविधियों की जानकारी दी।उप प्रधानाचार्य श्रीमती सुमन कुमारी व देवीलाल साथ रहे ।

खाली प्लॉट में लगी आग: रिहायशी मकान तक फैली, दमकल की मदद से पाया काबू

हिंदुस्तान से रूबरू

आबूरोड के लूनियापुरा क्षेत्र में गुरुवार को एक खाली प्लॉट में लगी आग पास के रिहायशी मकान तक फैल गई। नगर पालिका की दमकल गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। आग की चिंगारी खाली प्लॉट से उठकर तेजी से मकान तक पहुंची और देखते ही देखते घर को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के बाद आसपास के लोगों में चिंता फैल गई।

दमकल कर्मियों ने आग पर पाया काबू

सूचना मिलते ही नगर पालिका की दोनों दमकल गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने आग बुझाने का अभियान शुरू किया। इस दौरान, घर में रखा एक गैस सिलेंडर समय रहते बाहर निकाल लिया गया। इस त्वरित कार्रवाई से संभावित बड़ा विस्फोट टल गया और एक गंभीर दुर्घटना होने से बच गई।

इन्होंने लगाई भूमिका

कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। आग बुझाने में फायरकर्मी चिराग परिहार, अरुण चांवरिया, नवीन कुमार, गौतम बंजारा, हरीश चौहान और कमल कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ग्रीष्मावकाश पर यात्रियों की सुविधा हेतु 02 जोडी स्पेशल रेलसेवाओं का संचालन

हिंदुस्तान से रूबरू

आबूरोड रेलवे द्वारा गीष्मावकाश पर अतिरिक्त यात्री यातायात को ध्यान मे रखते हुए यात्रियो की सुविधा हेतु गांधीधाम-मालदा टाउन-गांधीधाम व साबरमती-आसनसोल स्पेशल रेलसेवाओं का संचालन किया जा रहा है।

1. गाडी संख्या 09463, गांधीधाम-मालदा टाउन स्पेशल रेलसेवा दिनांक 25.04.26 को (01 ट्रिप) गांधीधाम से शनिवार को 12.30 बजे रवाना होकर सोमवार को 09.10 बजे मालदा टाउन पहुँचेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 09464, मालदा टाउन-गांधीधाम स्पेशल रेलसेवा दिनांक 27.04.26 को (01 ट्रिप) मालदा टाउन से सोमवार को 17.35 बजे रवाना होकर बुधवार को 15.30 बजे गांधीधाम पहुँचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में सामाख्याली, राधनपुर, भीलडी, पालनपुर, आबूरोड, अजमेर, जयपुर, बांदीकुई, भरतपुर, ईदगाह, टूण्डला, ईटावा, गोविन्दपुरी, प्रयागराज, मिर्जापुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय, बक्सर, आरां, पटना, किऊल, अभयपुर, जमालपुर, सुल्तानगंज, भागलपुर, कहलगांव, साहिबगंज, बडहरवा व न्यू फरक्का स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेलसेवा में 01 सैकण्ड एसी, 02 थर्ड एसी, 13 शयनयान श्रेणी, 02 साधारण श्रेणी व 02 गार्ड डिब्बो सहित कुल 20 डिब्बे होगे।

2. गाडी संख्या 09435, साबरमती-आसनसोल एसी स्पेशल रेलसेवा दिनांक 29.04.26 को (01 ट्रिप) साबरमती से बुधवार को 22.55 बजे रवाना होकर शुक्रवार को 14.30 बजे आसनसोल पहुँचेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 09436, आसनसोल-साबरमती एसी स्पेशल रेलसेवा दिनांक 01.05.26 को (01 ट्रिप) आसनसोल से शुक्रवार को 16.15 बजे रवाना होकर रविवार को 07.15 बजे साबरमती पहुँचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में महेसाना, पालनपुर, आबूरोड, फालना, मारवाड जं., ब्यावर, अजमेर, जयपुर, बांदीकुई, भरतपुर, अछनेरा, ईदगाह, टूण्डला, गोविन्दपुरी, प्रयागराज, प. दीनदयाल उपाध्याय, सासाराम, गया, कोडरमा व धनबाद स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेलसेवा में 18 थर्ड एसी व 02 पॉवरकार डिब्बो सहित कुल 20 डिब्बे होगे।

माधव विश्वविद्यालय में 'सामाजिक मीडिया के माध्यम से विश्वविद्यालय विकास' विषय पर संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित

हिंदुस्तान से रूबरू

आबूरोड माधव विश्वविद्यालय में 'सामाजिक मीडिया के माध्यम से विश्वविद्यालय विकास' विषय पर एक दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को आधुनिक डिजिटल माध्यमों के प्रभावी उपयोग के प्रति जागरूक करना तथा विश्वविद्यालय की ब्रांडिंग और विकास में सामाजिक मीडिया की भूमिका को समझाना था। कार्यक्रम के दौरान चेयरमैन डॉ. राजकुमार ने बताया कि वर्तमान डिजिटल युग में सामाजिक मीडिया मंच जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और लिंक्डइन विश्वविद्यालयों के प्रचार-प्रसार, प्रवेश वृद्धि और वैश्विक पहचान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सही रणनीति के साथ सामग्री तैयार कर विश्वविद्यालय अपनी उपलब्धियों, कार्यक्रमों और गतिविधियों को व्यापक स्तर पर पहुँचा सकता है। सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख बादल कुमार ने बताया कि सामाजिक मीडिया के माध्यम से छात्रों, अभिभावकों और उद्योग जगत के साथ बेहतर संवाद स्थापित किया जा सकता है, जिससे विश्वविद्यालय की विश्वसनीयता और छवि मजबूत होती है। कार्यक्रम में शिक्षकों को सामग्री निर्माण, डिजिटल विपणन, ऑनलाइन ब्रांडिंग और सहभागिता बढ़ाने की तकनीकों के बारे में व्यावहारिक जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रो प्रेसिडेंट डॉ. सुशील भार्गव, रजिस्ट्रार डॉ. भावेश कुमावत, होम्योपैथिक विभाग की निदेशक डॉ. भारती देसाई, शोध निदेशक डॉ. पवन कुमार तथा शैक्षणिक अधिष्ठाता डॉ. महेंद्र सिंह परमार सहित विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता व सदस्य उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में टीपीसी समिति के सदस्य श्रवण (इंजीनियरिंग द्वितीय वर्ष), किरण (बीएचएमएस प्रथम वर्ष) एवं अश्विन (बीएचएमएस प्रथम वर्ष) ने आयोजन, समन्वय और संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में विभिन्न संकायों के शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया।

जिला कलेक्टर श्री रोहिताश्व सिंह तोमर सीएम एक्सीलेंस पुरस्कार से सम्मानित

सिरोही,। जिला कलेक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर को बुधवार को लोक सेवा दिवस के अवसर पर जयपुर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा एवं मुख्य सचिव श्री वी श्रीनिवास द्वारा सीएम एक्सीलेंस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। श्री तोमर को ये पुरस्कार फ्लैगशिप योजनाओं की कैटेगरी के अंतर्गत बारां जिले में पदस्थापन के दौरान लखपति दीदी योजना के तहत स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक स्थिति सुधारने में उत्कृष्ट कार्य करने के अंतर्गत प्रदान किया गया।

माधव विश्वविद्यालय में कृषि महाविद्यालय, टीपीसी समिति एवं अमेजिंग हीलिंग सेंटर के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

हिंदुस्तान से रूबरू

आबूरोड माधव विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय, टीपीसी समिति तथा भुजेला स्थित अमेजिंग हीलिंग सेंटर के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ता क्षर किए गए। इस समझौते के तहत विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थी एवं स्टाफ सदस्यों को अमेजिंग हीलिंग सेंटर पर योग, ध्यान, साधना, हीलिंग तथा अन्य प्रक्रियाओं का नि:शुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। साथ ही अवसाद एवं चिंता जैसी मानसिक समस्याओं से जूझ रहे विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को नि:शुल्क परामर्श सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। यह समझौता टीपीसी प्रभारी श्रवण कुमार की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर होम्योपैथी विभाग की निदेशक डॉ. भारती देसाई ने कहा कि योग, ध्यान, साधना एवं हीलिंग हमारी प्राचीन संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं, लेकिन वर्तमान समय में युवा वर्ग इनसे दूर होता जा रहा है, जिसके कारण तनाव, क्रोध एवं अवसाद जैसी समस्याएँ बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक चिकित्सा के साथ यदि योग एवं हीलिंग को अपनाया जाए तो रोगियों में शीघ्र सुधार संभव है। टीपीसी प्रभारी श्रवण कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों एवं स्टाफ के मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए नियमित योग एवं हीलिंग सत्र प्रारंभ करने की योजना बनाई जा रही है। इसके तहत सुबह एवं शाम एक-एक घंटे की कक्षाएँ आयोजित करने का प्रयास किया जाएगा, जिससे सभी को लाभ मिल सके और वे अधिक ऊर्जावान एवं स्वस्थ जीवन जी सकें। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. गीतम सिंह ने कहा कि आज के समय में मोबाइल एवं सामाजिक मीडिया के अत्यधिक उपयोग से विद्यार्थियों के मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ऐसे में योग, ध्यान एवं साधना को अपनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि कृषि शिक्षा में भी योग को एक विषय के रूप में शामिल किया गया है तथा विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। अमेजिंग हीलिंग सेंटर की अध्यक्ष रोज बहन दूमा ने बताया कि विश्वविद्यालय की विभिन्न संकायों में योग एवं हीलिंग की कक्षाएँ आयोजित की जाएंगी। भविष्य में विश्वविद्यालय परिसर में ही हीलिंग केंद्र स्थापित करने की योजना भी है, जहाँ विद्यार्थी एवं स्टाफ नियमित रूप से प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे। इस अवसर पर डॉ. आलोक कुमार, डॉ. कैलाश परिहार, डॉ. चिराग सोलंकी सहित कृषि महाविद्यालय का समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय आईएचएमएस प्रशिक्षण शिविर आयोजित

हिंदुस्तान से रूबरू

प्रतापगढ़। आयुर्वेद विभाग प्रतापगढ़ द्वारा गुरुवार को जिला चिकित्सालय परिसर में जिला स्तरीय आईएचएमएस (ह्व॥स्र्र) प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों से जुड़े 18 चिकित्सा अधिकारियों एवं 26 नर्सिंग अधिकारियों ने भाग लेकर प्रशिक्षण प्राप्त किया। मास्टर ट्रेनर डॉ. राजेश कुमार कटारा ने प्रतिभागियों को आईएचएमएस प्रणाली की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान ऑनलाइन पंजीकरण, डेटा प्रबंधन एवं स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटल संचालन से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर उपनिदेशक आयुर्वेद विभाग डॉ. दिलीप सिंह चंद्रावत सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के बारे में जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि यह प्रशिक्षण भविष्य में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में रोगियों के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने में अत्यंत उपयोगी साबित होगा।

उठेल ग्राम पंचायत में पेयजल संकट से राहत, टैंकरों से जल आपूर्ति शुरू

हिंदुस्तान से रूबरू

प्रतापगढ़। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती गर्मी और पेयजल संकट को देखते हुए ग्राम पंचायत उठेल में सभी राजस्व गांवों में आज से टैंकरों के माध्यम से पेयजल आपूर्ति का कार्य शुरू कर दिया गया है। इससे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत के विभिन्न गांवों में अलग-अलग टैंकरों द्वारा पानी सप्लाई की व्यवस्था की गई है। उंठेल व पुनिया खेड़ी क्षेत्र में मोतीलाल जी ठेकेदार के टैंकर द्वारा पेयजल आपूर्ति की जा रही है, वहीं केशरपुरा, मानपुरा खुर्द सहित अन्य गांवों में अमरचंद के टैंकर से पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी के साथ ग्राम पंचायत की सरपंच मनीषा मीणा के अथक प्रयासों से क्षेत्र में पेयजल का स्थायी समाधान भी विकसित किया जा रहा है। बावजूद इसके, किसी भी ग्रामीण को अस्थायी रूप से पेयजल संकट का सामना न करना पड़े, इसके लिए टैंकरों के माध्यम से नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। ग्राम पंचायत की इस पहल से ग्रामीणों में संतोष का माहौल है तथा लोगों ने इस व्यवस्था को सराहनीय बताया है।

मातृ शिशु स्वास्थ्य दिवस, गर्भवती महिलाओं व बच्चों का हुआ टीकाकरण

हिंदुस्तान से रूबरू

सवाई माधोपुर, जिले में गुरुवार को मातृ शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर चिकित्सा विभाग के कार्मिकों और आशा कार्यकर्ताओं ने जिलेभर में निर्धारित स्थलों पर टीकाकरण सत्र आयोजित कर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से जुड़ी सेवाएं प्रदान की। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जेमिनी ने बताया कि मातृ शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के तहत गर्भवती महिलाओं और बच्चों का नियमित टीकाकरण किया गया। इसके साथ ही गर्भवती महिलाओं का पंजीयन कर प्रसव पूर्व जांच, आवश्यक परामर्श और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान गर्भवती महिलाओं को आयरन फोलिक एसिड की गोलियां वितरित की गई तथा पोषण, स्वच्छता और समय पर जांच के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। चिकित्सा दलों ने माताओं को सुरक्षित प्रसव और शिशुओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए नियमित स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े रहने की सलाह दी। साथ ही गर्भवतियों को गर्भ कि पाठशाला सम्बन्धी दिखाये गये व मौसमी बीमारियों, लू तापघात से बचाव के लिए जागरूक किया गया।

विश्व मलेरिया दिवस 25 अप्रैल को, जिलेभर में चलेगा जागरूकता अभियान

हिंदुस्तान से रूबरू

प्रतापगढ़। विश्व मलेरिया दिवस (25 अप्रैल) के अवसर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिलेभर में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान 25 से 30 अप्रैल तक विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से आयोजित किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ विनोद खांट ने बताया कि अभियान का उद्देश्य आमजन को मलेरिया रोग के कारण, लक्षण, बचाव एवं उपचार के प्रति जागरूक करना है, ताकि समय पर पहचान और उपचार से इस रोग पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके। अभियान के अंतर्गत जिला, ब्लॉक एवं ग्राम स्तर पर विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। स्कूलों, कॉलेजों एवं सामुदायिक स्थलों पर पोस्टर प्रदर्शनी, नारा लेखन, रैली, जनसंवाद एवं आईईसी गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाएगा। साथ ही, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से भी अधिक से अधिक लोगों तक मलेरिया से बचाव के संदेश पहुंचाए जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आमजन से अपील की गई है कि वे अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखें, पानी जमा न होने दें, मच्छरदानी का उपयोग करें तथा बुखार आने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच करवाएं। 'मच्छरों से बचाव ही मलेरिया से बचाव है' - इसी संदेश के साथ सभी नागरिकों से इस अभियान में सहयोग की अपील की गई है।

धरियावद व आसपास के 10 गांवों में कल 4 घंटे बिजली बंद: सुबह 6 से 10 बजे तक रहेगा शटडाउन

33 केवी लाइन के मेंटेनेंस के कारण बाधित रहेगी आपूर्ति - सहायक अभियंता बघेल

हिंदुस्तान से रूबरू

प्रतापगढ़। धरियाशश अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, धरियावद द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शुक्रवार 24 अप्रैल 2026 को 33 केवी विद्युत लाइन धरियावद का आवश्यक रख-रखाव किया जाएगा। इसके चलते धरियावद, सवाला, सखीखेड़ा, चित्तौड़िया, हिरावास, पाँचागुड़ा, भोजपूर, मुणिया, नाल, दास गुडा एवं इनसे जुड़े सभी फीडर की विद्युत सप्लाई प्रातः 6:00 बजे से 10:00 बजे तक बंद रहेगी। सहायक अभियंता (पवस) ई. संदीप बघेल ने बताया कि रख-रखाव कार्य जनहित में किया जा रहा है। कार्य पूर्ण होते ही विद्युत आपूर्ति सुचारू कर दी जाएगी। उपभोक्ताओं से अपील है कि वे सुबह 6 बजे से पहले पानी भरने व अन्य जरूरी काम निपटा लें ताकि असुविधा न हो।

विधिक सेवा कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अधिकार मित्रों एवं पैनल अधिवक्ताओं के साथ बैठक का आयोजन

हिंदुस्तान से रूबरू

सवाई माधोपुर, राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर की सचिव समीक्षा गौतम द्वारा विधिक सेवा कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से अधिकार मित्रों एवं पैनल अधिवक्ताओं के साथ एडीआर सेन्टर सवाई माधोपुर में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान सचिव समीक्षा गौतम ने सभी उपस्थित अधिकार मित्रों एवं पैनल अधिवक्ताओं को निर्देशित किया कि वे आमजन, विशेष रूप से कमजोर एवं वंचित वर्गों तक विधिक सहायता सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पात्र व्यक्तियों को निःशुल्क विधिक सहायता, परामर्श एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी समयबद्ध एवं प्रभावी रूप से उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है। सचिव समीक्षा गौतम ने पैनल अधिवक्ताओं एवं अधिकार मित्रों को पुलिस थानों, जेलों में सम्पर्क कर बंदियों के आश्रितों एवं अपराध पीड़ितों से उनकी समस्याओं को सुनकर नालसा स्पृहा योजना 2025 के तहत उनकी कानूनी, सामाजिक, मनावैज्ञानिक और आर्थिक कमजोरियों को दूर करने हेतु आवश्यक कदम उठाने हेतु निर्देशित किया गया। सचिव समीक्षा गौतम ने विधिक साक्षरता शिविरों, जागरूकता कार्यक्रमों एवं लोक अदालत के माध्यम से अधिकाधिक लोगों को लाभान्वित करने पर बल दिया। साथ ही उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि सभी अधिकार मित्र एवं पैनल अधिवक्ता अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित रूप से सम्पर्क कर आमजन की समस्याओं की पहचान करें तथा उन्हें शीघ्र समाधान हेतु विधिक सेवा प्राधिकरण से जोड़ें। बैठक में पैनल अधिवक्ताओं को लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण हेतु सक्रिय भूमिका निभाने के लिए निर्देशित किया गया तथा गुणवत्तापूर्ण विधिक सहायता प्रदान करने पर विशेष जोर दिया गया। सचिव समीक्षा गौतम ने सभी प्रतिभागियों से समन्वय स्थापित करते हुए टीम भावना के साथ कार्य करने हेतु निर्देशित किया, ताकि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित योजनाओं का अधिकतम लाभ समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंच सके। बैठक में जिला पैनल अधिवक्ता नन्दकिशोर बैरवा, चिरंजीलाल बैरवा, अभय कुमार गुप्ता, तपेश जैन, मुकेश बंसल, गोविन्द प्रसाद शर्मा एवं अधिकार मित्र बुनियाद अली, धनराज मीना, मगनलाल मीना, मुकेश कुमार शर्मा, गिर्राज रैगर, अनिता कंवर, सुनिता जोनवाल, प्रीति जैन, मोरसिंह गुर्जर, आशाराम नागर एवं चन्दन मीना उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री शर्मा के प्रयासों से सौर ऊर्जा को मिल रहा बढ़ावा

7.43 मेगावाट क्षमता के सौर संयंत्रों से प्रतापगढ़ जिला नवीकरणीय ऊर्जा की तरफ बढ़ा रहा कदम

हिंदुस्तान से रूबरू

प्रतापगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने तथा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में पीएम-कुसुम योजना के अंतर्गत जिले में सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना कर स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ विद्युत उपलब्धता को सुदृढ़ करने में सहायता मिल रही है।

जिले में कुसुम-ए व कुसुम-सी योजनाओं के तहत 7.43 मेगावाट क्षमता के सौर संयंत्र स्थापित

जिले में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार कुसुम-ए योजना के तहत बारावरदा में 2 मेगावाट, बिलेडिया में 1 मेगावाट तथा गणेशपुरा में 2 मेगावाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए गए हैं। इसी प्रकार कुसुम-सी योजना के अंतर्गत कुलथाना में 2.43 मेगावाट क्षमता का एक संयंत्र स्थापित किया गया है। इन सभी संयंत्रों से उत्पादित विद्युत ऊर्जा को ग्रिड में फीड किया जाएगा, जिससे ग्रिड से जुड़े उपभोक्ताओं को नियमित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। वर्तमान समय में बढ़ती विद्युत मांग तथा पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता के कारण ऊर्जा उपलब्धता एक चुनौती के रूप में सामने आ रही है। ऐसे में सौर ऊर्जा जैसे नवीकरणीय स्रोतों का उपयोग एक प्रभावी समाधान के रूप में उभर रहा है। पीएम-कुसुम योजना के अंतर्गत स्थापित इन संयंत्रों से न केवल स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर विद्युत उपलब्धता में भी सुधार होगा तथा ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों को मजबूती मिलेगी तकनीकी मानकों के अनुसार सामान्यतः एक किलोवाट क्षमता से औसतन लगभग चार यूनिट प्रतिदिन विद्युत उत्पादन किया जाता है। इस आधार पर जिले में स्थापित कुल 7.43 मेगावाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्रों से काफी मात्रा में विद्युत उत्पादन संभव होगा। इससे जिले में बिजली की आत्मनिर्भरता बढ़ेगी तथा सूर्य की ऊर्जा का उपयोग कर स्वच्छ एवं सतत विकास को बढ़ावा मिलेगा। यह जानकारी एसई एवीवीएनएल आरके अग्रवाल ने दी।

लटिया नाले के सुधार एवं डायवर्जन कार्य हेतु जल संसाधन विभाग का पुनः निरीक्षण

शहर में जलभराव की समस्या कम करने के लिए विकल्पों पर मंथन, एसडीएमएफ स्वीकृत कार्यों का तकनीकी आकलन

हिंदुस्तान से रूबरू

सवाई माधोपुर, अधिशासी अभियंता, जल संसाधन खंड सवाई माधोपुर अरुण शर्मा की अध्यक्षता में विभागीय टीम ने गुरुवार को आगामी वर्षा ऋतु में शहर क्षेत्र में जलभराव की समस्या को कम करने के लिए प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के लिए लटिया नाले का पुनः स्थलीय निरीक्षण कर प्रस्तावित कार्यों की प्रगति एवं तकनीकी पहलुओं का आकलन किया। निरीक्षण के दौरान राजबाग एनीकट से अपस्ट्रीम क्षेत्र में नाले के डायवर्जन की संभावनाओं का अवलोकन किया गया, जिससे शहर की ओर आने वाले पानी की मात्रा एवं प्रभाव को कम किया जा सके। साथ ही, नाले की स्ट्रेंथनिंग, जल प्रवाह को नियंत्रित करने एवं शहर में पानी की आवक को विलंबित करने के लिए विभिन्न तकनीकी विकल्पों पर विचार-विमर्श किया गया। टीम ने वन विभाग की आम चौकी से आगे तक क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए संभावित एनीकट निर्माण स्थलों का भी चिन्हांकन किया, जिससे लटिया नाले में जल प्रवाह को नियंत्रित किया जा सके। इस संबंध में विभागीय अधिकारियों द्वारा तकनीकी पहलुओं पर विस्तृत चर्चा कर उपयुक्त कार्ययोजना तैयार करने की दिशा में कदम बढ़ाए। निरीक्षण के दौरान एसडीएमएफ (State Disaster Mitigation Fund) के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों के तकनीकी आकलन हेतु भी स्थल का पुनः अवलोकन किया गया, ताकि प्रस्तावित कार्यों को समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जा सके। जल संसाधन विभाग ने स्पष्ट किया कि लटिया नाले से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाते हुए शहर को संभावित जलभराव से राहत प्रदान करने हेतु ठोस एवं दीर्घकालिक समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। इस अवसर पर सहायक अभियंता धीरज एवं जितेंद्र, कनिष्ठ अभियंता मनोज, अजय, रोहित, अमन सहित विभागीय कार्मिक तथा स्थानीय नागरिक भी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु बैंक एवं वित्तीय संस्थानों के प्रतिनिधिगण के साथ बैठक का आयोजन

हिंदुस्तान से रूबरू

सवाई माधोपुर, राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सवाई माधोपुर की सचिव समीक्षा गौतम द्वारा आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 9 मई 2026 के सफल आयोजन हेतु बैंकों एवं विभिन्न वित्तीय संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सचिव समीक्षा गौतम ने उपस्थित प्रतिनिधियों को राष्ट्रीय लोक अदालत के महत्व एवं उद्देश्यों से अवगत कराया तथा अधिक से अधिक लंबित बैंक ऋण एवं वित्तीय विवादों के प्रकरणों को लोक अदालत के माध्यम से आपसी सहमति से निस्तारित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत एक प्रभावी मंच है, जहां पक्षकारों को त्वरित, सुलभ एवं कम खर्च में न्याय प्राप्त होता है। बैठक के दौरान बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने संस्थानों में लंबित मामलों की सूची तैयार कर उन्हें लोक अदालत में प्रस्तुत करें तथा पक्षकारों के साथ समझाईश कर अधिकाधिक प्रकरणों का निस्तारण सुनिश्चित करें। साथ ही, ऋणधारकों को राहत प्रदान करने हेतु समझौते के अनुकूल प्रस्ताव भी तैयार करने एवं राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर उपस्थित प्रतिनिधिगण ने भी राष्ट्रीय लोक अदालत में सक्रिय सहभागिता का आश्वासन दिया एवं अधिकतम प्रकरणों के निस्तारण हेतु सहयोग देने की बात कही। बैठक में एलडीएम प्रदीप कुमार सहित स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया, बैंक ऑफ इण्डिया, यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया, कैनरा बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, पंजाब एण्ड सिंध बैंक, आईडीबीआई बैंक, राजस्थान ग्रामीण बैंक, बीएसएस सोनाटा माइक्रो क्रेडिट लिमिटेड, श्रीराम फाइनेन्स लिमिटेड के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहें।

मुख्यमंत्री विकसित ग्राम-शहरी वार्ड अभियान के तहत सभी ग्राम पंचायतों में 25 अप्रैल को विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन होगा

जनभागीदारी से तैयार होगा ग्राम विकास का मास्टर प्लान, जिला व ब्लॉक स्तरीय अधिकारी रहेंगे प्रभारी

हिंदुस्तान से रूबरू

सवाई माधोपुर, राज्य सरकार के निर्देशानुसार संचालित 'मुख्यमंत्री विकसित ग्राम अभियान' के अंतर्गत 25 अप्रैल 2026 को जिले की समस्त ग्राम पंचायतों एवं शहरी वार्डों में विशेष ग्राम सभा/वार्ड सभा का आयोजन प्रातः 10 बजे से ग्राम पंचायत मुख्यालय स्थित भारत निर्माण सेवा केन्द्रों पर किया जाएगा। इन सभाओं के माध्यम से स्थानीय आवश्यकताओं, विकास प्राथमिकताओं एवं जन आकांक्षाओं के आधार पर ग्राम/वार्ड का समग्र विकास ढांचा तैयार किया जाएगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद गौरव बुड़ानिया ने बताया कि प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं शहरी वार्ड के लिए डायनामिक मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है, जिसे निर्धारित समयसीमा में अंतिम रूप देकर पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को ग्राम पंचायतों में प्रभारी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है, जो आवंटित ग्राम पंचायतों में उपस्थित रहकर विशेष ग्राम सभाओं का पर्यवेक्षण करेंगे। विशेष ग्राम सभाओं में 'मुख्यमंत्री विकसित ग्राम अभियान' के अंतर्गत निर्धारित सूचकांकों पर चर्चा एवं अनुमोदन किया जाएगा। साथ ही ग्राम पंचायतों की आकांक्षाओं एवं प्राथमिकताओं का निर्धारण करते हुए 'वृक्षारोपण अभियान', 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान', 'अटल ज्ञान केन्द्र' की स्थापना एवं संचालन तथा किसान रजिस्ट्री पंजीकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया जाएगा। इसके अतिरिक्त सुझाव पेटिका, क्यूआर कोड आधारित फीडबैक एवं अन्य डिजिटल माध्यमों के जरिए आमजन से सुझाव प्राप्त किए जाएंगे। जीआईएस आधारित मैपिंग एवं डेटा संकलन के माध्यम से स्थानीय आवश्यकताओं का वैज्ञानिक विश्लेषण कर वर्ष 2030, 2035 एवं 2047 तक की विकास योजनाओं का रोडमैप तैयार किया जाएगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्राम सभाओं की पूर्व तैयारियां सुनिश्चित कर अधिकतम जनसहभागिता के साथ इन बैठकों को सफल बनाया जाए तथा प्राप्त सुझावों को प्राथमिकता के आधार पर मास्टर प्लान में सम्मिलित किया जाए। मुख्य कार्यकारी अधिकारी की आमजन से अपील :- मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुड़ानिया ने जिले के नागरिकों, युवाओं एवं जनप्रतिनिधियों से अपील की है कि वे 25 अप्रैल को आयोजित विशेष ग्राम सभाओं/वार्ड सभाओं में अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर अपनी प्राथमिकता एवं सुझाव प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि जो हितधारक किसी कारण से ग्राम सभाओं में उपस्थित नहीं हो सकते वे सुझाव पेटिकाओं और जिला प्रशासन के अपना गांव एप के माध्यम से अपने सुझाव दे सकते है। उन्होंने कहा कि 'जनभागीदारी के आधार पर तैयार होने वाला यह मास्टर प्लान जिले के समग्र, संतुलित एवं दूरदर्शी विकास की दिशा तय करेगा। आइए, हम सभी मिलकर अपने गांव एवं शहरों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में सहभागी बनें।

राज्य सरकार द्वारा हीटवेव से बचाव हेतु एडवाइजरी जारी

आमजन के लिए लू से बचाव के दिशा निर्देश जारी

हिंदुस्तान से रूबरू

जयपुर, प्रदेश में बढ़ते तापमान और आगामी गर्मी/लू-ताप की लहर (हीटवेव) की स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा आमजन के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए विस्तृत एडवाइजरी जारी की गई है। आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग की उप शासन सचिव श्रीमती शैफाली कुशवाहा ने बताया कि राज्य में हीट वेव (लू-ताप) की स्थिति के प्रभावी शमन एवं प्रबंधन के लिए 'गर्मी/लू-ताप की लहर (क्या करें और क्या न करें)' विषयक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे इन दिशा-निर्देशों का पालन कर स्वयं एवं अपने परिवार को सुरक्षित रखें। विभाग ने नागरिकों, नियोक्ताओं एवं पशुपालकों से अपील की है कि वे लू के दुष्प्रभावों से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां सुनिश्चित करें। विशेष रूप से बच्चों, वृद्धजनों, गर्भवती महिलाओं एवं बीमार व्यक्तियों का अतिरिक्त ध्यान रखें। आमजन को सलाह दी गई है कि वे स्थानीय मौसम की अद्यतन जानकारी रेडियो, दूरदर्शन, समाचार पत्रों अथवा मोबाइल एप के माध्यम से नियमित रूप से प्राप्त करते रहें। पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन करें तथा ओआरएस, लस्सी, नींबू पानी एवं छाछ जैसे घरेलू पेय पदार्थों को दैनिक आहार में शामिल करें। धूप में बाहर निकलते समय हल्के रंग के, ढीले एवं सूती वस्त्र पहनें तथा सिर को कपड़े, टोपी या छाते से ढककर रखें। आंखों एवं त्वचा की सुरक्षा के लिए धूप के चश्मे एवं सनस्क्रीन का उपयोग करें। नियोक्ताओं को निर्देशित किया गया है कि कार्यस्थलों पर शीतल पेयजल एवं प्राथमिक चिकित्सा सामग्री (ओआरएस, आइस पैक आदि) की उपलब्धता सुनिश्चित करें। श्रमिकों को सीधी धूप से बचाने हेतु छायादार स्थान उपलब्ध कराए जाएं तथा भारी श्रम वाले कार्य प्रातः या सायंकाल के समय ही कराए जाएं। कार्यस्थलों पर हीट स्ट्रेस के लक्षणों के प्रति जागरूकता सुनिश्चित की जाए तथा जरूरत पड़ने पर तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जाए। पशुपालकों को सलाह दी गई है कि वे पशुओं को छायादार स्थान पर रखें तथा स्वच्छ एवं ठंडे पानी की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करें। प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे के मध्य पशुओं से कार्य नहीं लिया जाए। शेड की छतों को पुआल से ढकने अथवा सफेद रंग/चूने से पुताई करने की सलाह दी गई है। इसके अतिरिक्त पशुओं के चारे में हरे चारे एवं खनिज मिश्रण (मिनरल मिक्स) का समावेश करने तथा समय-समय पर पानी का छिड़काव करने की भी सलाह दी गई है। विभाग द्वारा आमजन को यह भी सलाह दी गई है कि दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच अनावश्यक रूप से धूप में बाहर निकलने से बचें। खाली पेट अथवा अत्यधिक भारी भोजन कर बाहर न जाएं तथा अधिक प्रोटीनयुक्त एवं बासी भोजन के सेवन से परहेज करें। शराब, चाय, कॉफी एवं कार्बोनेटेड पेय पदार्थों के सेवन से बचें, क्योंकि ये शरीर में जल की कमी उत्पन्न करते हैं। बच्चों एवं पालतू पशुओं को बंद वाहनों में अकेला न छोड़ें। अत्यधिक शारीरिक गतिविधि से बचें तथा बार-बार ठंडे पानी से चेहरा एवं हाथ धोते रहें। आपातकालीन स्थिति में यदि किसी व्यक्ति को चक्कर, अत्यधिक पसीना, कमजोरी, सिरदर्द अथवा मतली का अनुभव हो, तो उसे तुरंत ठंडे स्थान पर ले जाकर गीले कपड़े से शरीर को ठंडा करें तथा ओआरएस अथवा नींबू पानी पिलाएं। हीट स्ट्रोक के गंभीर लक्षण जैसे बेहोशी, तेज बुखार या भ्रम की स्थिति में तत्काल चिकित्सा सहायता प्राप्त करें। आवश्यकता पड़ने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाएं अथवा टोल-फ्री नंबर 108 अथवा 112 पर संपर्क करें ताकि समय पर सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

ब्रिगेड मैदान की जंग में ममता बनाम अमित शाह की जंग

उमेश चतुर्वेदी

साल 2021 में राज्य में तृणमूल कांग्रेस को 213 सीटें और करीब 44 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि बीजेपी को 38 प्रतिशत वोट के साथ 77 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। हालांकि 2016 के विधानसभा चुनावों के मुकाबले देखें तो पार्टी ने तीन सीट और करीब 28 प्रतिशत वोट की तुलना में बड़ी छलांग लगाई।

प्रधानमंत्री रहते अटल बिहारी वाजपेयी ने कोलकाता की यात्रा की थी। उस दौरे पर उन्होंने तत्कालीन रेल मंत्री के कालीघाट स्थित घर का दौरा किया था। तब उन्होंने मंत्री की मां से उलाहना दिया था, आपकी बेटी मुझे बहुत परेशान करती हैं। कहना न होगा कि वह शख्सियत डेढ़ दशक से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री है। ममता बनर्जी लड़ाका है। धूल से उठकर राजनीतिक आसमान का तारा अगर वे बनी हुई हैं, उसकी वजह उनका सघर्षशील व्यक्तित्व ही है। लेकिन कोलकाता के मैदान में इस बार यह योद्धा फंसा नजर आ रहा है। भारतीय जनता पार्टी जिस तरह उनसे दो-दो हाथ कर रही है, निश्चित तौर पर उसके पीछे नरेंद्र मोदी की अगुआई में बंगाल की धूल में लगातार परिश्रम कर रहे बीजेपी के कार्यकर्ता हैं। आज अगर बंगाली की सियासी लड़ाई आर-पार के दौर में आ चुकी है तो इसके पीछे अमित शाह की रणनीति काम कर रही है।

साल 2021 के विधानसभा चुनाव नतीजे आने के बाद कहा गया था कि बीजेपी चुनाव जीतते-जीतते हार गई है। ममता का संघर्ष बीजेपी की रणनीतियों पर भारी पड़ गया था। पांच साल बाद कोलकाता के रायटर्स बिल्डिंग पर कब्जे को लेकर सेनाएं सज गई हैं। लेकिन इस बार हालात बदले नजर आ रहे हैं। इसकी वजह अमित शाह का चुनाव प्रचार की कमान खुद संभालना है, जिन्होंने 170 सीटें जीतने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय कर रखा है। पिछले विधानसभा चुनाव में पिछड़ने के बावजूद अमित शाह ने राज्य की यात्राएं जारी रखीं और इसके जरिए अपने कार्यकताओं को उत्साहित बनाए रखा। इस बार बीजेपी अगर सत्ता की प्रबल दावेदार के रूप में उभरी है तो इसकी बड़ी वजह बूथ प्रबंधन तो है ही, घुसपैठ और महिला सुरक्षा को मुद्दा बनाना भी है। बंगाल के बारे में कहा जाता है कि वह जो आज सोचता है, पूरा देश उस पर बाद में आगे बढ़ता है। शक्ति पूजा की संस्कृति वाले राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर ममता के राज में कई बार सवाल उठे। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज में रेजिडेंट डाक्टर से दुष्कर्म और बर्बर हत्या के बाद अंग्रेजों की पहली राजधानी का भद्रलोक उद्वेलित हो उठा। अभी इसकी आंच ठंडी पड़ी नहीं कि कस्बा लॉ कालेज की छात्रा के साथ बलात्कार हुई। इसके पहले संदेशखाली में हुई कथित तौर पर यौन हिंसा और जमीन हड़पने के मामलों से पश्चिम बंगाल का समाज उद्वेलित रहा। अमित शाह के बार-बार के

बंगाल दौरे के चलते बीजेपी के कार्यकताओं ने महिला सुरक्षा के मसले को कभी धीमा नहीं पड़ने दिया। इन्हीं वजहों से महिला सुरक्षा को लेकर तृणमूल कांग्रेस सवालों के घेरे में आ गई। राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की 2023 की रिपोर्ट भी राज्य में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा की ही तसदीक करती है, जिसके अनुसार, राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 34,691 मामले दर्ज किए गए और एसिड हमलों में इसका हिस्सा सबसे ज्यादा करीब 27.5 प्रतिशत रहा। बीजेपी को महिला सुरक्षा को बड़ा मुद्दा बनाने में ममता बनर्जी के एक बयान से भी मिला, जिसमें उन्होंने कहा था कि महिलाओं को शाम सात बजे के बाद बाहर नहीं निकलना चाहिए। बीजेपी ने महिला सुरक्षा के मुद्दे पर आरजी कर की पीड़िता की मां मंजू देवनाथ को पनियाहाटा से उम्मीदवार बनाकर एक तरह से राज्य की महिलाओं को संदेश दे दिया है, संदेश यह कि वह उनकी सुरक्षा के लिए संजीदा है। बीजेपी ने महिलाओं को लुभाने के लिए दुर्गा सुरक्षा दस्ते बनाने और नौकरियों में महिलाओं को 33 फीसद आरक्षण देने का भी वादा किया है। इसके साथ ही महिलाओं को मध्य प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र की तरह प्रतिमाह तीन हजार रूपए देने का वादा किया है। यहां याद रखना चाहिए कि ममता सरकार हर महीने महिलाओं को डेढ़ हजार रूपए दे रही है।

साल 2021 में राज्य में तृणमूल कांग्रेस को 213 सीटें और करीब 44 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि बीजेपी को 38 प्रतिशत वोट के साथ 77 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। हालांकि 2016 के विधानसभा चुनावों के मुकाबले देखें तो पार्टी ने तीन सीट और करीब 28 प्रतिशत वोट की तुलना में बड़ी छलांग लगाई। अमित शाह ने इसी बुनियाद को मजबूत करते हुए आगे बढ़ने की रणनीति बनाई। इसके तहत उन्होंने दो बातों पर जोर दिया। उन्होंने उन गढ़ों को और मजबूत बनाने की रणनीति बनाई, जहां पहले से ही पार्टी मजबूत स्थिति में है। इसके साथ ही उन चुनाव क्षेत्रों में आधार बढ़ाने की कोशिश तेज की, जहां 2021 में वह बहुत कम अंतर से हारी थी। इसके साथ ही अमित शाह ने पार्टी के भीतर की गुटबाजी को भी सुलझाने की कोशिश की। राज्य में पार्टी के अध्यक्ष रहे दिलीप घोष के बारे में माना जा रहा था कि वे नाखुश हैं। अमित शाह ने उनसे मुलाकात करके तृणमूल से आए शुभेंदु अधिकारी से बीच उनके मतभेदों को दूर करने की कोशिश की।

ममता बनर्जी ने पिछली बार बंगाली माटी और मानुष यानी स्थानीय को मुद्दा बनाया था। उन्हें इस मुद्दे से पिछली बार मदद भी मिली। इस बार भी ममता विपक्ष यानी बीजेपी के नेताओं के बाहरी होने का आरोप लगा रही हैं। इसके जवाब स्वरूप अमित शाह ने ऐलान किया है कि अगर पश्चिम बंगाल में पार्टी सत्ता में आई तो राज्य का मुख्यमंत्री ह्यधरती का बेटाह्न यानी स्थानीय व्यक्ति ही बनेगा। पार्टी ने इस बार घुसपैठ को भी बड़ा मुद्दा बनाया है। राज्य में विशेष पुनरीक्षण अभियान के दौरान राज्य में नब्बे लाख वोटरों के नाम हटाने को लेकर ना सिर्फ सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस समेत समूचा गैर बीजेपी दल मुद्दा बना रहे हैं। हालांकि अमित शाह चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान यानी एसआईआर के कदम को सही बताया है। बीजेपी यहीं नहीं रूकी है, उसने वादा किया है कि अगर वह सत्ता में आई तो राज्य से अवैध घुसपैठियों की पहचान करेगी और उन्हें बाहर करेगी। इसके साथ ही पार्टी ने सत्ता में आने के पैंतालीस दिनों के अंदर सीमा पर बाड़ लगाने के लिए केंद्र सरकार को जमीन देगी। बीजेपी ने इसके जरिए बांग्लादेश की ओर हो रही पशु तस्करी को रोकने का भी ऐलान किया है।

राज्य में भ्रष्टाचार को भी बड़ा मुद्दा बनाने में बीजेपी कामयाब रही है। इसमें अतीत में हुई भ्रष्टाचार की घटनाओं ने मदद की है। यहां का शिक्षक भर्ती घोटाला रहा, जिसकी सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने 26 हजार नौकरियां रद्द कर दी थी। इसके साथ ही राशन और मिड-डे मील, मनरेगा अ जॉब कार्ड घोटाला भी सुर्खियां बनता रहा है। बीजेपी ने इस बार इसे भी मुद्दा बनाया है। इन मामलों में तृणमूल के बीस से ज्यादा नेताओं को जेल भेजा गया। हालांकि तृणमूल कांग्रेस इसे केंद्र की बदले की कारवाई बताती रही है। यही वजह है कि पार्टी ने दागी नेताओं को टिकट भी दिया है। इसकी वजह से भद्रलोक के बीच तृणमूल को सवालों के घेरे में लाने की पुरजोर कोशिश अमित शाह और उनकी बीजेपी कर रही है। ऐसे ढेरों मामले हैं, जिनकी वजह से बीजेपी सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस को जबरदस्त चुनौती देती नजर आ रही है। इसका मतलब यह नहीं है कि तृणमूल कांग्रेस ने सरेंडर कर दिया है। ममता की अगुआई में पार्टी अब भी पुरजोर तरीके से मैदान में खड़ी है। इस वजह से इस बार भी मुकाबला सीधे तौर पर ममता बनाम बीजेपी ही नजर आ रहा है। हालांकि सही तौर पर कहें तो इस बार मुकाबला ममता बनाम अमित शाह है। इस जंग में अमित शाह सफल होंगे या ममता एक बार फिर उन्हें मात देने में कामयाब रहेंगी, यह तो चार मई को मतगणना के बाद ही पता चल पाएगा।

संपादकीय

झुलसती जिंदगी

एक वैश्विक संस्था एक्यूआई.इन के हालिया आंकड़ों से यह परेशान करने वाली तस्वीर उभरी है कि दुनिया के सबसे गर्म बीस शहरों में 19 भारत के हैं। निस्संदेह, जलवायु परिवर्तन बढ़ते तापमान का मुख्य कारक है, लेकिन पर्यावरण संरक्षण के प्रति सरकारों व आम नागरिकों की उदासीनता भी इसके मूल में है। घटता वनों का दायरा और हमारी जीवनशैली में बदलाव से बढ़ता कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ते तापमान का एक कारक बन रहा है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि पिछले कुछ दिनों तक बारिश के बाद लोग अप्रैल माह में भी ठंड का अनुभव कर रहे थे। उसके कुछ ही दिन बाद तुरंत लू चलने लगी। यह अचानक होने वाला मौसमी बदलाव हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद घातक है। तमाम लोग अचानक मौसमी बदलाव से उत्पन्न बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। गंगा के किनारे बसे उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में देश का सबसे ज्यादा 44.4 तापमान दर्ज किया जाना गंभीर स्थिति को दशार्ता है। चिंता की बात यह है कि गर्मी सामान्य सीमाओं को पार करके आगे बढ़ रही है। मौसम विभाग चेता रहा है कि देश के कई इलाकों में आगामी दिनों में लू की स्थिति बनी रहेगी। कई जगह पारा 43 डिग्री तक पहुंच सकता है। दरअसल, मौसम विभाग का मानक है कि जब तापमान 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर जाता है तो इसे लू चलना कहा जाता है। फिक्र की बात यह है कि अप्रैल के चौथे सप्ताह में ही देश के कई शहर हीटवेव की सीमा से आगे बढ़ गए हैं। देश में बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा आदि राज्य इस तपिश का सामना कर रहे हैं। यहां तक कि पहली बार मध्यप्रदेश में रात को हीटवेव चलने की चेतावनी दी गई है। गर्मी का आलम यह है कि देश के कई राज्यों में स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। दिल्ली के स्कूलों में एक समय अवधि घंटी बजाकर छात्रों को डिहाइड्रेशन से बचने के लिए जागरूक किया जाएगा ताकि वे पानी पीकर गर्मी की चुनौती का मुकाबला करें। गर्मी के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर देश के तमाम राज्यों में जीवन रक्षा के उपाय किए जा रहे हैं। कई जगह श्रमिकों के दिन में कुछ घंटों में काम करने पर रोक लगायी गई है। महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ में ट्रैफिक पुलिस की ड्यूटी का समय बदला गया है। तमाम शहरों में लू के अलर्ट जारी किए जा रहे हैं। कई जगह ट्रैफिक सिग्नल बंद किए गए ताकि लोगों को चौराहों पर धूप में खड़ा न रहना पड़े। सड़कों, बस स्टेशनों तथा रेलवे स्टेशनों में पानी की फुहार के जरिये गर्मी से राहत देने के प्रयास किए जा रहे हैं। ताजमहल देखने पहुंचे कई पर्यटकों के बेहोश होने के समाचार हैं। गर्मी के चलते राजस्थान के कई पर्यटक स्थलों में पर्यटकों की संख्या में गिरावट के संकेत हैं।

चिंतन-मनन

अपनेपन का प्रेम असली प्रेम

जब प्रेम बहुत गहरा होता है, तब तुम किसी भी गलतफहमी के लिए पूरी जिम्मेवारी लेते हो। पल भर के लिए ऊपरी तौर से नाराजगी व्यक्त कर सकते हो, परन्तु जब इस नाराजगी को दिल से महसूस नहीं करते, तब तुम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझ पाते हो। तब तुम उस अवस्था में हो जहां सभी समस्याएं और मत-भेद मिट जाते हैं और केवल प्रेम झलकता है। प्रायः हम मतभेदों में उलझे रहते हैं क्योंकि अपने वास्तविक स्वभाव से दूर हो गए हैं। प्रेम के नाम पर हम दूसरों को इच्छानुसार चलाना चाहते हैं। यह स्वाभाविक है कि जब हम किसी से प्रेम करते हैं तो हम चाहते हैं कि वे त्रुटिहीन हो। तुम पहाड़ी के ऊपर से जमीन के गड्ढों को नहीं देख सकते। इसी प्रकार, उन्नत चेतना की अवस्था से दूसरों की त्रुटियां नजर नहीं आती। परन्तु जमीन आकर गड्ढों को (दोषों को) देख सकते हो। और गड्ढों को भरना चाहते हो तो उन्हें देखना ही होगा। हवा में रहकर तुम घर नहीं बना सकते। गड्ढों को देखे बिना, उनको भरे बिना, कंकड़-पत्थर हटाए बिना, जमीन को नहीं जोत सकते। इसीलिए जब तुम किसी से प्रेम करते हो और उनमें दोष ही दोष देखते हो तो उनके साथ रहो और गड्ढे भरने में उनकी मदद करो। यही ज्ञान है। तुम किसी को प्यार क्यों करते हो? क्या उनके गुणों के लिए या मित्रता और अपनेपन के कारण? अपनत्व महसूस किए बिना, केवल उनके गुणों के लिए, तुम किसी से प्रेम कर सकते हो! इस प्रकार का प्रेम प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्या पैदा करता है। परन्तु जब प्रेम आत्मीयता के कारण होता है, तब ऐसा नहीं होता। जब तुम किसी को उनके गुणों के लिए चाहते हो और जब उनके गुणों में बदलाव आता है, या जब तुम उनके गुणों के आदी हो जाते हो, तुम्हारा प्रेम भी बदल जाता है। परन्तु प्रेम यदि अपनत्व के भाव से है, क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वह प्रेम जन्म-जन्मान्तरों तक रहता है। लोग कहते हैं, मैं ईश्वर से प्रेम करता हूं क्योंकि वे महान है। और यदि यह पाया जाए कि ईश्वर साधारण हैं, हमारे जैसे ही एक व्यक्ति, तब तुम्हारा प्रेम समाप्त हो जाएगा। यदि तुम ईश्वर से इसलिए प्रेम करते हो क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वे चाहे जैसे भी हों, चाहे वे रचना करें या विनाश, तुम फिर भी उन्हें प्रेम करते हो। अपनेपन का प्रेम स्वयं के प्रति प्रेम के समान है।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस और 73वाँ संविधान संशोधन : ग्रामीण लोकतंत्र की सुदृढ़ नींव

सुनील कुमार महला

हमारा देश गांवों का देश है और गाँव स्तर पर भारतीय लोकतंत्र को सशक्त बनाने के उद्देश्य से भारत में प्रतिवर्ष 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया जाता है। यह दिन इसलिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि 24 अप्रैल 1993 को भारत में 73वाँ संविधान संशोधन अधिनियम लागू हुआ था, जिसके माध्यम से पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा प्राप्त हुआ। यहां पाठकों को जानकारी देता चलूं कि यद्यपि यह संशोधन भारतीय संसद द्वारा वर्ष 1992 में पारित किया गया था, परंतु इसे 24 अप्रैल 1993 से प्रभावी किया गया। यही कारण है कि यह तिथि भारतीय ग्रामीण लोकतंत्र के इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है।

वास्तव में, 73वाँ संविधान संशोधन भारतीय संविधान में किया गया एक ऐतिहासिक, नायाब और दूरदर्शी संशोधन था। कहना गलत नहीं होगा कि इस संशोधन ने ग्रामीण स्वशासन की वास्तविक नींव रखी। इस संशोधन के बाद राज्य सरकारों के लिए पंचायती राज व्यवस्था को लागू करना संवैधानिक रूप से अनिवार्य हो गया। इसके माध्यम से संविधान में भाग-क जोड़ा गया, जिसमें पंचायतों से संबंधित प्रावधान सम्मिलित किए गए। साथ ही, इसमें 11वीं अनुसूची भी जोड़ी गई, जिसमें पंचायतों को सौंपे जाने वाले 29 विषयों का उल्लेख किया गया।

इस संशोधन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्वशासन को मजबूत करना, लोकतंत्र को गाँव-गाँव तक पहुँचाना तथा जनता की सीधी भागीदारी सुनिश्चित करना था। इसके अंतर्गत पूरे देश में त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था लागू की गई, जिसमें क्रमशः ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत, मध्यवर्ती/ब्लॉक स्तर पर पंचायत समिति तथा जिला स्तर पर जिला परिषद शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-ब के अनुसार प्रत्येक राज्य में इन तीन स्तरों पर पंचायतों के गठन का प्रावधान किया गया। हालांकि, जिन राज्यों की जनसंख्या 20 लाख से कम है, वहाँ मध्यवर्ती (ब्लॉक) स्तर पर पंचायत बनाना अनिवार्य नहीं है। पाठक जानते होंगे कि पंचायतों के सदस्यों के चुनाव प्रत्यक्ष रूप से जनता द्वारा किए जाते हैं। ग्राम, मध्यवर्ती और जिला स्तर के निर्वाचित सदस्यों का चयन सीधे मतदाताओं द्वारा होता है, जबकि मध्यवर्ती एवं जिला स्तर के अध्यक्षों का चुनाव निर्वाचित सदस्यों द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से किया जाता है। पंचायत चुनावों के संचालन हेतु प्रत्येक राज्य में राज्य निर्वाचन आयोग की स्थापना का प्रावधान किया गया।

इतना ही नहीं, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-इ के अनुसार प्रत्येक पंचायत का कार्यकाल 5 वर्ष निर्धारित किया गया है, यदि उसे पूर्व में भंग न किया जाए। इससे पंचायतों को स्थायित्व और निरंतरता प्राप्त हुई।इस संशोधन की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक सामाजिक न्याय और समावेशिता है। इसके अंतर्गत अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) तथा महिलाओं के लिए आरक्षण का प्रावधान किया गया। महिलाओं को पंचायतों में प्रतिनिधित्व मिलने से ग्रामीण नेतृत्व में व्यापक परिवर्तन आया और महिला सशक्तीकरण को नई दिशा व उन्नयन मिला। इतना ही नहीं, पंचायतों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए प्रत्येक राज्य में राज्य वित्त आयोग गठित करने का प्रावधान किया गया, जो पंचायतों को वित्तीय संसाधनों के वितरण पर सुझाव देता है।बहुत कम लोग जानते होंगे कि इस संशोधन के तहत अनुच्छेद 243-ड भी जोड़ा गया, जिसके अनुसार पंचायत चुनावों से संबंधित परिसीमन या सीटों के आवंटन को किसी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती। चुनाव संबंधी विवादों का निपटारा केवल राज्य विधानमंडल द्वारा निर्धारित प्राधिकारी द्वारा किया जाएगा। इससे चुनाव प्रक्रिया में अनावश्यक न्यायिक हस्तक्षेप कम हुआ।एक उल्लेखनीय तथ्य यह भी है कि जहाँ विधायक या सांसद बनने के लिए न्यूनतम आयु 25 वर्ष निर्धारित है, वहीं अनुच्छेद 243-एफ के अंतर्गत पंचायत चुनाव लड़ने के लिए न्यूनतम आयु 21 वर्ष रखी गई है। इससे युवाओं को कम आयु में नेतृत्व और जनसेवा का अवसर प्राप्त हुआ।

बहरहाल, यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि यह अधिनियम कुछ विशेष क्षेत्रों में स्वतः लागू नहीं होता है। इनमें नागालैंड, मेघालय, मिजोरम, अनुसूचित एवं जनजातीय क्षेत्र, मणिपुर के पहाड़ी क्षेत्र, तथा पश्चिम बंगाल का दार्जिलिंग जिला (दार्जिलिंग गोरखा हिल काउंसिल क्षेत्र) शामिल हैं। हालांकि, यह बात अलग है कि भारतीय संसद आवश्यकतानुसार अपवादों और संशोधनों के साथ इन क्षेत्रों में भी इसके प्रावधान लागू कर सकती है।

निष्कर्षतः, यहां यह बात कही जा सकती है कि 73वाँ संविधान संशोधन अधिनियम भारतीय लोकतंत्र(इंडियन डेमोक्रेसी) को जमीनी स्तर तक सुदृढ़ करने वाला ऐतिहासिक कदम सिद्ध हुआ। इसने पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा देकर ग्रामीण जनता की भागीदारी सुनिश्चित की, सामाजिक समावेशिता को बढ़ावा दिया तथा गाँवों को अपने विकास के निर्णय लेने का अधिकार प्रदान किया। सरल शब्दों में यह बात कही जा सकती है कि 73 वें संविधान संशोधन ने लोकतंत्र को जमीनी स्तर पर मजबूत कर ग्रामीण विकास में आम जन की भागीदारी सुनिश्चित की है, जिससे भारत प्रतिनिधिक लोकतंत्र से सहभागी लोकतंत्र की ओर बढ़ा है। निस्संदेह यह संशोधन ग्राम स्वराज, सशक्त ग्रामीण भारत और सहभागी लोकतंत्र की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

क्यों सुसाइड कर रहे हैं एनआइटी के होनहार?

मनोज कुमार अग्रवाल

देश के प्रतिष्ठित कुरुक्षेत्र स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) में द्वितीय वर्ष की एक छात्रा अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाई गई, जिससे पिछले दो महीनों में परिसर में संदिग्ध छात्र मृत्यु का यह चौथा मामला सामने आया है।एनआईटी कुरुक्षेत्र में एक और छात्रा की आत्महत्या! यह सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि सिस्टम की गंभीर विफलता का संकेत है। एनआइटी में प्रवेश पाने के लिए छात्र छात्राओं द्वारा कठोर परिश्रम कर पढ़ाई कर प्रवेश परीक्षा पास कर तकनीकी शिक्षा लेने का सपना पूरा करने का मौका बिरले छात्रों को मिल पाता है लेकिन जब ऐसे होनहार छात्र छात्राओं द्वारा मौत को गले लगाने का सिलसिला चलता है तो इस संस्थान के माहौल पर भी सवालिया निशान लगता है।

लगातार हो रही ऐसी घटनाएँ बताती हैं कि छात्रों का मानसिक दबाव, संस्थागत संवेदनहीनता और सपोर्ट सिस्टम की कमी अब खतरनाक स्तर पर पहुँच चुकी है।सरकार और प्रशासन कब जागेंगे ?

गुरुवार 16 अप्रैल, 2026 को जब दीक्षा दुबे ने अपने दोस्तों के फोन का जवाब नहीं दिया, तो वे उसके कमरे में पहुँचे और कमरा अंदर से बंद पाया। सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीमें दोपहर करीब 3 बजे मौके पर पहुँचीं और दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया तो वह मृत पाई गईं,ह्व उन्होंने बताया। शव को पोस्टमार्टम के लिए एलएनजेपी सिविल अस्पताल भेज दिया गया है।

घटना के पीछे का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। आगे की कार्यवाही जांच के निष्कर्षों और परिवार के बयानों पर निर्भर करेगी। फरवरी से अब तक एनआईटी कुरुक्षेत्र में यह चौथा मामला दर्ज किया गया है।

आपको बता दें 16 फरवरी को तेलंगाना निवासी अंगोद शिव (19) अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाए गए। प्रथम सेमेस्टर के छात्र अंगोद शिव संस्थान में कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग (सीएसई) की डिग्री हासिल कर रहे थे। नूह के एक अन्य छात्र ने 31 मार्च को एनआईटी कुरुक्षेत्र में आत्महत्या कर ली।

तीसरी संदिग्ध मौत की सूचना 8 अप्रैल को मिली, जब हरियाणा के सिरसा निवासी प्रियांशु शर्मा अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाए गए। वह सिविल इंजीनियरिंग विभाग में बीटेक के तीसरे वर्ष के छात्र थे। हाल ही में 16 अप्रेल बिहार की रहने वाली 19 वर्षीय बीटेक छात्रा दीक्षा दुबे ने बृहस्पतिवार को कथित तौर आत्महत्या कर ली थी, जिसके बाद यह समिति गठित की गई है।

छात्रा की मृत्यु के बाद परिसर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। दीक्षा दुबे की मृत्यु पिछले दो महीनों में परिसर में हुई इस तरह की चौथी घटना थी।

इतना ही नहीं 18 अप्रैल शनिवार देर रात करीब 12 बजे कल्पना छात्रावास में एक छात्रा ने आत्महत्या का प्रयास किया लेकिन मौके पर मौजूद अन्य छात्रों ने समय रहते उसे बचा लिया। बताया जा रहा है कि छात्रा ने एक मैसेज में लिखा था।।मेरी जिंदगी का कोई मतलब नहीं। इस घटना के बाद कैंपस में तनाव और बढ़ गया।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र के कार्यवाहक निदेशक ब्रह्मजीत ने बताया कि प्रशासन ने छात्रों द्वारा उठाई गई कई मांगों को स्वीकार कर लिया है।

इन संदिग्ध मौतों के चलते कैंपस में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र देर रात मुख्य द्वार पर विरोध प्रदर्शन करने के लिए एकत्र हुए।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि छात्रावास के कुछ कर्मचारियों और अधिकारियों का व्यवहार संतोषजनक नहीं था और उन्होंने स्थिति से निपटने के तरीके पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने घटना के सामने आने के बाद प्रतिक्रिया में लगने वाले समय पर भी सवाल उठाया।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र ने परिसर में हाल में छात्रों के आत्महत्या के मामलों की जांच के लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन किया है। साथ ही छात्रों की समस्याओं की जांच के लिए तीन अलग-अलग समितियां भी बनाई हैं। जांच समिति इस मुद्दे पर छात्रों, प्रोफेसर, वार्डन और अन्य कर्मचारियों के साथ बातचीत करेगी।

एनआईटी के जनसंपर्क अधिकारी प्रोफेसर ज्ञान भूषण ने रविवार को कहा कि परिसर में हाल में हुई आत्महत्या की घटनाओं की जांच के लिए एक समिति गठित की गई है। समिति की अध्यक्षता छात्र कल्याण विभाग की डीन प्रोफेसर लिली दीवान कर रही हैं और इसमें प्रोफेसर जे.के। कपूर, प्रोफेसर प्रवीण अग्रवाल, डॉ। संदीप सिंघल और डॉ। मनोज सिन्हा शामिल हैं।

पुलिस ने बताया था कि दुबे की कथित आत्महत्या के बाद शुक्रवार रात को बीटेक प्रथम वर्ष की एक अन्य छात्रा ने भी कथित तौर पर आत्महत्या का प्रयास किया था।

मूल रूप से महाराष्ट्र की निवासी छात्रा ने कथित तौर पर धमकी दी और छात्रावास की इमारत से कूदने की कोशिश की, लेकिन उसके सहपाठियों ने उसे रोक लिया।

संस्थान में मौजूदा स्थिति को देखते हुए और सभी छात्रों के सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है कि स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्रों के लिए अगले आदेश तक अवकाश रहेगा। एनआईटी प्रशासन की ओर से जारी एक नोटिस के अनुसार, उन्हें 19 अप्रैल तक अपने छात्रावास खाली करने होंगे। छात्रावासों में रह रहे लगभग 5,300 छात्रों में से 2,500 से अधिक छात्रों ने संस्थान के नोटिस के बाद शनिवार तक अपने कमरे खाली कर दिए। दूरदराज के राज्यों से आने वाले छात्रों के लिए स्थिति विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण रही है।

प्रशासन ने कहा कि प्रायोगिक परीक्षाओं समेत संशोधित परीक्षा कार्यक्रम की सूचना उचित समय पर दी जाएगी। छात्रों को परीक्षा शुरू होने से काफी पहले सूचित कर दिया जाएगा। हालांकि छात्रों का आरोप है कि पहले बनी जांच कमेटी ने भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया। कुछ छात्रों ने यह भी कहा कि उन्हें मानसिक दबाव और परेशान किया जा रहा है। उनका दावा है कि एक प्रोफेसर ने यहां तक कह दिया कि ह्लअगर सुसाइड करना है तो कैंपस के बाहर करो।ह्व इन आरोपों ने मामले को और गंभीर बना दिया है।

इधर, बढ़ते विवाद के बीच एनआईटी प्रशासन ने 17 अप्रैल से 4 मई तक छुट्टियां घोषित कर दी हैं। छात्रों को हॉस्टल खाली करने का नोटिस दिया गया है और कई छात्र अपना सामान पैक कर घर लौटते नजर आ रहे हैं। इस पर भी छात्रों ने नाराजगी जताई है और कहा है कि उन्हें जबरदस्ती घर भेजकर मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है।

सवाल उठता है कि एक प्रतिष्ठित उच्च शिक्षा संस्थान में ऐसी क्या गड़बड़ी है कि भविष्य संवारने के लिए आए होनहार छात्र छात्राओं को सुसाइड करने की मजबूरी आन पड़ी है? इस के पीछे क्या संस्थान के शिक्षक प्रबंधन प्रशासन की कोई गड़बड़ी जिम्मेदार है या छात्रों के बीच में ही शेरों की खाल में कोई सियार छिपे हुए हैं और छात्र छात्राओं के साथ कोई अनैतिकता या अमानवीयता कर उन्हें सुसाइड करने के लिए मजबूर किया जा रहा है? की बार नशे के सौदागर और साइबर ठगी या निवेश के जाल मे फंसा कर ब्लेक मेल करने वाले गिरोह भी ऐसे वारदातों के पीछे जिम्मेदार हो सकते हैं। क्या वजह है कि सरकार ने एक के बाद एक हो रही सुसाइड की वारदातों को गंभीरता से नहीं लिया आखिर कब तक हमारे उच्च शिक्षा संस्थान होनहार बच्चों के सपनों को रौंद कर उनके जीवन से खिलवाड़ करते रहेंगे। जो भी हो इन सुसाइड मामलों की गंभीरता से जांच करानी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके।

मां बन सकती हैं आप, अब नही होगा बार-बार गर्भपात

अगर आपको अपना स्मार्टफोन बार-बार चैक करने की आदत है, तो सावधान हो जाएं! क्योंकि ऐसा करना आपके लिए स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। एक नए शोध से पता चला है कि बार-बार फोन जांचने की ललक संतुष्टि प्रक्रिया को प्रभावित करती है। अमेरिकी की टेंपल यूनिवर्सिटी के मनोवैज्ञानिक हेनरी विल्मर और जैसन ने इस अध्ययन के माध्यम से स्मार्टफोन और मोबाइल प्रौद्योगिकी के ज्यादा से ज्यादा उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति बेहतर समझ विकसित करने की कोशिश की है। इस अध्ययन के लिए शोधार्थियों ने 91 कॉलेज छात्रों का प्रश्नावली और संज्ञानात्मक परीक्षणों द्वारा आकलन किया। शोधार्थियों ने निष्कर्षों में पाया है कि आसानी से प्रयोग में लाए जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का अधिकाधिक प्रयोग आवेग नियंत्रण पर दुष्प्रभाव डालता है और शीघ्र प्रतिफल पाने की प्रवृत्ति को भी बढ़ाता है। विल्मर कहते हैं, मोबाइल प्रौद्योगिकी का ज्यादा इस्तेमाल या बार-बार फोन चेक करने की ललक अनियंत्रित आवेगों को बढ़ाती है, और प्रतिफल मिलने की संतुष्टि को प्रभावित करती है। यह शोध स्प्रिंगर पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

नमस्कार करने से कम होगा संक्रमण का खतरा

ब्रिटेन में हुए एक शोध में पाया गया है कि अगर हाथ मिलाने की जगह हम एक दूसरे से नमस्कार करें तो संक्रमण को दस गुना कम किया जा सकता है। जब दो लोग आपस में हाथ मिलाते हैं तो उनके शरीर की तरंगें एक दूसरे की अंगुलियों के माध्यम से शरीर में प्रसारित हो जाती हैं। ऐसे में यदि किसी व्यक्ति के शरीर में अधिक नकारात्मक तरंगे होंगी तो वे दूसरे व्यक्ति के शरीर में पहुंच सकती हैं।

गुणों से भरपूर है गन्ने का रस

भारत में सबसे ज्यादा गन्ना उगाया जाता है। गन्ने के रस से ज्यादा पोषक और स्वस्थ रखने वाला कोई और रस नहीं हो सकता। अगर आप दिर-भर की थकान को दूर करने के लिए एक गिलास गन्ने का रस पीएगें तो आपको स्वाद भरी ताजगी मिल जाएगी।

गन्ने का रस में सेहत के लिए बहुत गुणकारी है। यह रस विटामिन ए,सी ,बी, कैल्शियम, फास्फोरस, पोटेशियम, और कॉपर से भरपूर होता है। इसे पीने से हड्डियां मजबूत बनती हैं और दांतों की समस्या भी कम होती है। आज हम आपको बताएगें कि कैसे गन्ने का रस दूर करता है इन बिमारीयों से।

गन्ने का रस पीने से होंगे ये फायदे

- **कैंसर से बचाव करता है:** गन्ने के रस में कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटेशियम, आयरन और मैंगनीज जैसे तत्व अच्छी मात्रा में हैं जो शरीर को कैंसर जैसी बिमारी से लड़ने के लिए सहायक होता हैं।
- **मुहांसों से छुटकारा:** गन्ने का रस पीने से त्वचा को अल्फा हाइड्रॉक्सी एसिड मिलता है जो मुहांसे दूर करने और सेहतमंद त्वचा के लिहाज से फायदेमंद है।
- **किडनी के लिए फायदेमंद:** गन्ने के रस में प्रोटीन अच्छी मात्रा में है। इसमें नींबू और नारियल पानी मिलाकर पीने से किडनी की युरीन इन्फेक्शन, एसटीडी और पत्थर जैसी समस्यामए दूर होती है।

- **पाचनतंत्र के लिए फायदेमंद:** गन्ने का रस पाचन तंत्र के साथ-साथ पेट की बीमारियों के लिए भी बहुत फायदेमंद है क्योकि इसमें पोटैशियम की मात्रा ज्यादा होती है। इसे पीने से कब्ज की समस्या भी दूर होती है।
- **नाखूनों में आती है चमक :** यह रस पीने से नाखूनों पर से सफेद धब्बे हटाते है और नाखून चमकदार होते हैं क्योकि इसमें पोषक तत्व हैं जिससे आपके नाखूनों की सेहत की भरपाई हो जाती है।
- **दिल के रोगों से करता है बचाव:** गन्ने का रस शरीर में कोलेस्ट्रॉल और ट्राईग्लिसराइड के लेवल को गिरता है जिससे धमनियों में फैट नहीं जमता और दिल के रोगों जैसी बिमारीयों से बचाव रखता है।
- **मोटापा होता है कम:** यह रस आपके शरीर में खराब कॉलेस्ट्रोल को कम करके आपको मोटापे से बचाता है।
- **शुगर के मरीजों के लिए फायदेमंद:** गन्ने का रस पीने से मधुमेह रोगियों को बहुत फायदा होता है क्योकि यह मीठा और प्राकृतिक शुगर से भरपूर होता है।
- **त्वचा में ग्लो आती है:** यह रस त्वचा संबंधित परेशानियों को दूर करता है और स्किन में कसाव लेकर आता है। इस रस को त्वचा पर लगा कर धोने के बाद त्वचा खिली-खिली और साफ नजर आती है।

महिलाओं में अधिक होती है युटीआई की समस्या

पुरुषों के मुकाबले महिलाओं में अधिक होती है यूटीआई की समस्या, जानिए इससे बचने के उपाय... गर्मी के मौसम में पानी की कमी के कारण किडनी उचित मात्रा में यूरिन को शरीर से बाहर नहीं निकाल पाती है। ऐसे में यूटीआई का खतरा बढने की आशंका रहती है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में इसके मामले अधिक हैं।

जिसका कारण बैक्टीरियल इंफेक्शन है। ये बैक्टीरिया यूरेथ्रा के जरिए यूरीनरी ट्रैक में प्रवेश कर रोग का कारण बनते हैं। यूटीआई की समस्या एक्यूट और क्रांनिक दोनों तरह से हो सकती है। इसका खतरा उम्रवार सभी वर्गों को अलग-अलग कारणों से प्रभावित करता है।

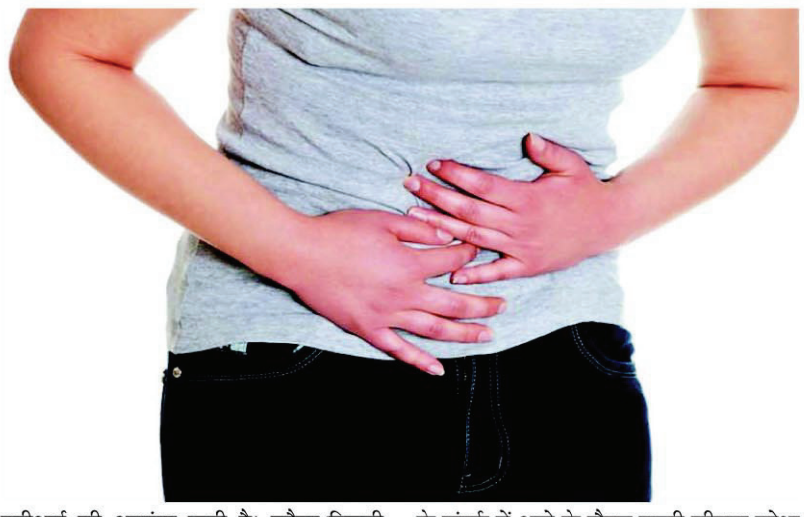

कारण

बच्चों में

बच्चों में यूरीनरी ट्रैक इंफेक्शन का कारण यूरिन के रास्ते में रुकावट, न्यूरोजेनिक ब्लैडर व अन्य जन्मजात विकृतियां हैं। उनमें यूरेथ्रा से यूरीनरी ट्रैक तक बैक्टीरिया का हमला इस रोग की वजह बनता है।

पुरुषों में

पुरुषों में 50 साल की उम्र के बाद यूटीआई की समस्या अधिक होती है। जिसकी मुख्य वजह प्रोस्टेट का बढना है। ऐसे में यूरिन पूरी तरह बाहर नहीं निकल पाता व लगातार स्टोर होने से इंफेक्शन का खतरा रहता है।

डायबिटीज रोग में लापरवाही से पेक्रिंयाज शुगर के स्तर को असामान्य कर देता है जिससे यूटीआई की आशंका रहती है। ब्लैडर/किडनी संबंधी परेशानी या कमजोर इम्युनिटी से भी यूटीआई होता है।

महिलाओं में

यौन संबंधों व अंग के आसपास इंफेक्शन होने और लंबे समय तक यूरिन रोकने की आदत क्रांनिक यूटीआई की समस्या को बढ़ाती है। यूरिन को रोके रखने की क्षमता वाली मांसपेशी कमजोर होने लगती हैं। इसे ओवर एक्टिव ब्लैडर कहते हैं। कई मामलों में सिजेरियन, सर्जरी व महिला का बार-बार गर्भधारण करना भी यूटीआई की आशंका बढ़ा देता है।

लक्षण

एक्यूट यूटीआई में यूरिन करने के तुरंत बाद ही बार-बार यूरिन आने, रोकने की क्षमता कम होने, यूरिन करते समय दर्द व जलन और हल्का बुखार आता है। क्रांनिक यूटीआई में इलाज के बाद भी इंफेक्शन बार-बार होता है।

मूत्रतंत्र से जुड़े अन्य अंग प्रभावित होते हैं जिससे गहरे रंग का यूरिन आने, पेट व पीठ के निचले हिस्से में दर्द के साथ ही ब्लैडर के आसपास भी दर्द होता है।

अन्य कारण

पानी की कमी : गर्मियों में पानी की पर्याप्त मात्रा न पीने से पेशाब कम बनता है और शरीर में मौजूद फ्लूड पसीने के जरिए निकल जाता है।

संक्रमण : गंदे अंडरगारमेंट्स पहनने, साफ-सफाई के अभाव वाले टांयलेट या जगहों पर यूरिन करने से भी संक्रमण की आशंका बढ़ जाती है। इसके अलावा दूषित भोजन व पानी के संपर्क में आने के दौरान बाहरी कीटाणु यूरेथ्रा में पहुंचकर इंफेक्शन बढ़ाते हैं।

तनाव: कई बार तनाव की स्थिति में यूरिन पूरी तरह से बाहर नहीं निकल पाता या व्यक्ति को बार-बार यूरिन आने की इच्छा होती है।

ध्यान रखें

दिन में 4-5 लीटर पानी पीएं ताकि कीटाणु बाहर निकल जाएं। फलों का जूस पीते रहें। कब्ज न होने दें, पेट साफ रखें। यूरिन को लंबे समय तक न रोकें।

जांच

यूरिन एग्जाम व यूरिन कल्चर टैस्ट कर इसका कारण का पता करते हैं।

इलाज

- एक्यूट की स्थिति में 2-3 दिन तक एंटीबायोटिक दवा और क्रांनिक यूटीआई की स्थिति में लो डोज में प्रोफाइलेक्सिस
- गर्भावस्था के दौरान या डायबिटिक को यह समस्या है तो 2-3 हफ्ते तक दवा देते हैं।

वजन बढ़ाने वाला पाउडर खाने से पहले जान लें साइड इफैक्ट्स

इस तेज रफ्तार और टैक्नोलॉजी से भरपूर जमाने में लोग फटाफट से हर काम को करना चाहते हैं। बात सिक्स पैक, बढ़ते हुए वजन को कम करने की हो या फिर दूबले शरीर को मोटा करने की, लोग किसी काम में भी इंतजार नहीं करना चाहते।

सिक्स पैक, बॉडी, वजन बढ़ाने की चाहत में वह प्रोटीन शेक या बांडी सप्लीमेंट्स लेने तक लेने शुरू कर देते हैं लेकिन शायद वह इनसे होने वाले साइड इफैक्ट्स के बारे में नहीं जानते। एक्सरसाइज, वर्कआउट और योग का हमारे शरीर को कोई नुकसान नहीं होता लेकिन गलत चीजों से बांडी बनाने से हम तरह तरह की बीमारियों को खुद ही न्योता देते हैं जो कि सही नहीं है।

क्यों लेते हैं वजन बनाने वाले पाउडर?

हमारे शरीर को विटामिन, मिनरल्स, कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और फाइबर अगर सही मात्रा में मिल जाएं तो हमारा शरीर तंदुरुस्त रह सकता है लेकिन बिगड़ती लाइफस्टाइल, वर्कआउट न करने और संपूर्ण आहार न लेने के कारण ही लोग वजन बढ़ाने वाले पाउडर लेने लगते हैं। आज हम आपको बताते हैं कि वजन बढ़ाने वाल पाऊडर लेने से हमारे शरीर में किस तरह की समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

किडनी स्टोन

वजन बढ़ाने वाले पाउडर लेने से किडनी (गुर्दे) को खतरा होता है। क्रिएटीन व कैल्शियम ज्यादा मात्रा में लेने से गुर्दे की पथरी की भी समस्या हो सकती है। इसी के साथ अगर आपके शरीर के हार्मोन्स अतिसंवेदनशील है तो यह घातक हो सकता है।

आंत की समस्या

इस पाउडर से आंत की समस्या भी होना आम बात है। यह बात तो साबित भी हो चुकी है कि वजन बढाने वाले पाउडर एक उत्प्रेरक हैं लेकिन ज्यादा से ज्यादा पानी पीने से उसके दुष्प्रभावों से बचा जा सकता है। अगर पाउडर के साथ एल्कोहल कासेवन किया जाए तो यह खतरनाक हो सकता है।

मितली व डायरिया

वैसे तो यह सब होना बहुत ही आम है लेकिन अगर यह समस्या पाउडर खाने के बाद बार बार होती हैं तो समझ लें इसका कारण वजन बढ़ाने वाला पाउडर है क्योंकि यह ठीक से पेट में घुल नहीं पाता, जिससे यह समस्या होने लगती है।

सांस की समस्या

इससे सांस संबंधी परेशानी भी हो सकती है। कभी कभी कफ की समस्या सामने आती है लेकिन समस्या के ज्यादा गंभीर होने पर अस्थमा की समस्या भी हो सकती है। अगर आपको पहले से सांस की समस्या है तो कोई भी सप्लीमेंट्स लेने से पहले डाक्टर की सलाह जरूर लें।

पुरुष हो जाएं सावधान, पेट पर जमा फैट से है जान का खतरा

मोटापे से ज्यादा जानलेवा है पेट निकलना

अगर आप सोचते हैं कि सिर्फ मोटा होना ही नुकसानदेह है और शरीर में जमे थोड़े बहुत फैट से आपको कोई खतरा नहीं है तो आप गलत हैं। एक शोध में सामने आया है कि पेट पर जमा फैट उतना ही खतरनाक है जितना कि पूरे शरीर पर। ऐसे में मोटापे से ज्यादा जानलेवा पेट बाहर निकलना हो सकता है। इससे पुरुषों को ज्यादा सावधान रहने कह जरूरत है।

जानकारी के मुताबिक शोध में पाया गया कि साधारण वजन वाले लोग जिनके पेट और कमर के पास ज्यादा फैट इकटठा होता है उन्हें जान का ज्यादा खतरा है बजाए उनके जो पूरी तरह मोटे या ओवरवेट हैं। यानि अगर आपके शरीर में फैट बराबर से हर अंग में बंटा है तो वह उतना खतरनाक नहीं है जितना कि सिर्फ पेट पर जमा फैट। ऐसा होने पर पेट पर टायर बनने लगते हैं यानी फैट की पूरी मोटी परत दिखती हैं। इससे कई बीमारियां हो सकती हैं जैसे कि यादद्दाश्त कमजोर होना, मधुमेह, कैंसर और दिल की बीमारी।

15 हजार लोगों पर की रिसर्च

मेरिका के मिनेसोटा में हुए इस शोध को 15000 लोगों पर आजमाया गया। इसे करने वाले डॉ फ्रान्सिस्को लोपेज ने बताया कि इस पर जल्द से जल्द कदम उठाने की जरूरत है ताकि यह पता चल सके कि कुछ लोगों का पूरा शरीर फिट, लेकिन पेट के पास फैट क्यों जमा होता है। ऐसे लोगों के जल्दी मरने का खतरा होता है। पुरुषों में यह संभावना ज्यादा रहती है जबकि महिलाओं में उनसे थोड़ी कम लेकिन फिर भी असरदार होती है।

अच्छे खानपान से दूर हो सकती है बीमारी, शराब ज्यादा खराब

इस परेशानी से बचने का एकमात्र उपाय है कि अपने खान पान की आदतें सुधारें। पेट के पास फैट बढ़ने का मतलब होता है अंदरूनी अंगों के आस पास फैट बढ़ना जो कि दिल की बीमारियां, उक्त रकत्चाप और टाइप 2 मधुमेह की तरफ इशारा करता है। इससे बचने के लिए जरूरी है कि पौष्टिक आहार लिया जाए। खाने पीने में फलों और सिब्जयों के जूस की मात्रा बढ़ाएं। शुगर और फैट वाली चीजें न खाएं, शराब कम कर दें और दिन में थोड़ा समय कसरत को जरूर दें। इन सबके पीछे अच्छी बात यह कि पेट के पास जमा फैट आसानी से समझ में आ जाता है क्योंकि कपड़े भी कसे होने लगते हैं।

रेसिपी

मिसी रोटी

सामग्री

(8 मिस्सी रोटी के लिये)

1 प्याला बेसन, 1/2 प्याला आटा, 1-2, बारीक कटी हरी मिर्च, 2 बड़ा चम्मच हरा धनिया बारीक कटा, 1/4 छोटा चम्मच नमक, 1/2 छोटा चम्मच अजवाइन,2 छोटा चम्मच तेल, 2-4 बड़ा चम्मच प्याज बारीक कटा (वैकल्पिक), 1/4 प्याला पानी (या आवश्यकतानुसार), घी/ मक्खन रोटी पर लगाने के लिए

विधि

एक परात में बेसन, आटा, बारीक कटी हरी मिर्च, बारीक कटा हरा धनिया, कटी प्याज, नमक, तेल, और अजवाइन लें और अच्छी तरह मिलाएं। थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए आटा गूंथें, यह न तो बहुत मुलायम हो और न बहुस सख्त। आटे को 10 मिनट के लिए ढककर रखें। गुथे आटे को 8 बराबर हिस्सों में बांटें और लोइयां बनाएं। तवा गरम करें। जब तक तवा गरम हो रहा है, इस बीच एक लोई को सूखे आटे की मदद से तीन इंच व्यास के गोले में बेलें। रोटी को गरम तवे पर डालें, एक ओर पक जाने पर पलट दें। दूसरी ओर पक जाने के बाद, रोटी को चिमटे की मदद से मध्यम आंच पर दोनों तरफ से घुमाकर लाल सेक लें। मिस्सी रोटी के ऊपर घी/ मक्खन लगाएं। इसी तरह से सभी रोटी को बनाकर सेंक लें। किसी भी दाल या सब्जी के साथ गर्म परोसें। **टिप्पणी:** अगर बिजली का चूल्हा है तो रोटी को तवे पर ही साफ कपड़े की मदद से सेंका जा सकता है। इसके लिए कपड़े से रोटी को किनारे से दबाकर दोनों तरफ से लाल सेक लें।

मां बन सकती हैं आप, अब नही होगा बार-बार गर्भपात

मां बनने की चाह रखने वाली महिला के लिए बार-बार गर्भपात होना एक बड़ी त्रासदी है। इस त्रासदी का असर पिता बनने की चाह रखने वाले वाले व्यक्ति पर भी पड़ता है, लेकिन लैप्रोस्कोपिक इनसरक्लेज प्रक्रिया कई कारणों से बार-बार गर्भपात होने की समस्या से निजात दिलाने में कारगर है।

समस्या क्या है

गर्भपात एक ऐसी स्थिति है, जिसमें भ्रूण के ठीक तरीके से विकसित होने के पहले ही गर्भ अचानक गिर जाता है। गर्भावस्था के दौरान लगभग 22 से 25 प्रतिशत मामलों में गर्भपात होता है। उम्र बढ़ने से बार-बार गर्भपात का खतरा बढ़ सकता है। एक नजर कारणों पर गर्भपात हार्मोन संबंधी समस्याओं, संक्रमण या रक्त में थ्रॉम्बोफीलिया जैसी कुछ समस्याओं या आनुवांशिक विकृति आदि की वजह से हो सकता है। थ्रॉम्बोफीलिया की स्थिति में मां के शरीर से बच्चे को सही मात्रा में रक्त की आपूर्ति नहीं हो पाती। वहीं संरचनात्मक (एनाटॉमिकल) समस्या के कारण भी गर्भपात हो सकता है। गर्भपात के कुछ अन्य कारण हो सकते हैं...

शारीरिक समस्याएं

- गर्भाशय में फाइब्रॉयड का होना।
- गर्भाशय की कैविटी में सेप्टम का होना।
- गर्भाशय में पॉलिप- या किसी भी अन्य प्रकार की ग्रोथ होना।
- सरवाइकल अक्षमता की स्थिति में प्रसव

(डिलीवरी) के दौरान गर्भाशय मुख के खुलने की बजाय यह समय (बच्चे का कार्यकाल पूरा होने से पहले) से पहले खुल जाता है। इस स्थिति में या तो गर्भपात हो सकता है या समय से बहुत पहले ही बच्चे के जन्म का खतरा बढ़ जाता है।

परंपरागत उपचार

अतीत में इन महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान गर्भाशय के मुंह (वेजाइनल इनसरक्लेज) से नीचे टांका लगाकर इलाज किया जाता था। दुर्भाग्य से यह प्रक्रिया खतरे से पूरी तरह मुक्त नहीं थी। ऐसे ज्यादातर मामलों में वेजाइनल इनसेलक्लेज कारगर नहीं होता था और ऐसी अधिकतर महिलाओं में गर्भपात होना तब भी जारी रहता था। लेकिन अब ऐसी महिलाओं के लिए हमने एक नई प्रक्रिया शुरू की है, जिसे लैप्रोस्कोपिक इनसरक्लेज कहा जाता है।

अन्य लाभ

फाइब्रॉयड, पॉलिप, सेप्टम या गर्भाशय में किसी भी प्रकार की अन्य शारीरिक समस्या होने के कारण होने वाले गर्भपात के अन्य मामलों का भी इलाज दूरबीन विधि से संभव है।

यह है नवीनतम इलाज

लैप्रोस्कोपिक इनसरक्लेज के अंतर्गत गर्भाशय के मुंह को लैप्रोस्कोपी के जरिये ऊपर से बांध दिया जाता है। अध्ययनों से पता चलता है कि यह प्रक्रिया उन महिलाओं के लिए कारगर है, जिन्हें बार-बार गर्भपात होता है या जो महिलाएं अपरिपक्व (निर्धारित अवधि से पहले) बच्चों को जन्म देती हैं।

दाल पंचरतन

सामग्री

50 ग्राम छिलके वाली मूंग की दाल, 50 ग्राम मसूर की दाल, 50 ग्राम चने की दाल, 50 ग्राम उड़द की दाल, 50 ग्राम अरहर या तुअर दाल, एक प्याज-टमाटर बारीक कटा हुआ। 4 बड़े चम्मच देसी घी, आधा छोटा चम्मच जीरा, चुटकीभर हल्दी,चुटकी भर हींग, लाल मिर्च, चाट मसाला, नीबू और नमक स्वादानुसार हरा धनिया बारीक कटा हुआ।

विधि

सारी दालों को लगभग दो घंटे के लिये गरम पानी में भिगोएं। इन्हें मिलाकर प्रेशर कुकर में नमक, हल्दी और डेढ़ कटोरी पानी के साथ तीन सीटी देने तक पकाएँ। तुरंत प्रेशर कुकर न खोलें। कढ़ाई में घी गर्म करें और जीरा, हींग का छौंक लगाकर प्याज डाल दें। प्याज गुलाबी सुनहरी हो जाने पर टमाटर और थोड़ा सा नमक डालकर ढ़ंक दें और आँच धीमी कर दें। टमाटर गल जाने पर दाल डालें, चाट मसाला मिलाएं और हरे धनिए से सजाकर परोसें।

टिप्पणी: इस दाल में साबुत गरम मसाले का छौंक अच्छा लगता है। इसके लिये दो बड़ी इलायची दो पत्ते तेजपात, दस काली मिर्च और पाँच लौंग जीरे के साथ घी में डालें। यह छौंक अन्य दालों में भी डाला जा सकता है।

राज्य की 2 हजार युवतियों को डिजिटल सशक्त बनाने के लिए यूनिसेफ एफडीसीआर के माध्यम से करेगा प्रशिक्षित

जयपुर

आरएसएलडीसी और यूनिसेफ इंडिया ने डिजिटल गर्ल्स हब (डीजीएच) मॉडल के लिए गुरुवार को लेटर ऑफ इंटेंट पर सहमति व्यक्त है। आरएसएलडीसी के जयपुर कार्यालय में प्रबंध निदेशक ऋषभ मंडल की उपस्थिति में इस सम्बंध में दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए गए। बालिकाओं के डिजिटल सशक्तीकरण एवं रचनात्मक क्षेत्रों में कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ये महत्वपूर्ण पहल है। 18 से 29 वर्ष आयु वर्ग की लगभग 2 हजार युवतियों को अल्पावधि डिजिटल कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य है। यह कार्यक्रम मार्च, 2027 तक चरणबद्ध रूप से संचालित किया जाएगा तथा परिणाम-आधारित मॉडल के तहत सफल प्लेसमेंट के उपरांत ही भुगतान किया जाएगा। इस अवसर पर यूनिसेफ इंडिया की प्रतिनिधि सु सिथिया मैककैफरी भी उपस्थित रही। इसी क्रम में आरएसएलडीसी एवं फैशन डिजाइन काउंसिल ऑफ राजस्थान (एफडीसीआर) के मध्य एक गैर-वित्तीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते का उद्देश्य फैशन, टेक्सटाइल, डिजाइन, फिल्म, मीडिया एवं अन्य रचनात्मक क्षेत्रों में कौशल विकास, रोजगार एवं उद्यमिता को प्रोत्साहित करना है। इसके अंतर्गत प्रशिक्षण, मास्टर क्लास, उद्योग-उन्मुख पाठ्यक्रम, इंटर्नशिप एवं स्टार्टअप अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। एफडीसीआर के उपाध्यक्ष पुनीत खत्री भी इस अवसर पर मोजूद रहे। डिजिटल गर्ल्स हब के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली युवतियां तकनीकी दक्षता हासिल कर संगठित क्षेत्र एवं स्वरोजगार के अवसरों का लाभ उठा सकेंगी। यूनिसेफ के यूथहब प्लेटफॉर्म के माध्यम से डिजिटल पाठ्यक्रम एवं रोजगार अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे, एफडीसीआर द्वारा उद्योग-उन्मुख प्रशिक्षण एवं नवीनतम पाठ्यक्रमों के विकास में सहयोग प्रदान किया जाएगा।

श्रम विभाग के शासन सचिव ने181 हेल्प लाइन पर सुनी श्रमिकों की समस्याएं

जयपुर

शासन सचिव, श्रम, कारखाना एवं बॉयलर निरीक्षण एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें (ई. एस. आई.) विभाग पूर्ण चन्द्र किशन ने गुरुवार को शासन सचिवालय स्थित 'राजस्थान सम्पर्क पोर्टल 181' हेल्पलाइन केंद्र का निरीक्षण किया तथा परिवादियों से संवाद कर उनकी शिकायतों को सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को त्वरित समस्याओं के समाधान के निर्देश प्रदान किये। इस दौरान शासन सचिव ने बालोतरा के परिवादी राजकुमार से कॉल पर बात करते हुए उनकी समस्या को सुना। परिवादी द्वारा कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय, बालोतरा में पदस्थापित चिकित्सक की शिकायत की गई। पीसी किशन ने इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी को तुरंत प्रभाव से कार्य मुक्त किया । उन्होंने विभिन्न जिलों के 12 परिवादियों से श्रमिक कल्याण, श्रमिक डायरी, मुआवजा संबंधी, प्रसूति सहायता योजना की किस्त प्राप्त करने, श्रमिक कार्ड को अद्यतन करवाने एवं श्रमिक शिक्षा एवं कौशल विकास योजना से संबंधित शिकायतों को सुना तथा समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने 181 हेल्पलाइन पर श्रम विभाग, कारखाना एवं बॉयलर निरीक्षण और ईएसआईसी से संबंधित का परिवादों की समीक्षा भी की। आरआईएसएल के महाप्रबंधक जी के शर्मा ने बताया कि गत एक वर्ष के दौरान विभाग से संबंधित कुल 27,911 शिकायतों में से 26,528 का निस्तारण हो चुका है जो कि लगभग 95 प्रतिशत से भी अधिक है । उल्लेखनीय है कि आमजन की शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए सभी विभागों के सचिव निर्धारित तिथियों पर राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) कंट्रोल रूम में उपस्थित होकर परिवादियों से सीधे संवाद कर रहे हैं। इस पहल के माध्यम से नागरिक घर बैठे अपनी शिकायत दर्ज कर शीघ्र समाधान प्राप्त कर रहे हैं। इस अवसर पर विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे ।

पशुपालन मंत्री ने गर्मी के मौसम में लू और तापघात से पशुओं को बचाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के विभाग को दिए निर्देश

जयपुर

भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए पशुपालन, गोपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत ने प्राकृतिक परिवर्तनों के प्रभाव से पशुधन को स्वस्थ रखने हेतु प्रदेश के पशुपालकों से सचेत और जागरूक रहने की अपील की है तथा पशुपालन विभाग को भी पशुओं के रखरखाव पोषण एवम् स्वास्थय रक्षा हेतु आवश्यक कदम उठाये जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में गर्मी की शुरुआत हो चुकी है। आगामी महीनों में तापमान बढ़ने के साथ लू और तापघात के कारण पशुधन के स्वास्थय और उत्पादन क्षमता पर असर पड़ सकता है। गर्मी के कारण पशुओं की रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित होने से विभिन्न संक्रामक रोग की संभावना भी रहती है। खासकर दुधारू पशुओं के दुग्ध उत्पादन पर गर्मी का बहुत असर पड़ता है। अधिक गर्मी के कारण दुधारू पशु अक्सर जल्दी बीमार पड़ते हैं और दूध देना कम कर देते हैं. इसके कारण पशुपालकों को भी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। पशुपालन मंत्री ने कहा कि विभाग द्वारा पशुओं की देख भाल को लेकर समय समय पर निर्देश जारी किए जाते हैं पशुपालक उन निर्देशों का पालन करें। जरूरत पड़ने पर अपने नजदीक के पशु चिकित्सालय या उप केंद्र में संपर्क करें। प्रमुख शासन सचिव पशुपालन, गोपालन तथा मत्स्य विकास सीतारामजी भाले ने भी सभी जिला पशु चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने अपने क्षेत्रों में पशुधन के लू और तापघात से बचाव के लिए विशेष प्रयास करें, पशुपालकों को जागरूक करें और सभी उपयोगी जानकारियों को विभिन्न प्रचार माध्यमों से अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि पशुपालकों की जागरूकता तथा समय पर उठाए गए कदम पशुधन को लू से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रमुख शासन सचिव ने निराश्रित पशुओं के लिए पशु आश्रय स्थलों, चारागाहों और रास्ते में उपयुक्त स्थानों पर जलकुंडों और पक्षियों के लिए जन सहभागिता से सभी उपयुक्त सार्वजनिक स्थानों और घरों में परिंडे लगाने के लिए आमजन और स्वयंसेवी संगठनों को प्रेरित करने के निर्देश दिए हैं

नई दिल्ली में ग्राम-2026 इन्वेस्टर मीट का हुआ आयोजन

सीएम भजनलाल शर्मा से विभिन्न देशों के ट्रेड प्रतिनिधियों ने की मुलाकात

जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से गुरुवार को नई दिल्ली में ग्राम-2026 इन्वेस्टर मीट के तहत विभिन्न देशों के ट्रेड प्रतिनिधियों, विभिन्न उद्यमियों, स्टार्ट-अप्स ने वन-टू-वन मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने कनाडा, रूस, ऑस्ट्रेलिया, इटली, ब्राजील, वियतनाम और अर्जेन्टीना के दूतावासों के वाणिज्यिक एवं कृषि प्रतिनिधियों से राजस्थान में कृषि निवेश बढ़ाने पर विस्तृत बातचीत की। उन्होंने कहा कि किसान नवीन कृषि तकनीकों को अपनाकर तथा विभिन्न फूड प्रोसेसिंग गतिविधियों के विकास से सशक्त बनेंगे। उन्होंने कहा कि इस इन्वेस्टर मीट से प्रदेश के किसानों को राष्ट्रीय और

अंतरराष्ट्रीय बाजार से जुड़ने का मौका मिलेगा। साथ ही, फसलों और एग्री प्रोडक्ट्स के निर्यात से किसानों की आय में वृद्धि भी होगी। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से एग्री स्टार्टअप्स को प्रगति के विभिन्न अवसर मिलेंगे। जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार का सृजन होगा तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री ने वन टू वन मुलाकात के दौरान रूस की ड्रोन तकनीक, कनाडा के खेतों में एग्री प्रोसेसिंग और पराली से संबंधित प्रक्रिया, ब्राजील की तरह सोयाबीन उत्पादन को बढ़ावा देने, मक्का से मेथेनॉल बनाने सहित अन्य कृषि एवं तकनीकी विषयों पर विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों से चर्चा की। उन्होंने कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले देशों से संपर्क को बढ़ावा देने के लिए संबंधित अधिकारियों की नियुक्ति करने के निर्देश दिए। जिससे इन देशों में किए जा रहे कृषि नवाचारों तथा उन्नत तकनीकों को प्रदेश के किसानों के हित में अपनाया जा सके। उल्लेखनीय है कि 23 से 25 मई तक आयोजित होने वाले ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट से भविष्य की खेती के लिए किसान, वैज्ञानिक, निवेशक और नीति निर्माता इस मंच के माध्यम से एक साथ काम कर सकेंगे। इस दौरान केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी, कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार, राजस्थान किसान आयोग अध्यक्ष सी. आर. चौधरी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक एम. एल. जाट, प्रमुख शासन सचिव कृषि मती मंजू राजपाल सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

राज्यपाल बिजोरावास में शिव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हुए शामिल

जयपुर

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे गुरुवार को बहरोड़ क्षेत्र के ग्राम बिजोरावास पहुंचे, जहां उन्होंने बाबा बिशाह मंदिर परिसर में आयोजित शिव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने विधि-विधान से पूजा अर्चना की और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। राज्यपाल बागडे ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान शिव अज्ञान और नकारात्मकता के अंधकार को मिटाकर जीवन में ज्ञान और सकारात्मकता का प्रकाश लाने वाले हैं। राज्यपाल ने भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं और उनके महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि युवाओं द्वारा अपनी परंपरा और संस्कृति को आत्मसात करना, सांस्कृतिक पहचान, मूल्य और निरंतरता को जीवित रखने के लिए आवश्यक है। यह आधुनिकता के साथ सामंजस्य बैठाते हुए अपनी जड़ों से जुड़े रहने और एक सशक्त समाज व राष्ट्र के निर्माण में योगदान देता है। बागडे ने कहा कि सड़कों पर बेसहारा घूमते नंदी (बैलों) का संरक्षण एक प्रमुख मुद्दा है, जिसके लिए सामुदायिक भागीदारी और सरकारी प्रयासों जैसे गोग्रास और गौशालाओं में आश्रय की आवश्यकता है। राजस्थान सरकार द्वारा विशेष अभियान चलाकर नदियों को सुरक्षित आश्रय प्रदान करने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। राजस्थान सरकार द्वारा नंदी (बैलों) के पालन और उनसे खेती को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष योजना चलाई जा रही है, जिसके तहत किसानों को हर साल 30 हजार रूपए की आर्थिक सहायता दी जा सकती है।

सिक्किम के राज्यपाल ने पाली के तख्तगढ़ में 100 फीट ऊंचे तिरंगे का किया अनावरण

जयपुर

सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने पाली जिले के सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के गांव तखतगढ़ के नेहरू रोड चौराहे पर 100 फीट ऊंचे तिरंगे का अनावरण किया गया। इस दौरान नगर पालिका के माध्यम से 351.83 लाख रुपए की लागत से बनने वाली पानी की टंकी सहित कई अन्य विकास कार्यों का शिलान्यास/लोकार्पण एलईडी पर रिमोट के जरिये किया गया। बस स्टैंड पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ, जिसके पश्चात अतिथियों ने संयुक्त रूप से तिरंगा ध्वज फहराकर राष्ट्र के प्रति सम्मान और एकता का संदेश दिया। दोनों अतिथियों ने क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था के लिए निर्माणाधीन नाले का भी निरीक्षण किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सिक्किम राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर व पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी एवं पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्म निर्भर निधि योजना के तहत कुल 10 लाभार्थियों को 50-50 हजार रुपये के चैक वितरित किए गए। राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने उदबोधन में कहा कि तिरंगा हमारे राष्ट्र की आन, बान और शान का प्रतीक है। इस प्रकार के आयोजन नई पीढ़ी में देशभक्ति की भावना को सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने तखतगढ़ नगर पालिका के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे प्रेरणादायक बताया। साथ ही, उन्होंने सिक्किम राज्य की भौगोलिक व प्राकृतिक सुंदरता के बारे में बताया। कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि राजस्थान सरकार द्वारा प्रदेश के विकास के साथ-साथ सांस्कृतिक और राष्ट्रीय मूल्यों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका तखतगढ़ के विशाल 100 फीट का तिरंगा क्षेत्रवासियों में एकता और देशप्रेम की भावना को और मजबूत करेगा। कुमावत ने कहा कि तखतगढ़ ग्राम पंचायत के गांव खेड़ावास में टंकी के निर्माण से क्षेत्र में पानी की समस्या का निवारण हो पाएगा।

राष्ट्रीय कृषि बाजार का एक दशक

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में कृषि व्यापार के डिजिटल रूपांतरण में राजस्थान रच रहा कीर्तिमान

जयपुर

राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-नाम) प्लेटफॉर्म देश में मंडियों को डिजिटल रूप से एकीकृत कर पारदर्शी और प्रौद्योगिकी-आधारित कृषि व्यापार को आसान बना रहा है। राजस्थान में 173 मंडियों के ई-नाम में जुड़ने से लाखों किसानों सहित सभी हितधारकों के लिए अवसरों का विस्तार हुआ है और पारदर्शी एवं कुशल कृषि विपणन को गति मिली है। यही नहीं, प्रदेश के किसान अब ई-नाम के माध्यम से अपने कृषि उत्पादों को देश भर में बेच कर अपनी उपज के अधिक दाम पा रहे हैं, जिससे उनकी आमदनी बढ़ाने में मदद मिल रही है। किसान सिर्फ स्थानीय मंडियों तक सीमित नहीं रहें, वे देशभर के खरीददारों को ऑनलाइन बिकवाली कर अपनी उपज का सही मूल्य ले सकें, इस उद्देश्य से देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-नाम) प्लेटफॉर्म की शुरुआत 14 अप्रेल, 2016 को की गई थी। इस प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन नीलामी प्रक्रिया से खरीददार और विक्रेता दोनों के लिए पारदर्शिता सुनिश्चित होती है। किसान रीयल-टाइम में कीमतों का पता लगा सकते हैं और बेहतर निर्णय ले सकते हैं। फसल बेचने के बाद सीधे किसानों के बैंक खातों में डिजिटल भुगतान की सुविधा है। व्यापारियों को पूरे राज्य के लिए एकल लाइसेंस मिलता है, जो राज्य के सभी बाजारों में मान्य होता है। ई-नाम पोर्टल का नवीन संस्करण ई-नाम 2.0 केन्द्र सरकार द्वारा 12 फरवरी 2026 से लागू किया गया है। इस नए प्लेटफॉर्म का उद्देश्य स्वचालित बोली प्रणाली, मांग-आपूर्ति डेटा, लॉजिस्टिक्स और फिनटेक सहायता जैसी सुविधाओं के द्वारा अंतर-राज्यीय कृषि व्यापार को बढ़ावा देना है। राजस्थान में ई-नाम के माध्यम से 15 लाख 55 हजार से अधिक किसान, 87 हजार 509 व्यापारी और 27 हजार 989 कमीशन एजेंट्स को एक मंच पर लाया गया है। प्रदेश में 546 किसान-उत्पादक संगठन (एफपीओ) ई-नाम प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत हैं। ई-नाम के जरिए राजस्थान में 138 वस्तुओं का व्यापार किया जा रहा है। जैसे-जैसे यह प्लेटफॉर्म विकसित हो रहा है, बाजार संपर्क बढ़ रहा है और व्यापार में भी तेजी आ रही है। 2016 से जनवरी 2026 तक ई-नाम प्लेटफॉर्म पर राजस्थान में 3.16 करोड़ मीट्रिक टन कृषि उपज का व्यापार हुआ है, जिसका कुल मूल्य एक लाख 30 हजार 772 करोड़ रुपए से अधिक है। इस तरह ई-नाम प्लेटफॉर्म पर कुल आवक के मामले में राजस्थान दस साल में दूसरे एवं ई-ट्रेड में प्रथम स्थान पर रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में उपज के गुणवत्ता मूल्यांकन में एआई के उपयोग की पहल भी की गई है। वर्तमान में राजस्थान में 134 ई-नाम मंडियां कृषि उत्पादों की गुणवत्ता जांच के लिए एआई-आधारित और एमएल-आधारित मशीनों का उपयोग कर रही हैं। इससे परीक्षण के समय में उल्लेखनीय कमी आई है। ई-नाम प्लेटफॉर्म डिजिटल भुगतान प्रणालियों को प्रोत्साहित करता है, जिससे किसानों के वित्तीय समावेशन में मदद मिल रही है। ई-ट्रांजेक्शन के सत्यापन योग्य वित्तीय रिकॉर्ड तैयार होने से संस्थागत ऋण और अन्य वित्तीय सेवाओं तक किसानों की पहुंच बढ़ती है। राजस्थान में 44 हजार 711 सौदों में 505 करोड़ रुपए से अधिक का ई-भुगतान किया गया है।

जनगणना-2027 के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकान गणना के संबंध में दिया प्रशिक्षण

जयपुर

जनगणना कार्य निदेशालय राजस्थान द्वारा जनगणना-2027 के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकान गणना कार्यों के संबंध में जयपुर जिले के समस्त जनगणना अधिकारी व उपखण्ड अधिकारी, चार्ज जनगणना अधिकारी व तहसीलदारों का एक दिवसीय प्रशिक्षण गुरूवार को राजस्थान के जनगणना विभाग के निदेशक विष्णुचरण मलिक की अध्यक्षता में व प्रमुख जनगणना अधिकारी व जिला कलक्टर संदेश नायक की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुआ। विष्णुचरण मलिक ने बताया कि जनगणना-2027 के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकान गणना के कार्य में उपखण्ड जनगणना अधिकारी एवं उपखण्ड अधिकारी व चार्ज जनगणना अधिकारी व तहसीलदारों की जनगणना में महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने बताया कि जनगणना-2027 एक राष्ट्रीय महत्व का कार्य है, जिसकी गुणवत्ता सीधे अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने वाले व्यक्ति से जुड़ी होती है। उन्होंने बताया कि इस बार जनगणना आधुनिक एवं पूर्णत: डिजिटल रूप में सम्पन्न की जाएगी, जिससे डेटा की शुद्धता, पारदर्शिता एवं त्वरित विश्लेषण सुनिश्चित होगा। उन्होंने बताया कि जनगणना के प्रथम चरण में 1 से 15 मई 2026 तक आयोजित होने वाले मकान सूचीकरण एवं मकानों के स्व-गणना के कार्य को सभी राजकीय अधिकारी एवं कर्मचारी को पूर्ण गंभीरता व निष्ठा से करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही अधिक से अधिक जनप्रतिनिधियों व आमजन को भी स्वगणना हेतु प्रेरित करने के लिए कहा है। उन्होंने चार्ज जनगणना अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपखण्ड के सुपरवाइजर्स व प्रगणकों को भीषण गर्मी से बचाने के लिए आवश्यक व्यवस्था करें। साथ ही उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को जनगणना प्रबंधन एवं मॉनिटरिंग प्रणाली सीएमएमएस पॉर्टल के माध्यम से जनगणना के कार्यों की मॉनिटरिंग करने हेतु निर्देशित किया। जनगणना के कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने के निर्देश भी उन्होंने दिए हैं। प्रमुख जनगणना अधिकारी ने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि वे राष्ट्रहित में जनगणना के कार्य की महत्ता को देखते हुए सभी प्रगणक व सुपरवाइजर्स को तीन दिवसीय प्रशिक्षण दें एवं स्वयं भी प्रशिक्षण में व फील्ड कार्य के समय फील्ड में जाकर प्रगणक व सुपरवाइजर के कार्यों की जांच करें। उन्होंने बताया कि जनगणना 2027 में उनके वैधानिक क्षेत्र की अनुमानित जनसंख्या 35.54 लाख है, जनगणना कार्य में कुल 38 चार्ज अधिकारी हैं जिसमें 20 तहसीलदार, 2 नगर परिषद आयुक्त व 16 अधिशाषी अधिकारी नियुक्त हैं। यहाँ 5277 हाउस लिस्टिंग ब्लॉकों में 4817 प्रगणक एवं 780 सुपरवाईजर द्वारा 16 मई से 14 जून तक मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य किया जाएगा। प्रशिक्षण में स्व-गणना व फील्ड कार्य की समयावधि की जानकारी जनगणना कार्य निदेशालय, राजस्थान के संयुक्त निदेशक पुनित मेहरोत्रा ने दी। इस दौरान जिला जनगणना अधिकारी व अतिरिक्त जिला कलक्टर तृतीय संजय माथुर, सांख्यिकी विभाग के संयुक्त निदेशक बाबूलाल मीणा सहित समस्त उपखण्ड अधिकारी व तहसीलदार उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विकसित ग्राम/शहरी वार्ड अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित

जयपुर

मुख्यमंत्री विकसित ग्राम/शहरी वार्ड अभियान की प्रगति के संबंध में गुरुवार को स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन एवं एवं पंचायतीराज विभाग के शासन सचिव एवं आयुक्त डॉ. जोगा राम ने शासन सचिवालय में समीक्षा बैठक ली। बैठक में राजस्थान इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसफॉर्मेशन एंड इनोवेशन के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी नारायण लाल पालीवाल ने अभियान की अब तक की प्रगति की जानकारी दी। बैठक के दौरान ग्राम पंचायत एवं शहरी वार्ड स्तर पर संचालित गतिविधियों, ग्राम पंचायत बेसलाइन सर्वे, डेटा एंट्री, जीआईएस मैपिंग तथा मास्टर प्लान तैयार करने की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने तथा अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए। जैन ने कहा

कि निर्धारित समय-सीमा में डेटा संकलन, एंट्री एवं जीआईएस मैपिंग सुनिश्चित करते हुए डेटा की गुणवत्ता बनाए रखी जाए। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों की एसएसओ आईडी मैपिंग एवं रिपोर्टिंग मॉड्यूल के प्रभावी उपयोग के निर्देश दिए। साथ ही, ब्लॉक एवं शहरी निकाय स्तर पर डेटा गुणवत्ता की नियमित जांच सुनिश्चित करने, ग्राम/वार्ड सभाओं एवं फोकस ग्रुप डिस्कशन (एफजीडी) की प्रक्रियाओं को शीघ्र पूर्ण करने तथा सांख्यिकी विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर ई-ग्राम सहित अन्य उपलब्ध डेटा का उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्येक 4-5 ग्राम पंचायत/शहरी वार्ड के लिए प्रभारी अधिकारियों की नियुक्ति कर उनकी सूचना साझा करने तथा फील्ड स्तर पर तकनीकी सहायता के लिए हेल्पडेस्क स्थापित कर समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। डॉ. जोगा राम ने 25 अप्रैल तक सभी प्रक्रियाएं पूर्ण कर विशेष ग्राम सभाओं के आयोजन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आकांक्षाएं सही एवं समुचित तरीके से दर्ज की जाएं तथा वार्ड स्तर से आकांक्षाओं का व्यापक संग्रह सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, आकांक्षाएं मैन्युअल रूप से दर्ज करने का विकल्प भी उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कमजोर प्रगति वाले जिलों के अधिकारियों से संवाद कर ब्लॉक स्तर पर नियमित बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिए तथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में राजस्थान इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसफॉर्मेशन एंड इनोवेशन के अधिकारी, सभी जिला नोडल अधिकारी (ग्रामीण एवं शहरी), सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के प्रतिनिधि तथा ग्राम पंचायत एवं शहरी वार्ड प्रभारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

संक्षिप्त समाचार

टैरिफ रिफंड से भारत को मिल सकते हैं 12 अरब डॉलर, पर सीधे नहीं

अमेरिका, एजेंसी। अमेरिका ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से मनमाने तरीके से वसूले गए टैरिफ की रिफंड प्रक्रिया शुरू कर दी है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में कहा, रिफंड प्रक्रिया के तहत 166 अरब डॉलर से ज्यादा राशि लौटाई जाएगी, जिसमें से करीब 12 अरब डॉलर (1.12 लाख करोड़ रुपये) भारतीय वस्तुओं से संबंधित हैं। यानी रिफंड प्रक्रिया में भारत को 12 अरब डॉलर मिलने की संभावना है, पर सीधे तरीके से नहीं। जीटीआरआई ने कहा, रिफंड की राशि सिर्फ अमेरिकी आयातकों के खाते में जाती है और निर्यातकों का इस पर कोई कानूनी अधिकार नहीं होता। ऐसे में भारतीय निर्यातकों के पास रिफंड का दावा करने का कोई सीधा कानूनी रास्ता नहीं होगा। ऐसे में उन्हें अमेरिकी खरीदारों के साथ सक्रिय रूप से संपर्क करना चाहिए। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, कोई भी शुल्क वापसी व्यावसायिक बातचीत पर निर्भर करेगी। इसके लिए भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी खरीदारों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ना चाहिए। विशेषकर, उन मामलों में जहां पहले की कीमतों में टैरिफ लागत शामिल थी। भारतीय निर्यातक अपने अमेरिकी खरीदारों के साथ रिफंड को आपस में बांटने का सौदा कर सकते हैं, जिससे आयातक का रिफंड भारतीय कंपनी के लिए असली नकदी या कीमतों में छूट में बदल जाता है। कीमतों पर फिर से बातचीत : जहां पिछले साल कॉन्ट्रैक्ट की कीमतों में टैरिफ को शामिल किया गया था, अब जब लागत कम हो गई है, तो भारतीय निर्यातक उन समझौतों पर फिर से बातचीत करने का प्रयास कर सकते हैं। भविष्य के ऑर्डर और प्रतिस्पर्धी बढ़त : भारतीय कंपनियां इस अवसर का इस्तेमाल ज्यादा प्रतिस्पर्धी कीमतों पर नए ऑर्डर के लिए बातचीत करने में कर सकती हैं।

'होर्मुज में अस्थिरता का भारत पर सीधा असर', जर्मनी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जताई चिंता

बर्लिन, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जर्मनी में कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में किसी भी तरह की रुकावट भारत के लिए दूर की घटना नहीं है, बल्कि यह सीधा असर डालने वाली वास्तविक स्थिति है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में 50 दिनों से ज्यादा समय से संघर्ष जारी है और इसका वैश्विक स्तर पर प्रभाव भी पड़ रहा है। राजनाथ सिंह ने जर्मन संसद की रक्षा और सुरक्षा समिति को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज दुनिया नए सुरक्षा खतरों का सामना कर रही है और तकनीक में बदलाव से स्थिति और जटिल हो गई है। उन्होंने कहा कि बदलते हालात के अनुरूप होने के साथ नया दृष्टिकोण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। रक्षा मंत्री ने भारत और जर्मनी के रक्षा सहयोग को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के रक्षा उद्योग एक-दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने कहा कि भारत जैसे विकासशील देश के लिए ऊर्जा का बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया पर निर्भर है। इसलिए होर्मुज जलडमरूमध्य में कोई भी बाधा सीधे असर डालती है। उन्होंने बताया कि भारत ने इन चुनौतियों से निपटने के लिए सक्रिय रणनीति अपनाई है और समन्वित दृष्टिकोण पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जर्मन चांसलर ने रणनीतिक साझेदारी पर जोर दिया है और यूरोपीय संघ के स्तर पर भी भारत के साथ सहयोग बढ़ रहा है। सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत केवल खरीद कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह सह-निर्माण, सह-विकास और सह-नवाचार का अवसर है।

नासा रोवर की तस्वीरों में मंगल पर उड़ते दिखे कीड़े, फिर छिड़ी जीवन पर बहस

वॉशिंगटन, एजेंसी। मंगल ग्रह पर जीवन की संभावना को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है। नासा के रोवरों द्वारा भेजी गई कुछ तस्वीरों में कथित रूप से पंखों वाले कीड़े, छिपकली जैसे जीव और शिकारी जैसे जीवन रूप दिखाई देने के दावों ने वैज्ञानिको का ध्यान खींचा है। हालांकि यह विचार बेहद रोमांचक है कि मंगल की सतह पर कीड़े उड़ रहे हों या धूल के बीच कोई जीव छिपा हो, लेकिन वैज्ञानिक समुदाय का बड़ा हिस्सा इन दावों को लेकर काफी सतर्क और संशयपूर्ण है। विशेषज्ञों का कहना है कि मंगल सौरमंडल के सबसे अधिक अध्ययन किए गए ग्रहों में से एक है और अब तक वहां किसी जटिल जीव के अस्तित्व का ठोस प्रमाण नहीं मिला है। हाल के दावे मुख्य रूप से नासा के मार्स रोवर, विशेषकर क्यूरियोसिटी रोवर द्वारा ली गई तस्वीरों की व्याख्या से जुड़े हैं। कीट विज्ञानी विलियम रोमोसर ने सार्वजनिक रूप से उपलब्ध रोवर छवियों का अध्ययन करते हुए दावा किया कि इनमें कीड़ों जैसे और सरीसृपों जैसे आकार दिखाई देते हैं। उन्होंने अपनी प्रस्तुति एविडेंस ऑफ एक्सटेंट इंसेक्ट-लाइक ऑर्गेनिज्म्स ऑन मार्स और उसके सप्लीमेंटल मैटेरियल में तर्क दिया कि कुछ आकृतियां पंख, पंखों की मोड़ संरचना और व्यवस्थित पैरों जैसी बनावट दिखाती हैं। रोमोसर का कहना था कि मंगल पर जीवन था और अब भी है।

जर्मनी यूरोप में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार, अपनी पहली यात्रा पर बोले राजनाथ सिंह

जर्मनी, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अपने आधिकारिक दौरे पर जर्मनी पहुंचे, जहां उन्होंने बर्लिन में भारतीय समुदाय के एक कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भारत-जर्मनी संबंधों, भारतीय प्रवासी समुदाय की भूमिका, आर्थिक सहयोग और सांस्कृतिक जुड़ाव पर विस्तार से बात की। रक्षा मंत्री ने कार्यक्रम के बाद सोशल मीडिया पर कहा कि बर्लिन में भारतीय समुदाय के सदस्यों से बातचीत कर उन्हें बेहद खुशी हुई। उन्होंने भारतीय प्रवासी समुदाय को भारत और जर्मनी के बीच लिविंग ब्रिज बताया और कहा कि हाल के वर्षों में यह समुदाय एक मजबूत शक्ति के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि बातचीत के दौरान उन्होंने भारत की तेज आर्थिक प्रगति और तकनीकी विकास को रेखांकित किया, जिसमें इंफ्रास्ट्रक्चर, स्टार्टअप्स, अंतरिक्ष और डिजिटल इनोवेशन जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

भारत में 2000 से अधिक जर्मन कंपनियां सक्रिय : अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने कहा कि पिछले सात दशकों में भारत और जर्मनी के संबंध हर क्षेत्र में मजबूत हुए हैं। आज जर्मनी यूरोप में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन चुका है। उन्होंने कहा कि भारत में 2,000 से अधिक जर्मन कंपनियां सक्रिय हैं और जर्मनी की अग्रणी कंपनियां भारत के औद्योगिक विकास व मेक इन इंडिया अभियान को गति दे रही हैं। दूसरी ओर, कई भारतीय कंपनियां भी जर्मनी में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करा रही हैं।

जर्मनी में भारतीय की संख्या 3.7 लाख है : उन्होंने कहा कि भारत और जर्मनी के राजनीतिक व कूटनीतिक संबंधों के द्वार भले ही सरकारों के हाथ में हों, लेकिन दोनों देशों के रिश्तों की असली मजबूती लोगों के आपसी जुड़ाव से तय होती है। उन्होंने भारतीय समुदाय से कहा कि इस पुल को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका बेहद अहम है। राजनाथ सिंह ने बताया कि जर्मनी में भारतीयों की संख्या 3.7 लाख है और यह लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय समुदाय की उपलब्धियों और योगदान ने जर्मनी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

रक्षा मंत्री की पहली आधिकरिक यात्रा : रक्षा मंत्री ने कहा कि यह उनकी जर्मनी की पहली आधिकारिक यात्रा है और वह वहां के रक्षा मंत्री के निमंत्रण पर पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि यह अपने आप में एक उपलब्धि है कि समय के साथ भारत और जर्मनी के रिश्ते लगातार मजबूत हुए हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 भारत और जर्मनी के लिए विशेष है, क्योंकि इस वर्ष दोनों देशों के औपचारिक राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे हो गए हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के रिश्ते पूरी तरह लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित हैं।

रवीन्द्रनाथ टैगोर को दी श्रद्धांजली : उन्होंने आगे कहा कि भारत और जर्मनी केवल राजनीतिक और रणनीतिक संबंध ही साझा नहीं करते, बल्कि कला और संस्कृति के क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच गहरा उत्साह और जुड़ाव है। राजनाथ सिंह ने बताया कि उन्हें हम्बोल्ट विश्वविद्यालय जाने का अवसर मिला, जहां उन्होंने रवीन्द्रनाथ टैगोर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए।

कार्यक्रम के दौरन दिखे हल्के-फुल्के पल : कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्री ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि यह उनकी जर्मनी की पहली यात्रा है, जबकि वह अमेरिका सात से आठ बार जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद वह दो बार अमेरिका जा चुके हैं। इस पर श्रोताओं के हंसने पर उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि उन्हें समझ नहीं आया कि लोग क्यों हंस रहे हैं, जबकि वह तो सभी से मिलकर प्रसन्न हैं। राजनाथ सिंह ने जर्मनी की वैश्विक प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता की सराहना करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय में जर्मनी का एक अलग सम्मान है। उन्होंने कहा कि जर्मनी की इस सफलता में वहां के मूल निवासियों का बड़ा योगदान है, लेकिन भारतीय प्रवासी समुदाय ने भी इसमें अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि इस सच्चाई से कोई इनकार नहीं कर सकता।

अमेरिकी नौसेना के सबसे आधुनिक विमानवाहक पोत पर संकट! भविष्य की योजना पर उठे सवाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी नौसेना ने अपने सबसे हाई-टेक और महंगे युद्धपोत फोर्ड-क्लास एयरक्राफ्ट कैरियर की डिजाइन और लागत की व्यापक समीक्षा शुरू कर दी है। इस कदम ने इन आधुनिक विमानवाहक पोतों के भविष्य पर सवाल खड़े कर दिए हैं। नौसेना सचिव जॉन फेलन ने साफ किया कि यह समीक्षा व्यावहारिक और जरूरी है, जिसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि इन जहाजों पर खर्च और तकनीक भविष्य की जरूरतों के अनुरूप है या नहीं। जब उनसे पूछा गया कि क्या इस समीक्षा के बाद फोर्ड-क्लास के भविष्य के जहाज रद्द हो सकते हैं, तो उन्होंने सीधे इंकार नहीं किया। उन्होंने कहा 'अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन विमानवाहक पोत हमारी रणनीति का अहम हिस्सा बने रहेंगे।' राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से इन जहाजों की तकनीक, खासकर मैग्नेटिक कैटापल्ट सिस्टम की आलोचना करते रहे हैं। उनका दावा था कि यह तकनीक भरोसेमंद नहीं है। दुनिया का सबसे बड़ा विमानवाहक पोत यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड जून 2025 से 300 दिनों से अधिक समय तक तैनात रहा और कई अहम सैन्य अभियानों में शामिल हुआ। हालांकि, इतनी लंबी तैनाती के दौरान तकनीकी और संचालन से जुड़े कुछ मुद्दे भी सामने आए, जिससे इसकी क्षमता और लागत को लेकर बहस तेज हो गई है।

अमेरिकी सेना में बदलाव: अब सैनिकों के लिए फ्लू वैक्सीन अनिवार्य नहीं, धार्मिक स्वतंत्रता का दिया गया हवाला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा विभाग ने अपनी स्वास्थ्य नीति में बड़ा बदलाव करते हुए सैनिकों के लिए फ्लू वैक्सीन को अब अनिवार्य नहीं रखा है। इस फैसले के बाद अब अमेरिकी सैनिक अपनी इच्छा और धार्मिक आस्था के आधार पर वैक्सीन लेने या न लेने का निर्णय ले सकेंगे। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी सैनिक फ्लू वैक्सीन लेने के लिए स्वतंत्र हैं। लेकिन उन्हें इसके लिए मजबूर नहीं किया जाएगा। उनका शरीर, आस्था और दृढ़ विश्वास पर समझौता नहीं किया जा सकता। हालांकि, सैन्य सेवाओं को वैक्सीन की अनिवार्यता जारी रखने का अनुरोध करने की अनुमति है। इसके लिए उन्हें 15 दिन का समय दिया गया है। अमेरिकी सेना में टीकाकरण कार्यक्रम अमेरिकी क्रांति के समय से चले आ रहे हैं। लेकिन कोरोना वायरस महामारी के दौरान यह एक विवादास्पद राजनीतिक मुद्दा बन गया था। साल 2021 में कोविड-19 वैक्सीन अनिवार्य की गई थी। इसे मानने से इन्कार करने पर 8,400 से अधिक सैनिकों को सेना से बाहर कर दिया गया। हजारों अन्य ने धार्मिक और चिकित्सा छूट मांगी थी। कांग्रेस ने इस आदेश को रद्द करने पर सहमति व्यक्त की। पेंटागन ने जनवरी 2023 में इस आदेश को वापस ले लिया। तब तक

नौसेना, वायु सेना और मरीन कॉर्प्स के करीब 99 फीसदी सैनिकों ने वैक्सीन लगवा ली थी। ट्रंप प्रशासन ने कोविड-19 वैक्सीन से इन्कार करने वाले सैनिकों को वापस सेवा में लाने की नीति बनाई। इसमें उन्हें पिछली तनख्वाह के साथ वापस लाने का प्रावधान था। हालांकि, बहुत कम सैनिकों ने इस नई नीति का लाभ उठाया है। पेंटागन ने मार्च में बताया कि 153 सैनिकों को बहाल किया गया है। हेगसेथ की टीम ने पिछले कई महीनों से इन सैनिकों को व्यक्तिगत रूप से उजागर किया है। फ्लू वैक्सीन आदेश को ऐसे समय में हटाया गया है जब फ्लू का मौसम गंभीर रहा है। जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ छह महीने और उससे अधिक उम्र के सभी लोगों को वार्षिक इन्फ्लूएंजा वैक्सीन की सलाह देते हैं। ट्रंप प्रशासन बच्चों के लिए भी कुछ वैक्सीन की सिफारिशों को कम कर रहा है। कांग्रेस रिसर्च सर्विस की 2021 की रिपोर्ट में आठ अनिवार्य वैक्सीन सूचीबद्ध थीं। इनमें फ्लू, पोलियो, टिटनेस, खसरा और हेपेटाइटिस ए व बी शामिल थे।

जहाज टोस्का की रिहाई के लिए यूएन पहुंचा ईरान, अमेरिका के खिलाफ की शिकायत; बिना शर्त छोड़ने की रखी मांग

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ता हुआ नजर आ रहा है। ईरान ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) से अपील की है कि वह अमेरिका पर दबाव डाले ताकि ईरान के एक व्यावसायिक जहाज टोस्का और उसके चालक दल को तुरंत रिहा किया जा सके। ईरान के संयुक्त राष्ट्र में राजदूत अमीर सईद इरावानी ने इस मुद्दे को लेकर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने अमेरिका के इस कदम पर गंभीर चिंता जताई है। पूरे मामले को ऐसे समझिए कि ईरान का कहना है कि उसका एक व्यापारिक जहाज टोस्का को अमेरिकी बलों ने ओमान सागर में, ईरान के तट के पास पकड़ लिया। यह घटना एक दिन पहले हुई बताई जा रही है। राजदूत इरावानी के मुताबिक, यह कार्रवाई जबरदस्ती और धमकी के साथ की गई और जहाज के कर्मचारियों और उनके परिवारों की जान को खतरे में डाला गया। उन्होंने इस घटना को गैरकानूनी और शत्रुतापूर्ण बताया। अब इस मामले में ईरान का आरोप है कि अमेरिका की यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है। ईरान ने दावा किया है कि यह एक तरह से समुद्री डकैती जैसा व्यवहार है। इससे दुनिया के अहम समुद्री रास्तों की सुरक्षा को खतरा पैदा होता है।

इरावानी ने कहा कि इस तरह की घटनाएं क्षेत्र और दुनिया की शांति को बिगाड़ सकती हैं। इसके साथ ही ईरान ने यह भी दावा किया कि यह घटना उस संघर्षविराम का उल्लंघन है, जिसकी घोषणा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 7 अप्रैल को की थी। ऐसे में अब ईरान ने संयुक्त राष्ट्र से मांग की है कि अमेरिका की इस कार्रवाई की कड़ी निंदा की जाए और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। इतना ही नहीं मामले में ईरान का यह भी कहना है कि जहाज, उसके कर्मचारियों और उनके परिवारों को तुरंत और बिना शर्त रिहा किया जाए।

यूएस दौरे पर भारतीय सेना प्रमुख: द्विपक्षीय सैन्य संबंध मजबूत करने की कवायद, मुक्त और समृद्ध हिंद-प्रशांत पर जोर

अमेरिका, एजेंसी। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने आज जनरल उपेंद्र द्विवेदी का इंडिया हाउस में स्वागत किया। यह मुलाकात जनरल द्विवेदी के वॉशिंगटन डीसी में प्रस्तावित आधिकारिक कार्यक्रमों से पहले हुई। अमेरिका स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि भारतीय नौसेना प्रमुख और वायुसेना प्रमुख की हालिया यात्राओं के बाद सेना प्रमुख का यह दौरा भारत और अमेरिका के बीच लगातार बढ़ रहे उच्चस्तरीय सैन्य आदान-प्रदान को आगे बढ़ाता है। दूतावास ने कहा कि यह यात्रा दोनों देशों के रक्षा संबंधों को और मजबूत करेगी, जो व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी का प्रमुख स्तंभ है, और मुक्त, खुले व समृद्ध इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के साझा लक्ष्य को आगे बढ़ाएगी।

इससे पहले 21 अप्रैल को जनरल द्विवेदी ने होनोलूलू में जनरल रोनाल्ड पी. क्लार्क और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की थी। बैठक में भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग को मजबूत करने तथा इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता के साझा विजन को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई।

द्विवेदी को मिला गार्ड ऑफ ऑनर का सम्मान : फोर्ट शाफ्टर स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे पर पहुंचने पर जनरल द्विवेदी को औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद उन्होंने ओहू द्वीप का हवाई दौरा किया, जहां उन्हें प्रशिक्षण व्यवस्था, सैन्य संरचना और मल्टी-डोमेन ऑपरेशनल तैयारियों की जानकारी दी गई। भारतीय सेना के अतिरिक्त जनसंपर्क महानिदेशालय ने कहा कि सेना प्रमुख की यह यात्रा दोनों देशों के बीच सामरिक विश्वास और रक्षा सहयोग को नई दिशा देने वाली है।

भारत और अमेरिकी वायुसेना प्रमुखों की हुई थी वार्ता : इस महीने की शुरुआत में भारत और अमेरिका ने वायुसेना प्रमुखों के बीच हुई उच्चस्तरीय वार्ता में भी रणनीतिक रक्षा साझेदारी दोहराई थी। 8 अप्रैल को एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने अमेरिका का आधिकारिक दौरा किया था। इस दौरान उनका जॉइंट बेस एनाकोस्टिया-बोलिंग में पूर्ण सैन्य सम्मान के साथ स्वागत किया गया। बाद में एयर चीफ मार्शल सिंह ने पेंटागन से ट्रॉय मिंक और जनरल केनेथ विल्सबैक में मुलाकात की। वार्ता के दौरान इंटरऑपरेबिलिटी, संयुक्त प्रशिक्षण, क्षेत्रीय प्रतिरोधक क्षमता और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग पर जोर दिया गया।

अमेरिकी वायुसेना नेतृत्व ने कहा कि भारत के साथ रक्षा साझेदारी वॉशिंगटन की रणनीतिक प्राथमिकताओं में केंद्रीय स्थान रखती है। जनरल विल्सबाख ने बहुपक्षीय सैन्य अभ्यासों में भारत की सक्रिय भूमिका और नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सहयोग का विस्तार क्षेत्रीय सुरक्षा और संतुलन मजबूत करने में अहम होगा।

ईरानी सेना की ताकत अब भी मजबूत', पेंटागन रिपोर्ट में खुलासा; ट्रंप-हेगसेथ के दावों पर उठे सवाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) की खुफिया शाखा की एक नई रिपोर्ट ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलचल मचा दी है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान की सैन्य क्षमता अभी भी मुख्य रूप से मजबूत बनी हुई है, जिससे अमेरिकी नेतृत्व के हालिया बयानों पर सवाल खड़े हो गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने पहले दावा किया था कि हालिया संघर्षों के बाद ईरान की सेना को भारी नुकसान हुआ है और उसकी ताकत काफी कमजोर हो चुकी है। लेकिन पेंटागन की खुफिया रिपोर्ट इन दावों से पूरी तरह असहमत नजर आ रही है। ट्रंप ने बढ़ाया युद्ध विराम,

पाकिस्तान की अपील का दिया हवाला

इस आंतरिक खुफिया आकलन के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ युद्ध विराम को और बढ़ाने की घोषणा की है। उन्होंने इस निर्णय का कारण पाकिस्तानी नेतृत्व द्वारा एक नियोजित सैन्य हमले में देरी के लिए की गई सीधी अपील को बताया। यह घोषणा पिछले समय-सीमा समाप्त होने से कुछ घंटे पहले सार्वजनिक की गई।

हालांकि, इस घोषणा का तेहरान से तत्काल विरोध हुआ। ईरान के संसद अध्यक्ष के एक सलाहकार, महदी मोहाम्मदी ने अमेरिकी कदम को खारिज करते हुए कहा कि हारने वाला पक्ष शर्तें तय नहीं कर सकता। उन्होंने तर्क दिया कि यह विस्तार ईरानी सरकार के लिए कुछ भी मायने नहीं रखता और अमेरिकी सेना के खिलाफ सैन्य वृद्धि का आह्वान किया। एक्स पर एक पोस्ट में, मोहाम्मदी ने कहा कि ट्रंप द्वारा युद्ध विराम का विस्तार कुछ भी मायने नहीं रखता क्योंकि हारने वाला पक्ष शर्तें तय नहीं कर सकता। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि घेराबंदी जारी रखना बमबारी से अलग नहीं है और इसका जवाब सैन्य रूप से दिया जाना चाहिए। बीते दिनों दोनों देशों के बीच इस्लामाबाद में हुई 21 घंटे की लंबी बातचीत के बाद एक दीर्घकालिक समझौते को सुरक्षित करने का पिछला प्रयास बिना किसी सफलता के समाप्त हो गया था, जिससे तनाव और बढ़ गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान की सैन्य शक्ति अभी भी पश्चिम एशिया में एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली स्थिति बनाए हुए है। उसके सैन्य ढांचे को पूरी तरह कमजोर नहीं किया जा सका है।

युद्ध विराम विस्तार पर ट्रंप के दावे पर ईरान का जवाब क्या, पाक में शांति वार्ता कहां तक पहुंची?

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव एक बार फिर विस्फोटक मोड़ पर पहुंच गया है, जहां कूटनीति की धागे लगातार उलझते जा रहे हैं। युद्ध विराम को लेकर बनी नाजुक सहमति अब डगमगाने लगी है और दोनों देशों के बीच भरोसे की खाई और गहरी होती दिख रही है। इसी बीच बड़ा राजनीतिक उलटफेर तब सामने आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के युद्ध विराम को बढ़ाने के एलान के कुछ ही समय बाद ईरान ने अमेरिका की शर्तों को सिरे से खारिज कर दिया है। ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के अनुसार, तेहरान ने साफ कर दिया है कि वह किसी भी दबाव, शर्त या धमकी के आधार पर बातचीत नहीं करेगा। हालांकि इसके बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि युद्ध विराम को आगे बढ़ाया जा रहा है। पाकिस्तान में शांति वार्ता की अटकलों के बीच ईरान का यह दो टूक अंदाज न सिर्फ कूटनीतिक टकराव को तेज करता है, बल्कि पहले से तनावग्रस्त पश्चिम एशिया की स्थिति को और अधिक विस्फोटक बना देता है।

ईरान की दो टूक और ट्रंप का दावा समझिए : बता दें कि ईरान की तरफ से ट्रंप के बयान पर आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन शुरुआती संकेतों में ईरान ने अमेरिकी दावों पर शक जताया है और कहा है कि उसने संघर्षविराम बढ़ाने की कोई मांग नहीं की। आईआरआईबी की रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान ने अमेरिका की बातचीत की शर्तों को स्वीकार नहीं

किया है। ट्रंप ने एकतरफा तरीके से युद्ध विराम को बढ़ाया है। दूसरी ओर मामले में युद्ध विराम को बढ़ाने का एलान करते हुए इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि उन्होंने यह फैसला इसलिए लिया क्योंकि ईरान की सरकार अंदर से बंटी हुई है। इसलिए उसे एक साथ मिलकर प्रस्ताव तैयार करने का समय दिया जाना चाहिए। ट्रंप के अनुसार, यह निर्णय पाकिस्तान के सेना प्रमुख सैयद आसिम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के अनुरोध के बाद लिया गया।

ट्रंप ने अपने एलान में क्या कहा था : बता दें कि इससे पहले ट्रंप ने दावा किया था कि अमेरिका ने ईरान पर हमला रोकने का फैसला किया है। जब तक ईरान एक एकजुट प्रस्ताव नहीं देता, तब तक संघर्षविराम जारी रहेगा। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिकी सेना अपनी तैयारी बनाए रखेगी।

अभी क्या है युद्ध विराम की स्थिति : यह संघर्षविराम इस महीने की शुरुआत में बातचीत के लिए शुरू किया गया था, लेकिन दोनों देशों के बीच भरोसा कमजोर बना हुआ है। स्थिति अभी भी अस्थिर है। इस बीच रिपोर्ट में यह कहा गया है कि अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की पाकिस्तान यात्रा फिलहाल रोक दी गई है, क्योंकि ईरान ने अमेरिकी प्रस्तावों का कोई जवाब नहीं दिया है।

वे इज्जत बचाना चाह रहे.., ईरान और उसके नेताओं के खात्मे तक डील असंभव'; ट्रंप का इशारा क्या?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच टकराव अब कूटनीति की पतली डोर पर झूल रहा है, जहां शांति के प्रयासों के बीच युद्ध का साया गहराता जा रहा है। ऐसे में अब एक बार फिर ईरान को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सख्त रुख ने वैश्विक चिंता को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। उन्होंने कहा कि होर्मुज को लेकर ईरान सिर्फ इज्जत बचाने का खेल खेल रहा है। अपने बयान में ट्रंप ने साफ-साफ कहा कि ईरान वास्तव में होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद नहीं करना चाहता, बल्कि उसे खुला रखना चाहता है। उनके मुताबिक, ऐसा इसलिए है क्योंकि ईरान इस रास्ते से हर दिन लगभग 500 मिलियन डॉलर (करीब 4,000 करोड़ रुपये) की कमाई करता है। ट्रंप ने ये बातें अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट में कही। जहां उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि ईरान केवल दिखावे के लिए यह कह रहा है कि वह इस जलडमरूमध्य को बंद करना चाहता है।

होर्मुज को लेकर फिर किया बड़ा दावा : अपने पोस्ट में एक बार फिर ट्रंप ने होर्मुज को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि असल में अमेरिका ने इस रास्ते को पूरी तरह से ब्लॉक (बंद) कर रखा है, इसलिए ईरान अपनी इज्जत बचाने के लिए ऐसी बातें कर रहा है। ट्रंप के अनुसार, कुछ लोगों ने उनसे संपर्क कर बताया कि ईरान तुरंत इस रास्ते को खोलना चाहता है। यानी, ईरान खुद भी समझता है कि यह रास्ता बंद रहने से उसे भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है।

ईरान को फिर ट्रंप की दो टूक, इशारा क्या : अपने पोस्ट में ट्रंप ने एक बार फिर बड़ा दावा करते हुए कहा कि अभी चार दिन पहले कुछ लोग उनके पास आए और बताया कि ईरान चाहता है कि होर्मुज को तुरंत खोल दिया जाए। ट्रंप ने आगे कहा कि अगर अमेरिका इस रास्ते को खोल देता है, तो फिर ईरान के साथ किसी भी तरह की बातचीत या समझौता संभव नहीं रहेगा। उन्होंने बेहद कड़े शब्दों में दो टूक अंदाज

में कहा कि ऐसी स्थिति में तब तक कोई डील नहीं हो सकती, जब तक ईरान और उसके नेताओं के खिलाफ पूरी तरह सख्त कार्रवाई न की जाए। इस बात को ऐसे समझिए कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक चिंता का केंद्र बन गई है। यह संकरा समुद्री रास्ता फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ता है और दुनिया के सबसे बड़े तेल ट्रांजिट मार्गों में गिना जाता है। अनुमान है कि वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है, जिससे एशिया, यूरोप और अन्य देशों की ऊर्जा जरूरतें पूरी होती हैं। ऐसे में अगर यह जलडमरूमध्य किसी भी कारण से बंद होती है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की सप्लाई अचानक घट सकती है। इसका सीधा असर पेट्रोल-डीजल की कीमतों, महंगाई और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। भारत जैसे आयात पर निर्भर देशों के लिए स्थिति और गंभीर हो सकती है। यही वजह है कि होर्मुज सिर्फ एक समुद्री रास्ता नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा माना जाता है। यहां पैदा होने वाला कोई भी संकट पूरी दुनिया में आर्थिक अस्थिरता और रणनीतिक तनाव को बढ़ा सकता है।

धूम्रपान न करने वाले कम उम्र के लोगों में भी बढ़ रहा फेफड़ों का कैंसर, रिसर्च में चौंकाने वाला दावा : वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के शोधकर्ताओं ने पाया है कि 50 वर्ष से कम उम्र के ऐसे लोगों में भी फेफड़ों के कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं, जिन्होंने कभी धूम्रपान नहीं किया। अध्ययन में विशेष रूप से यह भी सामने आया कि युवा धूम्रपान न करने वाली महिलाओं में यह जोखिम पुरुषों की तुलना में अधिक देखा गया। यूएससी नॉरिस कॉम्प्रिहेंसिव कैंसर सेंटर और केक मेडिसिन ऑफ यूएससी के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए इस शोध को अमेरिकन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च की वार्षिक बैठक में प्रस्तुत किया गया। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह प्रवृत्ति फेफड़ों के कैंसर के बदलते स्वरूप की ओर संकेत करती है और इसके पीछे पर्यावरणीय कारणों की गहराई से जांच की जरूरत है। अध्ययन में लगभग 187 ऐसे मरीजों का विश्लेषण किया गया।

स्वत्वाधिकारी , मालिक, प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक राजेश कुमार द्वारा एम. एस. ऑफसेट प्रिंटर्स, प्लॉट नंबर 199 बी, गली नंबर 2, फिल्टर हाउस के पीछे, कबीर नगर जोधपुर (राज.) से मुद्रित एवं आकरा भट्टा, आबू रोडसिरोही राजस्थान से प्रकाशित। 9887935774, 7014018569 Email- hindustanserubaru@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र सिरोही होगा। (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी